ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

सनी देओल ने बेटे करण के संगीत में ... पेज 10 पर

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • आषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 • विक्रम संवत 2080 • रविवार, 18 जून 2023 • वर्ष-29 • अंक-242 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

NEWS इन ब्रीफ

टीपीसी का एरिया कमांडर समीर अंसारी गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने टीपीसी एरिया कमांडर रॉकी उर्फ समीर अंसारी को गिरफ्तार किया है। एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि रॉकी बुढ़मू थाना क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने के लिए आने वाला है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएसपी की क्यूआरटी टीम ने टीपीसी एरिया कमांडर रॉकी को गिरफ्तार किया। पुलिस की टीम उससे पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार रॉकी अमेरिकी राइफल लेकर घूमा करता था। ऐसे में पुलिस उससे हथियार को लेकर जानकारी भी हासिल कर रही है, ताकि हथियार और गोला-बारूद को भी बरामद किया जा सके। उल्लेखनीय है कि रॉकी पर पुलिस के मुखबिर राजा साहब की हत्या करने का आरोप है। रॉकी के दस्ते ने ही रातू थाना क्षेत्र के रहने वाले मुखबिर राजा साहब अगवा कर लिया था और फिर जंगल में जाकर उसकी हत्या कर दी थी।

बाइक सवार दो युवकों की दुर्घटना में मौत

गिरिडीह। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के घाघरा कॉलेज के पास 17 जून को दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई. मृतक दोनों युवक बोकारो के फुसरो निवासी अश्वनी पाठक और मनीष मिश्रा थे। घटना के बाद घटनास्थल में अफरा-तफरी मच गई। दोनों युवक बाइक से अपने रिश्तेदार के घर हजारीबाग जा रहे थे कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हेलमेट पहने चालक का भी सर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और घटनास्थल पर ही दोनों युवकों की मौत हो गई। जानकारी मिलने के बाद बगोदर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुट गई। दोनों मृतक के परिजनों को पुलिस ने हादससे की जानकारी दे दी है।

युगांडा में स्कूल पर हमला, 38 छात्रों समेत 41 की मौत

कंपाला। युगांडा में आईएसआईएस से जुड़े आतंकी समूह ने एक स्कूल पर हमला कर दिया। इस हमले में 38 छात्रों समेत 41 लोगों की मौत हो गयी। आठ लोगों के घायल होने की जानकारी भी साने आई है। पश्चिमी युगांडा के मपांडवे कस्बे में आईएसआईएस से जुड़े अलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स के बंदूकधारियों ने एक स्कूल पर हमला कर दिया। हमले में 41 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से 38 छात्र थे। आठ अन्य लोग घायल हुए हैं।

चतरा पुलिस को आरोपियों के पास से 5.36 किलोग्राम नशीला पदार्थ मिला

अफीम के साथ तीन महिलाएं गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हंटरगंज थाना क्षेत्र से तीन महिलाओं को 5.36 केजी अफीम (गादा) की तस्करी करते रंगे हाथों गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। एसडीपीओ ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि चतरा से दो महिला अपने साथ अफीम लेकर जयमंगला बस से गया (बिहार) की ओर जा रही हैं। सूचना के आलोक में जोरी व हंटरगंज थाना को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया। प्राप्त निर्देश के आलोक में हंटरगंज थाना गेट के सामने जय मंगला बस से दो महिला देवन्ती एवं दमिया कुमारी को अफीम के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया। पकड़े जाने की सूचना वरीय पदाधिकारी को देते हुए अंचलाधिकारी मिथलेश कुमार के समक्ष 5.36 केजी अफीम, दो मोबाईल फोन को विधिवत जप्त किया गया। गिरफ्तार महिला ने स्वीकार की बरामद अफीम तपेज के युगल किशोर साव एवं उनकी पत्नी पूजा देवी के द्वारा हमलोगों को गया (बिहार) पहुंचाने हेतु दिया गया था। उसके बाद

त्वरित कार्रवाई करते हुए पूजा देवी को भी गिरफ्तार किया गया एवं युगल किशोर साव के विरुद्ध लागातार छापामारी की जा रही है। इस संबंध में हंटरगंज थाना काण्ड संख्या 115/23 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामर्ला दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त देवंती देवी (22) पति दुर्गा मुन्डा, दमिया कुमारी (20) वर्ष पिता धनेश्वर उरांव व पूजा देवी पति युगल किशोर साव को जेल भेज दिया गया। छापामारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक सह थाना प्रभारी सनोज चौधरी, पुलिस अवर निरीक्षक शुशिल टुडू एंव सशस्त्र बल शामिल थे।

मुख्यमंत्री 22 जून को 1632 नवनियुक्त पंचायत सचिवों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 22 जून को नवनियुक्त पंचायत सचिवों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इसको लेकर मोहराबादी मैदान में तैयारी की जा रही है। लगभग 1632 पंचायत सचिवों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया जायेगा। पंचायती राज विभाग के सचिव राजीव अरूण एक्का ने नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के लिए सभी जिलों के उपायुक्तों को पत्र लिखा है। सचिव ने कहा कि वे सुनिश्चित करायें कि 22 जून को सारे पंचायत सचिव समारोह स्थल में उपस्थित हों। इससे पूर्व सारी कागजी प्रक्रिया भी पूर्ण करने को कहा है। 2017 में ही राज्य कर्मचारी चयन आयोग से इनकी नियुक्ति की अनुशंसा की गयी थी लेकिन कार्मिक विभाग के एक पत्र की वजह से नियुक्ति रूकी हुई थी। अब विभाग ने सरकार की अनुमति के बाद नियुक्ति पर लगी रोक को हटा दिया है। इसके बाद ही नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। पंचायत सचिवों की नियुक्ति होने के बाद पंचायत सचिवालय के कार्य बेहतर होंगे। पंचायती राज, सहित ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन उचित तरीके से हो सकेगा।

टॉप नक्सली के ड्राइवर की तलाश

पलामू में एनआईए का छापा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू नक्सलियों के खिलाफ एनआईए ने शिकंजा कसा है। पलामू में टॉप नक्सली के ड्राइवर की तलाश में एनआईए की टीम ने कार्रवाई की है। यह छापेमारी पिपरा थाना क्षेत्र के लोहरसी के इलाके में की गई है। एनआईए जिस ड्राइवर की तलाश में लोहरसी के इलाके में पहुंची थी, वह फरार है। लेकिन उनकी टीम को ड्राइवर के घर से अहम दस्तावेज हासिल हुए हैं। लोहरसी में नक्सली के ड्राइवर जुबैर अंसारी के पिता अनीश अंसारी के घर से कागजात बरामद हुए हैं। एनआईए की टीम जुबैर अंसारी का पास बुक अपने साथ ले गई है।मिली जानकारी के अनुसार पलामू के पांकी के इलाके में 2017-18 में हुए एक नक्सली घटना में यह छापेमारी की गयी है। एनआईए की टीम ने छापेमारी के लिए पलामू पुलिस से सहयोग मांगा। पलामू पुलिस की स्पेशल टीम उनकी मदद कर रही है। एनआईए के अधिकारियों के विषय में पुलिस को अधिक जानकारी नहीं दी गयी है। लोहरसी में छापेमारी के बाद उनकी टीम किसी और इलाके में छापेमारी के लिए निकल गई है।मिली जानकारी के अनुसार जुबैर अंसारी टॉप नक्सली का ड्राइवर है और नक्सली हमले के दौरान वो दस्ते में भी शामिल था। वो नक्सलियों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाता था और कई तरह से मदद भी करता था। लातेहार के लुकईया हमले मे टॉप माओवादी रबिन्द्र गंझू के दस्ते का हाथ था, जुबैर अंसारी इसी दस्ते का ड्राइवर था। फिलहाल जुबैर अंसारी फरार है। जानकारी के अनुसार जुबैर अंसारी के बैंक खाते में नक्सलियों का पैसा आया था, इसकी जानकारी एनआईए को मिली थी।

भाग कर शादी नहीं की तो प्रेमी ने कर दी निर्मम हत्या

नाबालिग छात्रा के ब्लाइंड मर्डर केस का पुलिस ने किया उद्भेदन, आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

पुलिस ने लावालोंग थाना क्षेत्र के पोटम गांव में हुए नाबालिग छात्रा के ब्लाइंड मर्डर केस का उद्भेदन 48 घंटों के अंदर करते हुए मृतका के प्रेमी संतोष कुमार को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। इस दौरान पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी प्रेमी के पास से नाबालिग छात्रा की हत्या में प्रयुक्त दो पत्थर, घटनास्थल से बरामद किए। मृतक छात्रा का खून से सना कपड़ा, मृतक के छुपाए गये चप्पल के साथ हत्या के दौरान उपयोग किये गये एक एंड्रॉयड फोन भी बरामद कर लिये गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का मृतका के साथ पूर्व से ही प्रेम प्रसंग चल रहा था और बीते मंगलवार को मिलने के लिए गांव के पास के जंगल में बुलाया था, जहां भाग कर शादी करने के लिए दबाव डाल रहा था। इस पर छात्रा ने यह कह कर मना कर दिया था कि इससे उसके परिवार की इज्जत और मान को ठेस पहुंचेगी। छात्रा की इस बात से नाराज सनकी प्रेमी ने पास पड़े पत्थर से शेष पृष्ठ 11 पर

वाहन पलटने से दो की मौत, पांच घायल

बोकारो। पिंडराजोड़ा थाना क्षेत्र के बेड़ानी मोड पर शनिवार सुबह 407 पलट जाने से उस पर सवार दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पिंडराजोड़ा पुलिस के सहयोग के सभी जख्मी को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जबकि दोनों मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना के संबंध में पिंडराजोड़ा थाना के पुलिस मोहम्मद शमीम अंसारी ने बताया कि बेड़ानी मोड़ के समीप 407 पलट गई। घटना में दारा महतो एवं लखीकांत बाउरी की मौत हो गई, जबकि इस घटना में जगदेव बाउरी, लक्ष्मीकांत बाउरी, सन्यासी बाउरी, सुधांशु दुआरी एवं नित्यानंद दुआरी गंभीर रूप से घायल हो गए।

थाने को नहीं दी थी सूचना, दोनों चालक गंभीर रूप से घायल

मझिआंव : दो निजी चालकों के साथ छापा मारने गए सीओ पर ग्रामीणों ने किया हमला

नवीन मेल संवाददाता। मझिआंव

थाना क्षेत्र अंतर्गत बूढ़ी खाड़ गांव में शनिवार को सुबह करीब 4 बजे अवैध रूप से बालू उठाव की सूचना पर बिना थाने को सूचना दिए अपने दो निजी चालकों के साथ छापामारी करने गए सीओ राम जी प्रसाद गुप्ता पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार सीओ ने बांकी नदी से भीस लेकर जा रहे ट्रैक्टर का पीछा किया तो आनन फानन में ट्रैक्टर चालक द्वारा भीस को पीसीसी रोड पर गिरा कर फरार होने लगा। शेष पृष्ठ 11 पर

सीओ ने चार नामजद व 30 -40 अज्ञात लोगों पर कराई प्राथमिकी दर्ज

सीओ राम जी प्रसाद गुप्ता ने इस मामले में मझिआंव थाना में बूढ़ी खाड़ गांव निवासी परशु यादव के पुत्र बब्बन यादव (32) सहित 4 नामजद तथा 30- 40 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने बताया कि सीओ की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। मौके से गिरफ्तार हुए बबन यादव को गढ़वा जेल भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता ने यह पूछने पर कि आप बिना थाने को शेष पृष्ठ 11 पर

दाहू ने गंगा में जहाज पर मचाया आतंक, केस दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

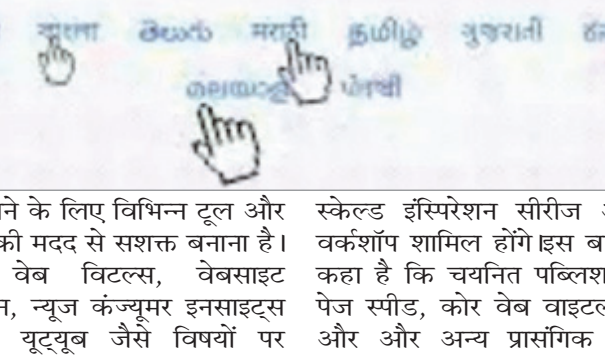

रांची। झारखंड में 1000 करोड़ रुपये के खनन घोटाले के आरोपी जिस दाहू यादव की तलाश में ईडी और झारखंड पुलिस जंगल से लेकर पहाड़ तक एक कर रही है, वह गंगा नदी में आतंक मचा रहा है। 15 जून की देर रात दाहू यादव और उसके गुर्गों ने साहेबगंज स्थित गंगा नदी में चल रहे मरीन एक्सवी मालवाहक जहाज पर पहुंचकर उत्पात मचाया और गैस कटर से जहाज में छेद कर उसे डुबाने की कोशिश की। जहाज संचालक

बिहार के मुंगेर निवासी रवि उर्फ टुन्नी यादव ने इस घटना को लेकर साहिबगंज स्थित मुफस्सिल थाने में दाहू यादव सहित 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में कहा गया है कि 15 जून की रात जब जहाज के सभी क्रू मेंबर ड्यूटी पर थे, दाहू यादव के नेतृत्व में दो नावों पर सवार 15 लोग जहाज पर आये और जान से मारने की धमकी देकर सभी को हथियार के बल पर बंधक बना दिया। फिर दाहू ने जहाज पर आतंक मचाना शुरू कर दिया। उसने अपने साथियों से कहा कि जहाज को गैस कटर से काटकर डुबा दो। उसके कहने से गुर्गों ने गैस कटर से जहाज में छेद भी कर दिया। हालांकि जहाज डूबने से बच गया। जहाज में मौजूद सुरक्षाकर्मी ने एफआईआर में कहा है कि दाहू यादव और उसके गुर्गे सुनियोजित

बाबूलाल मरांडी ने अरगोड़ा थानेदार के खिलाफ मानवाधिकार आयोग से की शिकायत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने अरगोड़ा थाना और इसके कर्मियों के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के पास शिकायत की है। शनिवार को उन्होंने आयोग के अध्यक्ष को चिट्ठी लिखकर बताया कि 15 जून को अरगोड़ा थाना में विनोद कुमार सिन्हा नामक व्यक्ति की थाने के अंदर बर्बरतापूर्वक पिटाई की गई। पीड़ित न तो कोई अपराधी है और न ही आपराधिक रिकॉर्ड का व्यक्ति है। वह एक आम आदमी है जो थाने में न्याय की आस लेकर गुहार लगाने गया था। कहा जाता है कि कोई भी पुलिस थाना आपराधिक न्याय प्रणाली की पहली सीढ़ी है। यह वही जगह है जहां से न्याय के बीज का जन्म होता है पर अत्यंत अफसोस की बात है कि एक थाने में एक इंसान द्वारा महज कुछ सवाल पूछे जाने पर उसे बुरी तरह से पीट-पीट कर लहूलुहान कर दिया जाता है। खून से लथपथ पीड़ित के चेहरे पर जो खून के धब्बे हैं, वो यह बयान कर रहे हैं कि किस तरह से झारखंड में विधि शासन की खुलेआम धज्जियां उड़ायी जा रही हैं। बाबूलाल ने विनोद कुमार की पिटाई के मामले में आयोग से निवेदन करते कहा है कि झारखंड सरकार को तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाए, ताकि पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो सके। अरगोड़ा, रांची थाना प्रभारी संजय कुमार सहित अन्य दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाये।

ट्रेनिंग गूगल लोकल समाचार संगठनों को ट्रेनिंग के साथ फंडिंग भी देगा, लेकिन

इसकी शर्तों पर तो बड़े समाचार संगठन भी खरे नहीं उतरेंगे

– आरएनएम

नई दिल्ली। गूगल भारत में लोकल समाचार संगठनों को अपने डिजिटल ऑपरेशन्स को बढ़ाने में मदद करेगा। गूगल ने गूगल न्यूज इनीशिएटिव भारतीय भाषा प्रोग्राम पेश किया है। इस प्रोग्राम की मदद से नौ भारतीय भाषाओं में ओरिजिनल समाचार बनाने वाले छोटे और मध्यम आकार के समाचार संगठनों को सशक्त किया जाएगा और उन्हें ट्रेनिंग और टेक्निकल सपोर्ट के साथ फंडिंग भी की जाएगी।

गूगल ने इसमें अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मलयालम, गुजराती और मराठी सहित नौ भारतीय भाषाओं में समाचार संगठनों को मदद करेगा। प्रोग्राम के तहत, इन संगठनों को ट्रेनिंग, टेक्निकल सपोर्ट के साथ फंडिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी।गूगल के अनुसार इस पहल का उद्देश्य पब्लिशर्स को वेब पर उनके यूजर्स एक्सपीरियंस और

रेवेन्यू को बढ़ाने के लिए विभिन्न टूल और बेस्ट प्रैक्टिस की मदद से सशक्त बनाना है। इसमें कोर वेब विटल्स, वेबसाइट ऑप्टिमाइजेशन, न्यूज कंज्यूमर इनसाइट्स (एनसीआई), यूट्यूब जैसे विषयों पर स्केल्ड इंस्पिरेशन सीरीज और वर्चुअल वर्कशॉप शामिल होंगे।इस बारे में गूगल ने कहा है कि चयनित पब्लिशर्स को उनकी पेज स्पीड, कोर वेब वाइटल्स परफॉरमेंस और और अन्य प्रासंगिक पैरामीटर का आकलन करने के लिए एक प्रक्रिया से भी गुजरना होगा। इसके अलावा, कुछ पब्लिशर्स को अपने यूजर्स एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए समर्पित परामर्श और टेक्निकल सपोर्ट भी मिलेगा।

इसके लिए आवेदन कैसे करें

जीएनआई भारतीय भाषा कार्यक्रम में 30 जून, 2023 तक आवेदन किया जा सकता है। योग्य आवेदक छोटे या मध्यम आकार के भारतीय भाषा समाचार संगठन होने चाहिए, जिनकी एक ऑपरेशनल वेबसाइट हो, कम से कम 12 महीने से चल रही हो और कम से कम 50 फुल टाइम कर्मचारी हों। आवेदनों का मूल्यांकन ऋ्ङ्क्ष्ी प्रोजेक्ट टीम और बाहरी सलाहकारों द्वारा किया जाएगा। इच्छुक समाचार संगठन कार्यक्रम के लिए जीएनआई वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।यहां सवाल यह है कि कितने ऐसे छोटे समाचार संगठन हैं जिनके 50 फुल टाइम कर्मचारी हों। इतना तो कई बड़े तथाकथित राष्ट्रीय समाचार पत्र संगठन में नहीं हैं।

अभिनेत्री अमीषा पटेल का कोर्ट में सरेंडर, मिली जमानत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चेक बाउंस के एक मामले में शनिवार को फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल ने रांची सिविल कोर्ट के सिविल जज सीनियर डिवीजन डीएन शुक्ला की अदालत में सरेंडर किया। सरेंडर के बाद अदालत ने उन्हें 10,000 रुपये के दो बेल बांड पर जमानत दे दी। अमीषा पटेल पूरी तरह मुंह ढंककर अदालत पहुंची थी। हालांकि, बाद में लोगों ने उन्हें पहचान लिया। दरअसल, अरगोड़ा निवासी अजय कुमार सिंह ने 17 नवंबर 2018 को सीजेएम कोर्ट में एक मामला दर्ज कराया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि म्यूजिक मेकिंग के नाम पर अमीषा पटेल ने उनसे ढाई करोड़ रुपये लिए थे। लेकिन, उन्होंने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। बाद में फिल्म मेकिंग के लिए भी अमीषा ने ढाई करोड़ लिए। दोनों पक्षों में हुए इकरारनामे के अनुसार जब फिल्म 2018 में रिलीज नहीं हुई तो अजय सिंह ने पैसे वापस मांगे। बाद में बहुत

टालमटोल के बाद अमीषा ने ढाई करोड़ और पचास लाख के दो चेक दिए जो बाउंस हो गये। इसके बाद अजय सिंह ने अमीषा पटेल पर मुकदमा किया था। इसी मामले में अमीषा पटेल के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट ने वारंट जारी किया था और इसे लेकर अमीषा पटेल शनिवार को अदालत में पेश हुई। इस मामले में उन्हें 21 जून को फिर कोर्ट में पेश होना है। यदि वो पेश नहीं होंगी तो उनका बेल बांड खारिज कर दिया जाएगा।

NEWS इन ब्रीफ

वार्डेन की मनमानी से छात्राएं परेशान

हरिहरगंज । पिपरा प्रखंड के दलपतपुर पंचायत अंतर्गत भीतिहा स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राएं वार्डेन मौसमी रंजन के मनमानी रवैये से परेशान है। शनिवार को विद्यालय के छात्रा प्रीति कुमारी, प्रियांसू कुमारी, दीक्षा कुमारी, आरती कुमारी, जसोदा कुमारी, पूनम कुमारी, चांदनी कुमारी ने बताया कि मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है, और ना ही सही से नाश्ता मिल रहा है। साथ ही पठन-पाठन सही ढंग से नहीं कराया जाता है। रात्रि में जनरेटर नहीं चलाया जाता है। जिस कारण छात्राओं को पठन-पाठन में परेशानी हो रही है। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध खेल सामग्री छात्राओं को नहीं दी जाती है। मालूम हो कि विद्यालय में नामांकित 231 छात्रा में 7 छात्राएं ही उपस्थित थी। जबकि विद्यालय में वार्डेन सहित 6 शिक्षिका प्रतिनियुक्त हैं, जिसमें एक शिक्षिका सविता कुमारी ही उपस्थित थी। इस संबंध में पूछे जाने पर वार्डेन मौसमी रंजन ने बताया कि बीमार होने के कारण इलाज के लिए बाहर में हूं विद्यालय पहुंचते ही सारी व्यवस्था को सुदृढ़ कर दिया जाएगा। कम उपस्थिति पर उन्होंने कहा कि गर्मी छुट्टी के बाद धीरे-धीरे छात्राएं आ रही हैं एक-दो दिन में उपस्थिति अच्छी हो जाएगी। इस मौके पर प्रबंधन समिति अध्यक्ष कौशल्या देवी, मुखिया पति राजेंद्र यादव, पूर्व मुखिया रामप्रवेश भुईयां, सदस्य विनय सिंह, रानी देवी, विश्वामित्र यादव, विजय यादव, गायक महेंद्र राम, नागदेव यादव के अलावे कई अभिभावक मौजूद थे।

मतदाता पुनरीक्षण 2024 को लेकर विशेष बैठक कल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल कार्यालय परिसर में आगामी 19 जून को सभी राजनीतिक दल के लोगों के साथ बैठक आहूत की गई है। इसकी जानकारी देते हुए निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने बताया कि यह बैठक विशेष पुनरीक्षण 2024 को लेकर आहूत की गई है। जिसमे 79 हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के सभी राजनीतिक दल के लोग मौजूद होंगे। उन्होंने उक्त बैठक में सभी राजनीतिक दल के लोगों से ससमय उपस्थित होने की अपील की है।

सेल्स मैनेजर की हत्या की सुपारी लेने वाला गिरफ्तार

मेदिनीनगर। रांची के सेल्स मैनेजर अंजनी कुमार सिन्हा की हत्या की सुपारी लेने वाले गढ़वा निवासी अपराधी छोटू रंगसाज को पुलिस ने एक वर्ष बाद गिरफ्तार कर लिया है। छोटू रंगसाज को शहर थाना की पुलिस गढ़वा से गिरफ्तार कर लाई है। इसकी पुष्टि जिले के एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने की है । उन्होंने बताया कि कारोबारी की हत्या में छोटू रंगसाज का कनेक्शन था। इस कारण उसे गिरफ्तार कर लाया गया है। शहर थाना में सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग समेत अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने छोटू रंगसाज से इस संबंध में पूछताछ की है।बता दें कि 18 जून 2022 की की दोपहर 3.15 बजे रेड़मा चौक सब्जी मंडी में रांची के कडरू के रहने वाले मोटर पार्ट्स कंपनी काफिला के सेल्स मैनेजर अंजनी कुमार सिन्हा की हत्या गोली मारकर कर दी गई थी। अंजनी कुमार सिन्हा की हत्या करने के लिए छोटू रंगसाज ने दो लाख की सुपारी ली थी। रांची ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गई थी।दरअसल, मोटर पार्ट्स कंपनी का सेल्स मैनेजर होने के कारण अंजनी का अक्सर डालटनगंज आना जाना होता था । अंजनी डालटनगंज में अन्य कारोबारियों के साथ साथ स्टार मोटर्स के अमजद हुसैन उर्फ गुड्डू को भी सामान देते थे अमजद काफिला मोटर पार्ट्स के कारोबार से नुकसान झेल रहा था । अमजद इस कंपनी का हॉल सेलर था । उसने कई बार सेल्स मैनेजर को केवल उसे ही प्रोडक्ट सप्लाई करने को कहा था, लेकिन सेल्स मैनेजर अन्य व्यवसायियों को भी प्रोडक्ट सप्लाई कर रहे थे।

अवैध कनेक्शन से बिजली उपभोग के मामले में 6 पर प्राथमिकी दर्ज

सभी पर क्रमश : 6000, 15000, 40000, 6000 और 10-10 कुल 87,000 रुपए का लगा जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड की ओर से चलाये गये विशेष छापेमारी अभियान में शनिवार को 6 लोगों को अवैध कनेक्शन से बिजली का उपभोग करते पाये जाने पर उन सभी के खिलाफ मोहम्मदगंज थाना में बिजली अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें थाना प्रभारी से आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, उनमें अवधेश शर्मा, मेन रोड, प्रेम कुमार, गीता देवी, स्टेशन रोड, रामबिहारी राम, रजवारी टोला, उग्रसेन मेहता और कुलदीप रजवार कादलकुर्मी के नाम शामिल हैं। अवर विद्युत प्रमंडल जपला के कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि इन सभी पर क्रमशः 6000, 15000, 40000, 6000 और 10-10 कुल 87,000 रुपए जुमार्ना भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इनमें पहले से ही गीता देवी 22817 व रामबिहारी राम के पास 56149 रुपए बिजली बिल का बकाया है। इस वजह से उनका कनेक्शन विच्छेदित कर दिया गया था। बावजूद इसके दोनों विद्युत विच्छेदित घरेलू परिसर में बिना वैध संबंध लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की घरेलू चोरी करते पाए गए हैं। इस अभियान में इनके अलावा सहायक अभियंता संजय कुमार, मानव दिवसकर्मी जितेंद्र ठाकुर, ललितेश्वर मेहता, रंजय कुमार व ऊर्जा मित्र रविशंकर सिंह शामिल थे। कनीय अभियंता ने बताया कि आगे भी छापेमारी अभियान में 5000 रुपए से अधिक के बकाएदारों के खिलाफ भी ऐसी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ऐसे बकाएदारों को इससे बचने के लिए यथाशीघ्र बकाए बिल का भुगतान करने की हिदायत की है।

एसबीआई ने बघमनवा पंचायत में लगाया शिविर

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। भारतीय स्टेट बैंक की विश्रामपुर शाखा द्वारा बघमनवा पंचायत सचिवालय में जन सुरक्षा योजना अभियान के तहत शिविर लगाया गया। इस दौरान बीमा से जुड़ी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को विशेष जानकारी दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ प्रशांत कुमार हेम्ब्रम व संचालन एसबीआई के शाखा प्रबंधक नितेश कुमार ने की। शिविर में मुख्य रूप से मेदिनीनगर क्षेत्रीय प्रबंधक प्रेम कुमार झा व मुख्य ऋण प्रबंधक संतोष कुमार झा भी शामिल हुये।शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में लोगो को विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। प्रेम कुमार झा में कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति व सुरक्षा बीमा योजना बहुत ही लाभकारी है। बीमाधारक को एक वर्ष के लिए जीवन कवरेज प्रदान करती है। बीमाधारक हर साल पॉलिसी का नवीनीकरण कर सकते है।अपनी पसंद के अनुसार बीमाधारक किसी भी समय योजना से बाहर निकल सकता है और भविष्य में इसे फिर से शुरू भी कर सकता है। पॉलिसी में अधिकतम 2 लाख रुपये का बीमा किया जाता है।संतोष कुमार झा ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना किसी बीमा धारक की मृत्यु या दुर्घटना विकलांगता पर सरकार द्वारा आर्थिक मदद प्रदान कराता है। इसके अलावा शिविर में समूह से जुड़ी महिलाओं को भी कई बैंकिंग कार्यों की जानकारी दी गई।शिविर में कई लोगो का बीमा भी किया गया। साथ ही तीन लोगों को बीमा योजना का लाभ दिया गया। जिसके तहत लीलावती देवी,तेतरी देवी व अनिल कुमार चौहान को दो-दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सह युवा समाजसेवी मनीष कुमार, ग्राहक सेवा केंद्र संचालक दया शम्भू राम, अम्बेडकर कुमार, ट्रेनर मनीष बैद्य, गुरुदेव विश्वकर्म ,प्रियंका देवी, सीआरपी रेखा देवी, अशोक कुमार, गुड्डू यदाव सहित कई लोग मौजूद थे।

सेल्समैन बनाने के नाम पर पच्चास हजार रुपए ठगी का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शराब दुकान में सेल्समैन की नौकरी दिलवाने के नाम पर युवक से पच्चास हजार रुपया ठगी करने का मामला प्रकाश में आया हैं। इस संबंध में हैदरनगर थाना क्षेत्र के पचम्बा गांव निवासी सह भुक्तभोगीरामानुज सिंह ने हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि शहर के सिद्धनाथ गेट के समीप जीडीएक्स कार्यालय में शराब दुकान पर सेल्समैन के नौकरी के लिए गया था, वहां पर टंडवा थाना क्षेत्र के बेनी गंजहर गांव निवासी पवन सिंह, अरुण सिंह से संपर्क हुआ, उसने कहा कि सेल्समैन की नौकरी मिल जाएगी। इसके लिये जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय में चलना होगा। उन दोनों ने औरंगाबाद थाना जम्होर गांव जगदीशपुर निवासी के अशोक कुमार सिंह व्यक्ति के साथ कार में बैठकर मेदिनीनगर बैरिया टीवी टावर के पास ब्लूबर्ड ले जाकर अमित सिंह व्यक्ति से मिलवाये। अमित सिंह अपने आपको कंपनी का संचालक बताते हुए कहा कि आप पहले नगद यह बैंक का डीडी आदित्या बिजनेस कम्युनिकेशन के नाम पर दे दो, तुम्हें ज्वाइनिंग लेटर मिल जाएगा और प्रतिमाह 15000 हजार रुपए मिलेगा। मैने 29 मार्च 2023 को झारखंड ग्रामीण बैंक से डीडी कंपनी के नाम पर बनाकर जपला कार्यालय में पवन सिंह के पास जमा कर दिया।

विश्रामपुर में हुई बसपा की समीक्षा बैठक

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। बसपा की विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक विश्रामपुर डांक बंगला परिसर में हुआ।बैठक में विश्रामपुर विस क्षेत्र के तहत आने वाले चार प्रखंड व एक नगर निकाय के नेता - कार्यकर्ता शामिल हुए।जिसमे संगठन के मजबूती व विस्तार पर चर्चा हुई। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव के तैयारी की समीक्षा हुई। कार्यकताओं ने आगामी लोस चुनाव पूरे ताकत के साथ लड़ने का संकल्प लिया। बैठक के मुख्य अतिथि बसपा के वरीय प्रदेश प्रभारी गयाचरण दिनकर ने कहा कि बहुजन समाज के लोग मताधिकार की ताकत को समझें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संपूर्ण विकास की कुंजी राजनीतिक सत्ता में निहित है,जो मताधिकार के सही उपयोग से ही हासिल हो सकता है।मताधिकार का यह ताकत हमे बाबा साहब ने दी है।उन्होंने कार्यकताओं को कई टिप्स भी दिये। प्रदेश प्रभारी रामबाबू चिरगाईया ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन के लिए बहुजन समाज को अपने मताधिकार का पूरा उपयोग करना होगा।प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता ने कहा कि बहुजन समाज अब राजनीतिक रूप से जगरूक हो चुका है।आनेवाला समय बहुजन समाज का है। जरूरत है चट्टानी एकता के साथ पार्टी के लिये संघर्ष करने की। मौके पर प्रदेश महासचिव मनीष सिंह, प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार, वरीय बसपा नेता गोपाल राम, विश्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष वंशी चौधरी, नावाबाजार प्रखंड अध्यक्ष राजबली मेहता, पाण्डु प्रखंड अध्यक्ष विजय मंडेला, सुनील राम, नागेंद्र पांडेय, छोटन बैठा, मुकेश मेहता, रोहित मेहता, जयप्रकाश मेहता, डॉ राजेश राम, धर्मेंद्र ठाकुर, राजू राम, रामचरण राम, सुनीता देवी, राजबली राम, वीरेंद्र राम, सुनेशवर राम,अजय राम,अशोक कुमार, शिव पुकार राम,गोविंद चौधरी सहित बसपा के कई नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

समाजसेवी ने चापाकल की मरम्मती कराई

हरिहरगंज । भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सह युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने शनिवार को निजी खर्च से नगर पंचायत शहरी क्षेत्र अंतर्गत न्यू सब्जी बाजार समीप खराब सार्वजनिक चापाकल की मरम्मती कराते हुए, लोगों को पेयजल मुहैया कराया। समाजसेवी राजीव रंजन अब तक पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में एक सौ से अधिक खराब चापाकलों की मरम्मती कराकर चालू करवा चुके है। आभार जताने वालों में संजय गुप्ता, बलराम ठाकुर, रविंद्र बैठा, अजय मेहता, शंकर विश्वकर्मा, राजेश रंजन मिश्रा, सुदामा, श्रवन सिंह, छोटू, विकास, अजीत, प्रदीप गुप्ता आदि का नाम शामिल है।

आंगनबाड़ी भवन निर्माण स्थल परिवर्तन से ग्रामीणों में आक्रोश

हुसैनाबाद। पलामू जिले हुसैनाबाद प्रखंड के पोलडीह पंचायत के अलीनगर गांव में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का स्थल परिवर्तित कर भवन निर्माण कराए जाने को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। इस संबंध में ग्रामीणों ने पलामू उपायुक्त को एक लिखित आवेदन दिया है। जिसमें कहा है कि अलीनगर में मॉडल आंगनबाड़ी भवन बनाने के लिए निविदा निकाली गयी थी, संवेदक को कार्य कराने की अनुमति भी मिल गई। इसके लिये अंचल पदाधिकारी द्वारा कार्य स्थल का निरीक्षण कर खाता संख्या 125/प्लौट संख्या 214/0.60 डी. पर भवन निर्माण को लेकर उप विकास आयुक्त को चेक स्लीप भेजकर इस बात की जानकारी दी गई थी कि यह स्थल भवन निर्माण के लिय उपयुक्त है। लेकिन कुछ लोग द्वारा इस भवन को गांव की घनी आबादी से दूर पर बनाया जा रहा है। डीसी को आवेदन देने वालों में मुख्य रूप से वार्ड सदस्य चंदा देवी, अरबिंद पासवान,मंजीत पासवान, राजधानी पासवान, पूर्व पंसस सदस्य अक्षय कुमार शर्मा, बेबी देवी, बिंदु देवी, अमरदीप कुमार, सूरजमल पासवान, रविंद्र पासवान समेत गांव के अधिकांश लोगों के नाम शामिल है।

पुलिस ने युवती का शव किया बरामद

मेदिनीनगर। मुस्लिम से हिंदू बनी 38 वर्षीय युवती की लाश शहर थाना क्षेत्र के रेडमा स्थित श्रीराम पथ से सटे परशुराम नगर से बरामद किया गया है। प्रेमचंद पांडे के मकान में युवती किराए के मकान में रहती थी। उसकी दूसरी शादी हुई थी। जिस लड़के के साथ दूसरी शादी हुई वह फिलहाल मर्डर केस में सेंट्रल जेल में है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लिया।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, चतरा।

वेद-व्यास आवास निर्माण हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, राँची के स्वीकृत्यादेश सं0 06 रा0 (वि0) दिनांक 06.06.2023 के द्वारा चतरा जिले के सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ, जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने/मत्स्य ब्रिकी में सक्रिय रूप से जुड़े हैं, के लिए वित्तीय वर्ष 2023–24 में "वेद–व्यास आवास योजना" अंतर्गत शीर्ष समान्य 101 एवं अनूसूचित जाति 789 कुल – 39 इकाई आवास निर्माण का लक्ष्य प्राप्त है, के आलोक में दिनांक 07.07.2023 तक कार्यालय कार्यावधि में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

उक्त आवास योजना के अन्तर्गत आर्थिक सहायता अनुदान की अधिकतम राशि मो0 1.20 लाख (एक लाख बीस हजार) रूपये मात्र प्रति आवास निर्धारित है।

अहर्ताएँ :–

1. आवास का निर्माण कलस्टर में किए जाने को प्राथमिकता दिया जाएगा।
2. सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधानों में मछली पकड़ने/मत्स्य ब्रिकी में सक्रिय रूप से जुड़े हों।
3. गरीबी रेखा के नीचे कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालक को प्राथमिकता दी जाएगी।
4. आवेदक द्वारा आवास निर्माण संबंधी आवेदन के साथ वर्त्तमान आवास का जियो टैगिंग फोटो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
5. पूर्व में सरकारी आवासीय लाभ प्राप्त नहीं होने संबंधी शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. आवास निर्माण हेतु आवेदन के साथ अंचलाधिकारी स्तर से निर्गत भूमि–स्वामित्व प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. एक परिवार में एक आवास देय होगा।
8. ऐसे लाभुकों को दोबारा आवासीय लाभ नहीं दिया जायेगा जो पूर्व संचालित विभागीय वेद–व्यास आवास/मछुआ आवास योजना अथवा इन्दिरा आवास योजना या समतुल्य आवास/राज्य सरकार की आवास योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।

उपरोक्त शर्त्तों के अधीन चतरा जिला के इच्छुक एवं सुयोग्य मत्स्य पालकों/मछुआरों से दिनांक 07.07.2023 तक विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन का प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, चतरा में निःशुल्क उपलब्ध है।

नोटः–त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरा आवेदन को रद्द/अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

उप मत्स्य निदेशक
मत्स्य कार्यालय, चतरा।

PR 300354 (Fish) 23-24 (D)

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा
(अभियंत्रण कोषांग)

Phone Number:- 06526-222064 email-id:lohardagazilaparisad@gmail.com

ई–निविदा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या –03/2023–24 दिनांक 15.06.2023

क्र0/ ग्रुप संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	किस्को	ग्राम पाखर में पाखर यात्री शेड से बंगलापाट स्कूल तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण	9998800.00	10000.00	20000.00	03(तीन) माह

2	वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	21.06.2023
3	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय	:–	27.06.2023/05:00 बजे अपराह्न तक
4	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य(हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	:–	28.06.2023/01:00 बजे अपराह्न तक
5	निविदा खोलने की तिथि व समय	:–	28.06.2023/05:00 बजे पूर्वाह्न
6	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	:–	जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा
7	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	:–	जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा

नोट –1. जिला परिषद् लोहरदगा में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं। संवेदक का U-Canमें निबंधन अनिवार्य है।
2. निविदा की प्राक्कलित राशि घट बढ सकती है तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
3. कार्य की मात्रा आवश्क्तानुसार घट–बढ सकती है।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.inपर देखा जा सकता है।

जिला अभियन्ता,
जिला परिषद्, लोहरदगा

PR.NO.300330 Lohardaga(23-24):D

Tender ref. No,: Dated:- __/__/2023

District Collectorate District Supply Office
Garhwa, Jharkhand

INVITATION OF TENDERS FOR PROVIDING BLOCK-WISE DOOR-STEP DELIVERY (TRANSPORTATION & HANDLING) SERVICES TO THE FAIR PRICE SHOPS (FPS) LOCATED IN URBAN AREAS AND BLOCKS OF GARHWA DISTRICT OF JHARKHAND FOR PERIOD OF ONE YEAR THROUGH E-TENDER FOLLOWED BY REVERSE E-AUCTION PLATFORM

1.	Tender published on website	19.06.2023
2.	Name of the Client	District Collectorate, District Supply Office Garhwa, Jharkhand
3.	Address of the concerned person for correspondence	Abhishek Tiwari: 9795046772 Email: jhsupport@c1india.com
4.	Bidding Document Cost	RS. 2,500/-(Rupees Two thousand five hundred Only) (Non-Refundable & non-Adjustable) as a Demand Draft in favour of "District Supply Office Garhwa Jharkhand".
5.	EMD	As per the details mentioned in the RFP
6.	Financial security money.	All bidders have to submit Bank Guarantee of Rs 5 lakh per block in favor of DSO Garhwa,Jharkhand. The Format of Bank Guarantee has been attached as Annexure-11
7.	Bid Submission Start	19.06.2023
8.	Bid Submission End	4.07.2023
9.	Technical E-Bid Opening Date & Time	5.07.2023
10.	Pre-Bid Meeting	
11.	Date of Auction	Will be intimated later
12.	Publishing Websites	https://garhwa.nic.in&https://jhtenders.eproc.in
13.	Registration Fee for C1 India	Rs. 5000/- (Mandatory for all Bidders)

1. All eligible individuals or partnership firm, Registered Company or Co-operative society or any legal organization should mandatorily register with C1 India Pvt. Ltd. for participation in reverse e-auction.
2. Any changes/modification in the tender documents in the tender documents will be posted on the website- https://garhwa.nic.in/ and https://jhtenders.eproc.in

District Supply Officer
Garhwa

PR 300385 (Food Public Distribution and Consumer Affairs)23-24*D

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद्, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 10 वर्ष 2023–24 15वें वित्त आयोग मद

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता, जिला परिषद, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 01.07.06.2023 (कार्यालय अवधि में)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 03.07.2023 को 03:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष,(पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : 03.07.2023 को 03:30 बजे अपराहन्, कार्यालय जिला परिशद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	प्रखण्ड हेरहंज अन्तर्गत पंचायत+ग्राम सेरनदाग में छठ घाट में स्नानागार निर्माण।	293150.00	6000.00	750.00	02 माह
2	प्रखण्ड मनिका पंचायत बन्दुआ ग्राम बगडेगवा में सकेन्द्र यादव के घर से चिन्ता देवी के घर तक नाली निर्माण।	546785.00	11000.00	1250.00	02 माह
3	प्रखण्ड बालूमाथ अन्तर्गत पंचायत+ग्राम बालूमाथ में दिवाकर नगर में नोटा संतोष के घर से झरीवा नाला तक नाली निर्माण।	268000.00	5500.00	750.00	02 माह
4	प्रखण्ड बालूमाथ अन्तर्गत पंचायत चेताग ग्राम पकरी में रामचन्द्र परहिया के घर से शनिचर परहिया के घर तक नाली निर्माण।	269600.00	5500.00	750.00	02 माह
5	प्रखण्ड बालूमाथ अन्तर्गत पंचायत+ग्राम सेरेंगडा में बिशुन यादव के घर से मेन रोड होते हुए राजमनी साव के घर तक नाली निर्माण।	274700.00	5500.00	750.00	02 माह
6	प्रखण्ड बारियातु अन्तर्गत पंचायत साल्वे ग्राम बारीखाप में धर्मदेव गंझू के घर से भुनेश्वर गंझू के घर तक नाली निर्माण।	427700.00	9000.00	750.00	02 माह
7	प्रखण्ड लातेहार अन्तर्गत पंचायत परसही ग्राम होटवाग में उपस्वास्थ्य केन्द्र के पास स्नानागार निर्माण।	293000.00	6000.00	750.00	02 माह
8	प्रखण्ड लातेहार अन्तर्गत पंचायत+ग्राम हेठपाचरा में छठ घाट के पास स्नानागर निर्माण।	293000.00	6000.00	750.00	02 माह
9	प्रखण्ड महुआडांड अन्तर्गत पंचायत रैंगाई ग्राम जामकोना में जामझरिया नाला में नाली मरम्मति।	578611.00	12000.00	1250.00	02 माह
10	प्रखण्ड महुआडांड अन्तर्गत पंचायत चम्पा ग्राम ग्वालाखाड में पूर्वी नाला पर नाली मरम्मति।	350100.00	7500.00	750.00	02 माह
11	प्रखण्ड महुआडांड अन्तर्गत पंचायत चैनपुर ग्राम औराटोली में माडही से माचा दोहर तक नाली निर्माण।	471118.00	9500.00	750.00	02 माह
12	प्रखण्ड महुआडांड पंचायत हामी ग्राम असनारी में दूर्गा बाडी के पास तालाब का नाली मरम्मति।	268100.00	5500.00	750.00	02 माह

8. परिमाण विपत्र का मूल्य जो **सचिव, जिला परिषद, लातेहार** के पदनाम से देय होगा, जो **भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार** में भुगतेय होगा।
9. उक्त निविदा में जिला परिशद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते है।
10. Ucan Certificate (Updated New Version) की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
11. जिला परिशद, लातेहार के मासिक बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार संबंधित प्रखण्ड के संवेदकों को कार्य आवंटित किया जाएगा। (प्रखण्ड बारियातु के योजना में प्रखण्ड हेरहंज एवं बालूमाथ के संवेदक भी भाग ले सकते है।)
12. अग्रधन की राशि जिला अभियंता, लातेहार के पदनाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) होगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाण–पत्र 8वां निर्गम/पांच वर्षीय, पांच वर्षीय डाकघर संबंधी जमा पासबुक/राश्ट्रीय कृत बैंक गारंटी/बैंक फिक्स डिपोजिट के रूप में निविदा के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा। जो झारखण्ड राज्य के बाहर के पोस्ट आफिस एवं बैंक से निर्गत एन0एस0सी0/सावधि जमा पासबुक मान्य नहीं होगा।

जिला अभियंता
जिला परिषद्, लातेहार

PR 300359Rural Development(23-24)#D

NEWS इन ब्रीफ

मेधावी विद्यार्थी को मिलेगी छात्रवृति : मणिकांत

मेदिनीनगर। ऋत्विज परिवार समाज हित के कार्यों में हमेशा सक्रिय है। संस्था के उपाध्यक्ष मणिकांत उपाध्याय ने बताया कि पिछले कई वर्षो से यह संस्था समाज हित में काम कर रही है। फिजूलखर्ची को रोकने के प्रति ब्राह्मण समाज के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी सोच के साथ संस्था के द्वारा सामूहिक विवाह एवं जनेऊ संस्कार की परंपरा शुरू की गयी है। बच्चों की पढ़ाई के लिए भी संस्था प्रयासरत है। छात्रवृति योजना संचालित कर यह संस्था ब्राह्मण समाज के आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में सहयोग कर रही है। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक वर्ष कई छात्र छात्राओं को लाभान्वित किया जाता है।इस वर्ष छात्रवृति का लाभ देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर उच्च शिक्षा ग्रहण करने की चाहत रखने वाले विद्यार्थी को इस योजना का लाभ दिया जाएगा।वैसे विद्यार्थी जिन्हे पिछले वर्ष छात्रवृति मिली थी और पढ़ाई में अव्वल स्थान प्राप्त किये है,उन्हे भी इस योजना का लाभ मिलेगा।इच्छुक विद्यार्थी संस्था के अध्यक्ष हरिहरनंद चौबे(6201286410) पंचवटीनगर एवं उपाध्यक्ष मणिकांत उपाध्याय (8809219788) चेयरमैन रोड शिव मंदिर के निकट हमीदगंज से संपर्क कर आवेदन जमा कर सकते हैं। आवश्यक प्रक्रिया पूरा करने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को इसका लाभ दिया जायेगा।

बहुजन समाज पार्टी की कार्यकर्ता समीक्षा बैठक संपन्न

मेदिनीनगर। पलामू जिले के विश्रामपुर विधानसभा मे बहुजन समाज पार्टी की कार्यकर्ता समीक्षा बैठक की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय गयाचरण दिनकर साहब, विशिष्ट अतिथि रामबाबू चिरगाईया साहब , बसपा के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष मान्यवर राजन मेहता साहब इस बैठक में विशेष रुप से उपस्थित बसपा के झारखण्ड प्रदेश महासचिव मनीष सिंह , बसपा के झारखण्ड प्रदेश पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार ,बिश्रामपुर बिधानसभा अध्यक्ष राजू राम ,बसपा के नावाबाजार प्रखंड अध्यक्ष राजबली मेहरा जी, बसपा पाण्डु प्रखंड अध्यक्ष बिजय मंडेला जी, बिश्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष बंशी चौधरी ,सुनील राम,नागेंद्र पाण्डेय, छोटन बैठा, मुकेश मेहता, रोहित मेहता, जायप्रकाश मेहता,डॉ राजेश राम, धर्मेंद्र ठाकुर इत्यादि तमाम पदाधिकारी लोगों उपस्थित थे।

आजसू ने उठाये एनपीयू में अनियमितता के मामले

मेदिनीनगर। अखिल झारखण्ड छात्र संघ (आजसू) के छात्र नेता अभिषेक राज ने नीलाम्बर पिताम्बर विश्वविद्यालय के कुलपति को विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे अनियमितता की शिकायत लिखित तौर पर की है। पिछले दिनों कुलपति से वार्ता के दौरान अभिषेक ने नीलाम्बर पिताम्बर विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के बारे मे बताया था की किस प्रकार परीक्षा विभाग अपने मन मर्जी से कार्य करती है। जिसके बाद कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने उनसे लिखित शिकायत करने को कहा था ताकि वो कार्यवाही कर सके। गुरुवार को आजसू छात्र संघ द्वारा अपने 5 सूत्री मांगो को लेकर विश्वविद्यालय मे हल्ला बोल कार्यक्रम किया गया था। लिखित शिकायत देने के बाद अभिषेक राज ने कहा की नीलाम्बर पिताम्बर विश्वविद्यालय का परीक्षा विभाग अपने गलतियों के कारण लगातार चर्चा का विषय बना रहता है । यहाँ आये दिन छात्रों द्वारा परीक्षा विभाग के खिलाफ हमे शिकायत मिलती है जिसपर हमने कई बार परीक्षा नियंत्रक से भी वार्ता करने का प्रयास किया मगर वर्तमान परीक्षा नियंत्रक शिवपूजन सिंह का रवैया बिल्कुल सही नहीं है।

जन समस्याओं को लेकर एसडीओ को ज्ञापन, 19 जून को धरना

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। 5 सूत्री मांगों को लेकर शनिवार को युवा समाजसेवी राजीव रंजन के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल छतरपुर एसडीओ नरेंद्र गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने की सूरत में आगामी 19 जून को हरिहरगंज विधुत कार्यालय पर ग्रामीणों के साथ धरना देने की घोषणा की। ज्ञापन में समाजसेवी राजीव रंजन ने बताया कि हरिहरगंज नगर पंचायत में बिजली, जर्जर तार पोल, स्ट्रीट लाइट, जर्जर सड़क, साफ सफाई की लचर व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो उक्त मांगों को लेकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया जायेगा।इस संबंध में श्री रंजन ने कहा कि नगर पंचायत गठन के बाद नगर वासियों को किसी प्रकार का नागरीय सुविधा मुहैया नहीं कराया जा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों को राजेश रंजन मिश्रा, अरुण सिंह, दिनेश पासवान, गुड्डू मेहता आदि शामिल थे।

बिजली चोरी के मामले में 12 लोगों पर मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड विद्युत निगम लिमिटेड के आदेशा अनुसार चैनपुर बिजली विभाग के कनीय अभियंता सुभाष कुमार के नेतृत्व में बिजली चोरी के खिलाफ टीम गठित कर शुक्रवार को चैनपुर थाना क्षेत्र के हरिणामाड, सुकरी,बरांव एवं शाहपुर में छापेमारी अभियान चलाया गया। इस क्रम में सभी 12 लोगों को विद्युत चोरी कर उपयोग करते हुए पकड़ा गया। सभी के पास से विद्युत चोरी के उपकरण जब्त करते हुए चैनपुर थाना मे मामला दर्ज कराया गया है। कनीय अभियंता सुभाष कुमार ने बताया कि उपभोक्ता अपने घरो में बाईपास

करके एवं हुकिंग करते हुए बिजली चोरी से उपयोग करते हुए पकड़े गए।उन्होंने बताया कि हरिणामाड 05 सुकरी 01,बरांव 03 एवं शाहपुर 03 लोगों को बिजली चोरी कर जलाते हुए पकड़ा गया।सभी पर अधिकतम 10 हजार पांच सौ, न्यूनतम 06 हजार रुपए का अतिरिक्त फाइन लगाते हुए मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने ने सभी बिजली उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है जो लोग मीटर नहीं लगाए हैं वे मीटर लगा ले एवं जिनका बिजली बिल बकाया है वे बिजली बिल जमा कर बिजली का उपयोग करें नहीं तो पकड़े जाने पर उनके विरूद्ध मामला दर्ज कराया जायेगा। छापामारी अभियान में सत्यनारायण प्रसाद, फिरदोस अली, रविंदर कुमार यादव ,मंजूर खान, इश्तियाक अंसारी, कृष्णा पासवान आदि लोग शामिल थे।

सड़क पर रखे गये सामान को हटवाया

ट्रैफिक प्रभारी ने बाजार को जाम मुक्त कराया

जाम हटने के बाद लोगों को मिली राहत

अगली बार से किसी भी दुकानदार का सामान सड़क पर दिखा तो होगी कानूनी कार्रवाई : ट्रैफिक प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदनीनगर। पलामू एसपी चंदन सिन्हा के आदेश पर ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह के नेतृत्व में शनिवार की दोपहर बाजार क्षेत्र में लगे जाम को मुक्त कराया गया। इस दौरान बाजार में दुकानदारों के द्वारा सड़क पर रखे गए सामान को हटवाया गया। सामान को हटवाते हुए ट्रैफिक प्रभारी ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि यदि अगले बार से दुकान का सामान सड़क पर रखा पाया गया तो समान को जब्त कर थाना ले जाया जायेगा। और दुकानदारों के ऊपर कानूनी प्रक्रिया

के तहत फाइन किया जाएगा। बताते चलें कि ट्रैफिक प्रभारी पिछले 15 दिनों से ट्रेनिंग पर थे। जिसकी वजह से पूरा शहर जाम से अस्त-व्यस्त था। ट्रेनिंग से लौटने के बाद जब शनिवार को उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया तो सबसे पहले उन्होंने बाजार क्षेत्र में लगे जाम को हटवाया। बाजार में जाम का नजारा देख भड़क उठे उन्होंने देखा की सभी दुकानदार अपना दुकान का सामान सड़क पर रखकर सड़क को जाम कर दिये है। जाम की वजह से बाजार में आने जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। जाम हटने के बाद लोगों को जाम से मुक्ति मिली। वही मौके पर उपस्थित ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह ने दुकानदारों से कहा कि कोई भी दुकानदार अपना दुकान का सामान सड़क पर इधर-उधर फैलाकर सड़क को जाम ना करें। यदि अगले बार से किसी भी दुकानदार का सामान सड़क पर दिखा और बाजार में सड़क जाम की समस्या उत्पन्न हुई तो कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी स्कूल बंद करें : भाकपा

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी ने पलामू उपायुक्त से भीषण गर्मी को देखते हुए 1 सप्ताह के लिए कक्षा 1 से दसवीं तक के सभी स्कूल बंद करने की मांग की है। यह विदित है कि पलामू जिला में अभी भीषण गर्मी पड़ रही है और तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मानसून लेट आने से आम आवाम की स्थिति भयावह हो गई है। पशु-पक्षी भी पानी के लिए तरस रहे हैं। ऐसे में प्राइवेट स्कूल भी खुल गया है और सरकारी स्कूल भी खुलने वाले हैं। ऐसी परिस्थिति में गर्मी को देखते हुए हम यह मांग करते हैं कि 1 सप्ताह के लिए स्कूल को बंद किया जाए, तब तक स्कूल के प्रबंधक व्यवस्थापक ऑनलाइन पढ़ाई मोबाइल के माध्यम से चालू करें। जिससे बच्चों एवं अभिभावकों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े एवं वह लोग लू के प्रभाव से बच सकें।

महुआ दारू से जलकर महिला घायल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गर्म महुआ दारू से जलकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार चैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनपुरा निवासी इकबाल पासवान की पत्नी मंजू देवी उम्र 35 वर्ष की शुक्रवार की शाम 6 बजे किसी बात को लेकर अपनी छोटी गोतनी बेबी देवी से झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि बेबी देवी अपने घर में बन रहे गर्म महुआ दारू मंजू देवी के चेहरे पर डाल दी। जिसमें मंजू देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल होने के बाद भी बेबी देवी ने मंजू देवी को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद परिजनों के द्वारा मंजू

को इलाज के लिए चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वही इस घटना के बाद घायल के परिजनों के द्वारा इस घटना की जानकारी चैनपुर थाना को दी गई घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

जमीन विवाद मारपीट में चार लोग घायल

हुसैनाबाद। हुसैनाबादे थाना क्षेत्र के मोकहरकला गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में दोनों ओर से चार लोग घायल हो गए। घायलों में निर्मला देवी, रंजय सिंह, रोहित कुमार सिंह और नीरज सिंह आदि का नाम शामिल है। सभी घायलों का इलाज हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया।बताया जाता हैं कि मनरेगा योजना से आहर का निर्माण कार्य हो रहा था, जहां रास्ता को लेकर विवाद हो गया। और तू-तू- मै के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गई। इस घटना की सूचना हुसैनाबाद थाना को दे दी गई हैं।

सरकारी जमीन पर मिट्टी भरवाने को लेकर मारपीट, तीन घायल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हैदरनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नावाडीह निवासी उमेश सिंह के पुत्र नीरज सिंह उम्र 30 वर्ष, नीरज सिंह के चचेरे भाई रोहित सिंह और मोहित सिंह के द्वारा स्थानीय मुखिया के आदेश पर सरकारी जमीन पर मिट्टी भरवाने को लेकर गांव के ही लोगों ने उन्हें पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शुक्रवार की शाम नीरज अपने चचेरे भाई मोहित कुमार सिंह और रोहित कुमार सिंह के साथ गांव में पोखरा खुदाई का काम करवा रहा था। और वहां के स्थानीय मुखिया के कहने पर वह पोखरा का मिट्टी सरकारी जमीन पर भरवा रहा था। इसी बीच गांव के मनोज सिंह,अभय सिंह,संजय सिंह ,हिमांशु सिंह नामक व्यक्ति वहां पहुंचे और नीरज को माटी भरवाने से मना किया। नीरज ने कहा कि मुखिया के आदेश पर सरकारी जमीन पर मिट्टी भरवाया जा रहा है। इसके बाद बहस झगड़ा में तब्दील हो गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने लगा।

पुलिस ने अपहृत को कराया मुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक - 25.08.2021 को सिमडेगा निवासी मुकेश साहू उम्र 21 वर्ष पिता भोला साहू का अपहरण 1. विक्की सिंह पिता हरिचरण सिंह सा०- मंगराही थाना-रमकंडा जिला-गढ़वा एवं 2. रितेश पूर्ति 3. विनय पूर्ति दोनों पिता डोमन मुंडा सा०-दिनावार थाना रामगढ़ जिला - पलामू द्वारा रामगढ़ बुलाकर कर लिया गया एवं दिनावार जंगल में रखकर घरवालों से 05 लाख रूपया फिरौती की मांग की गई। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक, पलामू द्वारा टीम का गठन किया गया। उक्त छापामारी टीम द्वारा

12 घंटा के अंदर अपहृत को तकनीकी अनुसंधान की मदद से घनघोर जंगल से सकुशल बरामद कर लिया एवं उपरोक्त तीनों अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था तथा इस कांड को त्वरित विचारण हेतु रखा गया था। एस०टी० 53/22 रामगढ़ थाना कांड संख्या - 33/21 दिनांक 27.07.21 धारा-364ए/34 भा0द0वि0 में माननीय न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश - क्क डालटनगंज, पलामू के न्यायालय द्वारा दिनांक 14.06.2023 को कांड के उक्त तीनों अभियुक्त को धारा-364ए भा0द0वि0 में आजीवन कारावास एवं 05-05 हजार रूपया जुर्माना, जुर्माना, नहीं देने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई है। इस कांड के अनुसंधानकर्ता पुअनि धर्मेन्द्र कुमार, रामगढ़ थाना, पलामू है, जिसे उचित पुरस्कार से पुरस्कृत किया जायेगा।

साइबर ठग गिरोह से सचेत होशियार रहें : धीरज मिश्रा

मेदिनीनगर। सामाजिक कार्यकर्ता धीरज मिश्रा ने आम जनों से फर्जी अकाउंट बनाकर गुगल पे और पे फोन के मोबाइल नंबर के साथ ही बैंक अकाउंट का पासबुक नंबर, आधार कार्ड का नंबर ,एटीएम कार्ड के नंबर की मांग करने वालों साइबर ठग गिरोह से सावधान होशियार रहने का अपील की है। धीरज ने बताया कि उनके फेसबुक अकाउंट पर पैसों की हेरा फेरी करने वाले साइबर क्राइम में शामिल सक्रिय ठग गिरोह द्वारा रांची के आलोक दुबे के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी गयी। फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करने के बाद फेसबुक मैसेंजर पर गुगल पे या पे फोन के मोबाइल नंबर की मांग की गयी । गुगल पे और पे फोन नंबर मांगे जाने का कारण पूछे जाने पर ठग गिरोह द्वारा बोला गया कि मेरा अकाउंट बंद हो गया है और मुझे पैसों की जरूरत है और मेरे दोस्त से मुझे पैसे लेना है इसके कारण आपका अकाउंट में मेरे दोस्त के द्वारा बीस हजार रुपए भेजा जाना है। धीरज ने आम लोगों से ऐसे फर्जी अकाउंट बनाकर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज कर गुगल पे और पे फोन नंबर मांगने वाले से सावधान रहने को कहा है। गुगल पे फोन नंबर देने पर रुपए ठगने वाले साइबर ठग गिरोह द्वारा रूपया की फर्जी तरीके से निकासी किया जा सकता है। आए दिन पेपर मीडिया में आधार नंबर और बैंक अकाउंट का पासबुक नंबर और खाता बंद होने की बात एटीएम चालू करवाने की कहकर मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर ओटीपी मांगकर फर्जी तरीके से पैसों की हेरा फेरी निकासी करने की घटना की जानकारी मिलती रहती है। ऐसे लोगों हमेशा सावधान और होशियार रहें।

दहेज प्रताड़ना का फरार आरोपी बस स्टैंड से गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू तरहसी थाना क्षेत्र के सेलारी के रहने वाले दहेज प्रताड़ना के आरोपी राहुल पांडेय को थाना पुलिस ने मेदिनीनगर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। राहुल बाहर से काम करके अपने घर लौट रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। शुक्रवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि राहुल पांडे के खिलाफ उसकी पत्नी सीमा देवी पिता राम लगन पांडे ने वर्ष 2.07.2020 में मामला दर्ज कराया था। सीमा का मायका सुग्गी के चौरा में है। शादी 15.06.2019 को हुई थी। शादी के बाद से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। 11 महीने बाद इस संबंध में सीमा ने तरहसी थाना में कांड संख्या 4/22 के तहत मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद कोर्ट से कई बार हाजिर होने का इश्तेहार आरोपी के घर चिपकाया। नोटिस भी दी। इसके बावजूद आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। उसके घर पर कुर्की की भी कार्रवाई की गई थी। थाना प्रभारी जयप्रकाश पासवान ने बताया कि दहेज प्रताड़ना के आरोपी राहुल पांडे को गिरफ्तार किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था।

शराब दुकान में लगी आग

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। थानान्तर्गत मोहम्मदगंज जपला मुख्य पथ में रविवारीय बाजार स्थित अंग्रेजी शराब दुकान में शनिवार की दोपहर बिजली के शार्ट शर्किट से अचानक आग लग गई। दुकान के संचालक जितेंद्र तिवारी ने बताया कि आग लगने के कारण एक प्रिंटर मशीन जल गया साथ ही करीब 20 हजार मूल्य के अंग्रेजी शराब की बोतलें आग की लपट में पड़कर बर्बाद हो गईं।

रजवाडीह के राधा कृष्ण पाण्डेय का निधन, शोक की लहर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नौ दशक से अधिक परिवारिक एवं समाजिक जीवन में निर्विवाद शख्सियत की छवि गढ़ने वाले राधा कृष्ण पाण्डेय ने शुक्रवार को मेदिनीनगर के आशी केयर अस्पताल में अंतिम सांस ली। पलामू के सदर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह निवासी शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त हेड क्लर्क राधा कृष्ण पाण्डेय के आकस्मिक निधन की खबर से रजवाडीह समेत पलामू में शोक की लहर दौड़ गई। शनिवार को बड़कागांव स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां छोटे पुत्र शिक्षक सत्यवान पाण्डेय ने मुखाग्नि दी। अपने जीवनकाल में अपने कर्तव्यों को ईमानदारी पूर्वक निभा सबके चहेते रहे राधा कृष्ण पाण्डेय के बड़े पुत्र अधिवक्ता उमाशंकर पाण्डेय एवं छोटे पुत्र शिक्षक सत्यवान पाण्डेय भी उनके नक्शे-कदम पर चलकर समाज में प्रतिष्ठीत हैं। वहीं लोकप्रिय टीवी जर्नलिस्ट ए पी लकी स्व राधा कृष्ण पाण्डेय के पोते हैं। निधन के उपरांत पहुंचे गणमान्य लोगों ने मृत आत्मा को नमन किया एवं उनके कमाए यश को अनुकरणीय बताया। उनके निधन पर पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी, पलामू जिला बार एसोसिएशन के सचिव सुबोध सिन्हा, शिक्षक परशुराम तिवारी, पूर्व पांकी विधायक प्रत्याशी अमित तिवारी, पूर्व मेदिनीनगर विधायक प्रत्याशी राकेश तिवारी, भाजपा नेता अमलेश दूबे, विभाकर नारायण पाण्डेय, उदय शुक्ला, किशोर पाण्डेय, झामुमो नेता दीपक तिवारी, राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के नवीन तिवारी, अनुशासन प्रकोष्ठ अध्यक्ष संतोष तिवारी, राष्ट्रीय परशुराम सैंकड़ों बुद्धिजीवियों ने संवेदना प्रकट की।

कार्रवाई

टीएसपीसी के दूसरे नम्बर के जोनल कमांडर

15 लाख इनामी आक्रमण गंझू का घर कुर्क

आक्रमण गंझू पर पलामू, लातेहार, चतरा, हजारीबाग के साथ- साथ बिहार के गया के इलाके में भी प्राथमिकी दर्ज है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू 15 लाख के इनामी नक्सली आक्रमण गंजू के घर को पलामू पुलिस ने कुर्क किया है। वो प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी का जोनल कमांडर है। पलामू के पांडू थाना क्षेत्र में 2017 में हुए एक नक्सल हमले के मामले में पुलिस ने उसके घर कुर्की की है। पांडू थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि सब इंस्पेक्टर पप्पू कुमार के नेतृत्व में ये कार्रवाई हुई, आक्रमण गंजू के खिलाफ छठी बार घर की कुर्की की गयी है। जिला के मनातू थाना क्षेत्र के नागद इलाके में आक्रमण गंझू का निमार्णाधीन घर है, इस

कार्रवाई के दौरान परिवार के सदस्य मौजूद नहीं थे। पुलिस पहले ही उसके घर की खिड़की और दरवाजे उखाड़ चुकी है। 2017 में पांडू थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी ने लेवी के लिए हिंसक घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद पांडू थाना में टीएसपीसी के एक दर्जन से भी अधिक नक्सलियों खिलाफ नामजद एफआईआर किया गया था। इस एफआईआर में आक्रमण गंझू के साथ-साथ एक मोबाइल नंबर का भी जिक्र था। अनुसंधान में यह मोबाइल नंबर आक्रमण गंझू का ही पाया गया। पलामू कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को कुर्की की यह कार्रवाई की है। आक्रमण गंझू पर पलामू, लातेहार, चतरा, हजारीबाग के साथ- साथ बिहार के गया के इलाके में भी प्राथमिकी दर्ज है। उसपर इन इलाकों में 60 से भी अधिक नक्सल हमले करने का आरोप है। आक्रमण गंझू टीएसपीसी का दूसरा सबसे बड़ा कमांडर माना जाता है। उसके खिलाफ एनआईए भी नक्सल हमले के मामले में अलग से जांच कर रही है। टीएसपीसी सुप्रीमो ब्रजेश गंझू के बाद आक्रमण गंझू पर ही संगठन को चलाने की जिम्मेदारी है। सुरक्षा एजेंसी के अनुसार आक्रमण गंझू अपने साथ एके-56 लेकर चलता है।

प्रसिद्ध समाजसेवी उमाशंकर व कृत्यानंद श्रीवास्तव के परिजन झामुमो में शामिल

आने वाले समय में पूरा गढ़वा झामुमोमय होगा : मंत्री

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा के प्रसिद्ध समाजसेवी उमाशंकर प्रसाद व रक्तवीर स्व. कृत्यानंद श्रीवास्तव के परिजनों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया है। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के कार्यों से प्रभावित होकर गढ़वा के दीपुवा मोहल्ला निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी उमाशंकर प्रसाद के पुत्र व पुत्रवधु, रक्तवीर स्व. कृत्यानंद श्रीवास्तव के भाई लायन आकाश श्रीवास्तव एवं उनकी पत्नी वंदना श्रीवास्तव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण कर ली। शनिवार को मंत्री ठाकुर के रांची स्थित आवास पर ये सभी पार्टी में शामिल हुए। मंत्री ठाकुर ने सभी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए पार्टी का पट्टा पहना कर उन्हें झामुमो में शामिल किया।

मौके पर मंत्री ठाकुर ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर पूरे राज्य में लोगों का पार्टी में शामिल होने का सिलसिला जारी है। इस कार्य में गढ़वा के लोग अव्वल हैं। दूसरे दलों सहित काफी संख्या में समाजसेवी एवं अन्य सभी वर्गों के लोग काफी झामुमो में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ छवि के लोगों के शामिल होने से पार्टी और मजबूत होगी। आने वाले समय में पूरा गढ़वा झामुमोमय होगा। पार्टी में शामिल होने वाले आकाश व वंदना ने कहा कि पूरे गढ़वा में झामुमो की लहर है। मंत्री ठाकुर जिस तरह से गढ़वा में विकास कार्यों को अंजाम दे रहे हैं, इनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। मंत्री के कार्यकाल से पहले गढ़वा में विकास नाम की कहीं कोई चीज दिखाई नहीं पड़ती थी। अब तक गढ़वा में विकास कार्यों के नाम पर सिर्फ छलावा ही हो रहा था, परंतु अब मंत्री ठाकुर के नेक विचार एवं बेहतर सोच की वजह से गढ़वा में अभूतपूर्व विकास हो रहा है। मौके पर झामुमो के जिला सचिव मनोज ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि कंचन साहू, डॉ असजद अंसारी, मिथिलेश झा, दीपक पाठक सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

मंत्री की शादी की सालगिरह पर गरीबों के बीच धोती-साड़ी का किया वितरण

नवीन मेल संवाददाता। मेराल

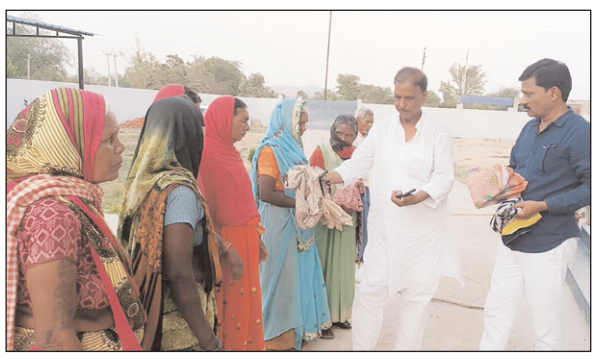

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री तथा स्थानीय विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर की 19वीं शादी सालगिरह को झामुमो नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए करीब दो दर्जन गरीब असहाय लोगों के बीच धोती-साड़ी का वितरण किया। वरिष्ठ झामुमो नेता मिथिलेश कुमार देव के नेतृत्व में मेराल के स्वर्गीय विमला देवी स्मृति भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं नेता शामिल हुए। इस अवसर पर सभी लोगों ने सामूहिक रूप से मंत्री के विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में सहयोग करने के साथ-साथ हर एक व्यक्ति तक इसकी जानकारी उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। मिथिलेश कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष दशरथ प्रसाद, कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद इत्यादि ने कहा कि मंत्री मेराल तथा गढ़वा जिले में विकास की गंगा बहा रहे हैं। आजादी के बाद आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा इतना विकास कार्य नहीं कराया गया जितना इन्होंने अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में किया है। इस अवसर पर बिरझन राम, अशोक राम, 20 सूत्री के प्रखंड अध्यक्ष शंभू प्रसाद, संतोष कुमार सुमन, मुखिया मनदीप सिंह, जनार्दन चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रेडक्रॉस सोसाइटी ने किया टीबी मरीजों के बीच पोषाहार वितरण

‘स्मोकिंग करने वाले लोगों को टीबी का ज्यादा खतरा’

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

सदर अस्पताल परिसर स्थित जिला यक्ष्मा कार्यालय परिसर में रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से टीबी मरीजों के बीच पोषाहार वितरण किया गया। ज्ञात हो कि रेडक्रॉस सोसाइटी ने टीबी मरीजों को गोद लिया है, जिसके तहत पिछले छह माह से मरीजों के बीच पौष्टिक आहार वितरण किया जाता है।

पौष्टिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉक्टर मुरली प्रसाद गुप्ता ने कहा कि टीबी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। यह बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है। सबसे कॉमन फेफड़ों की टीबी है। यह ब्रेन, यूट्रस, मुंह, लिवर, किडनी,गला, हड्डी शरीर के अन्य हिस्सों में भी हो सकती है। मरीज खांसने-छींकने के दौरान नाक-मुंह पर रुमाल रखें। हालांकि फेफड़ों के अलावे अन्य टीबी फैलने वाली नहीं होती। यह पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ने वाली बीमारी नहीं है। सचिव डॉक्टर जेपी सिंह ने कहा कि टीबी का बैक्टीरिया शरीर के जिस भी हिस्से में होता है, वहां के टिशयु को नष्ट कर देता है। यदि फेफड़ा में टीबी है तो धीरे-धीरे फेफड़ा को बेकार कर देती है। इसके प्रति जागरूक रहकर व ससमय इलाज कर बचा जा सकता है। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने कहा कि स्मोकिंग करने वालों को टीबी का ज्यादा खतरा रहता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर काबू पाया जा सकता है। मरीज को पोषण युक्त आहार लेना चाहिए और दवा का निरंतर सेवन करना चाहिए। सरकार की ओर से मरीजों को निःशुल्क दवा उपलब्ध कराई जाती है। मरीज इसका लाभ उठाएं। टीबी उन्मूलन के प्रति अच्छे कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित भी किया जाता है। रेडक्रॉस वाइस चेयरमैन विनोद कमलापुरी ने कहा कि 2 हफ्ते से अधिक समय तक खांसी रहने पर जांच कराएं। दूसरे लोग संक्रमण की चपेट में ना आए इसका ध्यान रखें। प्रोटीन, मिनरल व फाइबर से भरपूर आहार अपने भोजन में शामिल करें ताकि प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत हो सके। तंबाकू के सेवन से परहेज करें।

रेडक्रॉस हेल्थ चेयरमैन डॉक्टर पतंजलि केसरी ने कहा कि मरीज ईलाज के दौरान जरूरी सावधानियां बरतें और पोषण युक्त आहार लें। योग व्यायाम करते हुए सामान्य जिंदगी जिएं। टीबी होने पर सोयाबीन, दाल, मछली, अंडा पनीर आदि सेवन करें। उन्होंने कहा कि गंदगी और कम रोशनी वाली जगहों पर मरीज को नहीं रहना चाहिए।

कोरवा की पत्नी ने दर्ज कराई हत्या की प्राथमिकी

नवीन मेल संवाददाता। बड़गड़

दस दिनों से गायब 35 वर्षीय बिहारी कोरवा के शव की बरामदगी के पश्चात मृतक की पत्नी सुमंती देवी ने भंडरिया थाने में आवेदन देकर संदेह के आधार पर कुछ लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। यहां बता दें कि 10 दिनों से गायब बिहारी कोरवा का शव परिजनों की सूचना के आधार पर बीते गुरुवार को भंडरिया थाना अंतर्गत बड़गड़ ओपी क्षेत्र के चोरटंगीया जंगल से क्षत विक्षत अवस्था में पुलिस ने बरामद किया था। घटना को लेकर मृतक की पत्नी सुमंती देवी ने हत्या की आशंका जताई थी। घटना के संबंध में पूछे जाने पर इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी भंडरिया संजय कुमार खाखा ने कहा कि मृतक की पत्नी सुमंती देवी के आवेदन के आधार पर नामजद प्रथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले के उद्भेदन को लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि थाना प्रभारी ने प्राथमिकी में दर्ज नामजद अभियुक्तों के नाम एवं संख्या बताने से इनकार कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के शव का अंत्यपरीक्षण नहीं हो सका है।

मृतक का नहीं हो सका है अंतिम संस्कार

भंडरिया थाना प्रभारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अंत्यपरीक्षण की प्रक्रिया नहीं होने के कारण परिजनों को मृतक का शव नहीं सौंपा जा सका है। शव ज्यादा सड़े होने तथा जानवरों द्वारा क्षत-विक्षत कर दिए जाने के कारण शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची भेजा गया है। इसी कारण बिहारी कोरवा का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है।

संक्षिप्त

टेंपो अनियंत्रित होकर पलटा, चार घायल

श्री बंशीधर नगर। नगर उंटारी भवनाथपुर मुख्य मार्ग तुलसीदामर के समीप टेंपो के अनियंत्रित होकर पलटने से चार लोग गंभीर रूप घायल हो गए। सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को खतरे से बाहर बताया। घटना शनिवार की सुबह की है। घायलों में विशुनपुरा थाना क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी कुंदन ठाकुर व नंदनी कुमारी, भावनाथपुर थाना क्षेत्र मकरी गांव निवासी प्रीति कुमारी, उत्तर प्रदेश निवासी मुनि लाल शामिल हैं।

मेराल में टेंपो के पलटने से चार लोग घायल

मेराल। गढ़वा मझिआव मुख्य सड़क पर हारण दुबे पहाड़ी के पास गढ़वा से मझिआंव की ओर जा रहे टेंपो के अनियंत्रित होकर पलट जाने से चार लोग जख्मी हो गए। घायलों को तत्काल सदर अस्पताल गढ़वा भेजा। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद मेराल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तब तक सभी घायलों को अस्पताल भेजा जा चुका था। उन्होंने बताया कि घायलों का इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

छत से गिरकर महिला घायल, हालत स्थिर

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत उंचरी मोहल्ला निवासी रमेश कुशवाहा की पत्नी सुमित्रा देवी शनिवार को छत से गिरकर घायल हो गई। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। सुमित्रा देवी अपने मकान की छत पर गीला कपड़ा को धूप में डाल रही थी। इस दौरान वह रेलिंग पर गिर गई। बताया गया कि रेलिंग में सिर्फ ईंट की जोड़ाई की गई थी। उसके उपर कंक्रीटिंग नहीं गई थी। इससे कमजोर रेलिंग गिर गई और सुमित्रा देवी भी छत से नीचे गिर गई। इस घटना में उसके सिर समेत शरीर के विभिन्न हिस्से में गंभीर चोट लगी है। सदर अस्पताल में इलाजरत सुमित्रा देवी की हालत स्थिर बनी हुई है।

दुर्घटना में दो घायल, सदर अस्पताल में भर्ती

गढ़वा। पलामू जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के करकट्टा गांव निवासी गुलशन पासवान एवं उसी गांव के पिंटू मेहता पिता ललन मेहता शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। इनमें गुलशन पासवान का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया गया कि गुलशन पासवान एवं पिंटू मेहता एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर करकट्टा गांव से रेहला जा रहे थे। इस दौरान रेहला थाना क्षेत्र के कुल्ही गांव के समीप तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रसत हो गई। इस घटना में सवार दोनों युवक घायल हो गए। स्वजनों ने घायल पिंटू मेहता का स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार कराया, जबकि गंभीर रूप से घायल गुलशन पासवान को सदर अस्पताल में लाकर भर्ती कराया।

प्रधान सहायक के निधन पर हुई शोक सभा

मेराल। प्रखंड एवं अंचल कर्मियों द्वारा शनिवार को विशुनपुरा अंचल कार्यालय के प्रधान सहायक शिवपूजन उरांव के असामयिक निधन होने पर मेराल प्रखंड कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें 2 मिनट का मौन रख कर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा में बीडीओ प्रवेश कुमार साव, सीओ निकिता बाला, प्रधान सहायक सुनील कुमार, अंचल प्रधान सहायक मुरारी मिश्रा, बीपीओ फिरोज अंसारी, मनरेगा अकाउंटेंट सूरज कुमार, प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी जितेंद्र चौबे, मुखिया रामसागर महतो, अंचल सहायक कुणाल कुमार, शाहिद अंसारी, स्वस्तिका रानी, कंप्यूटर ऑपरेटर खादिम अंसारी, मनीष कुमार, बीडीसी रमेश राम, शिव कुमार चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे।

डिजिटल कार्यक्रम में महिलाएं हुईं जागरूक

डंडई। जरही पंचायत भवन के प्रांगण में शुक्रवार को झारखंड स्टेट लाइवली हुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा पंचायत स्तरीय डिजिटल लेन-देन को विकसित करने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल अभियान कार्यक्रम चलाया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार के निर्देश पर आयोजित किया गया। मौके पर बैंक सखी रंभा देवी, सीसी विकास कुमार, सीसी अभय कुमार, ऑफिस बॉय लव चौधरी, मनोज चौधरी, पीआरपी संगीता देवी, सुनैना देवी, प्रभा देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

‘रिजल्ट जमा न करना आदेशों की अवेहलना’

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड संसाधन केंद्र अधौरा में शनिवार को बीआरपी- सीआरपी की बैठक बीआरपी श्रीकांत चौबे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीआरपी संजय कुमार सिंह, प्रशांत कुमार देव, अजय कुमार, शोभा पांडेय, सुबोध कुमार, रिसोर्स शिक्षक शशिकांत पाल, कंप्यूटर ऑपरेटर रोहित कुमार तथा कंप्यूटर कोडिनेटर मुकेश कुमार उपस्थित थे। इसमें बीआरपी ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करने के बाद कहा कि 13 मई को बीआरसी की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2022 - 23 में कक्षा 1 से 7 तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक योगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन कार्य 19 मई तक सभी प्रधानाध्यापक को पूरा कर लेने का निर्देश दिया गया था। खेद की बात है कि अधिकतर प्रधानाध्यापक ने रिजल्ट सीआरपी के पास जमा नहीं किया है। प्रधानाध्यापक द्वारा रिजल्ट जमा नहीं किया जाना आदेशों की अवेहलना है। इसलिए विभागीय आदेश का पालन नहीं करने के आरोप में विभागीय कार्रवाई के लिए जिला को लिखा जायेगा।

ग्रुप लीडर पर लाखों गबन कर फरार होने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर

थाना क्षेत्र के बुका गांव की महिलाओं ने थाने में आवेदन देकर ग्रुप लीडर पर लाखों रुपये गबन कर फरार हो जाने का आरोप लगाते हुए कारवाई की मांग की है। महिलाओं ने बताया कि हमलोग रोजगार के लिए समूह के माध्यम से विभिन्न माइक्रो फाइनेंस से ऋण लेकर रोजी रोटी चलाते थे। कुछ दिन के पश्चात समूह के लीडर ललिता देवी पति जितेंद्र यादव ने विभिन्न माइक्रो फाइनेंस कंपनी समस्ता, सेटिंग, बंधन, आरोहन, आर बी एल, प्रयत्न, स्वतंत्र, भारत, सिन्दुजा, सुगनिया, चैतन्य, उत्कष, सत्या, ईसा, सूर्य ज्योति, कैप्टल माइक्रो फाइनेंस से 39 महिलाओं से 55 लाख 70 हजार रुपये माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मी की मिलीभगत से फर्जी तरीके से सुकृत करा कर सी एस पी में अंगूठा लगवा कर पैसा निकलवाया और फरार हो गया।

यूनियन बैंक की शाखा खोलने को लेकर किया स्थल निरीक्षण

केतार। केतार प्रखंड के आदिवासी बहुल परती कुशवानी पंचायत में यूनीयन बैंक का शाखा खोलने को लेकर शनिवार को ब्रांच मैनेजर पंकज कुमार और बीडीओ मुकेश मछुआ ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पदाधिकारियों ने परती कुशवानी पंचायत सचिवालय में पेयजल, बिजली, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं के बारे में ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं होगी। जांच पड़ताल के बाद पदाधिकारियों ने जांच रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी को भेजने की बात कही। बीडीओ ने कहा की परती कुशवानी पंचायत का जनसंख्या के आधार पर सरकार द्वारा एक बैंक खोलने का निर्देश प्राप्त है। इसका जिम्मा यूनियन बैंक को मिला है। बैंक का शाखा खुलने से पंचायत क्षेत्र के साथ-साथ बगल के अन्य गांवों और खरौंधी प्रखंड के ग्रामीणों को भी लेन देन करने में सहुलियत होगी।

स्कूल की दीवारों पर लिखे अश्लील शब्द आंबेडकर की प्रतिमा पर लगाई सफेद पेंट

पुलिस ने कहा-दोषियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता। मेराल

हाई स्कूल के प्रांगण में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने दीवारों पर शिक्षकों के लिए अश्लील शब्द लिखने के साथ बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की। विद्यालय खुलने के बाद प्रधानाध्यापक लालता पटेल तथा शिक्षकों की नजर जब इस पर पड़ी तो लोगों ने इसकी सूचना आसपास के लोगों के साथ-साथ मेराल पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी नीतीश कुमार हाई स्कूल पहुंच मामले की जानकारी ली। गौरतलब हो कि असामाजिक तत्वों द्वारा विद्यालय की दीवार पर कई जगह प्रधानाध्यापक के नाम गाली गलौज लिख दी थी। इतना ही नहीं, बाबा साहब की प्रतिमा के चेहरे पर सफेद पेंट लगा दी गई थी, जिसे तुरंत ठीक कराया गया।

हाई स्कूल में असामाजिक तत्वों की ओर से भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ करने के बाद निरीक्षण करते थाना प्रभारी।

प्रधानाध्यापक लालता पटेल द्वारा लिखित सूचना थाना प्रभारी को दी गई। मेराल व्यवसायिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष नवीन प्रसाद जायसवाल, बसपा नेता रामकेश राम इत्यादि ने थाना प्रभारी से मिलकर असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने तथा भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए निगाह रखने की मांग की। थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने मामले की जानकारी लेने के बाद लोगों को आश्वस्त किया की असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगाह रखी जाएगी तथा दोषियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

धर्म-कर्म जीयर स्वामी ने कहा, सत्कर्म का मतलब होता है ज्ञान

‘अमर्यादित लोगों की सलाह सदैव दुःखदायी’

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

भारतीय संस्कृति में सबको मिला है। संत, शास्त्र और सत्पुरुषों द्वारा किसी समस्या का समाधान होने पर समाज एवं राष्ट्र का कल्याण होता है, जबकि अमर्यादित लोगों के दखल व्यवधान पैदा करता है। हम जब किसी कार्य के प्रति संकल्प करते हैं, तो हमारे सद्प्रयास और समर्पण के बाद परमात्मा सत संकल्प के साथ हमारे अरमान को पूरा कर देते हैं। पाखंडियों के मार्ग पर चलने एवं उनके गलत कायों के प्रति आसक्ति से जीवन में संकट आता है।

जीयर स्वामी ने भागवत की महत्ता दर्शाते हुए कहा कि सत्कर्म का मतलब ज्ञान होता है। ज्ञान से मुक्ति होती है। ज्ञान भागवत कथा को ही बताया गया है। जो कार्य भागवत कथा करेगा, वह वेद नहीं कर सकता। भागवत, भगवान की वाणी है और वेद श्वांस है। वैष्णव धर्म में भागवत पुराण को 'पंचम वेद' माना गया है। भागवत पुराण भक्तिझप्रधान ग्रन्थ है। भक्ति के अधीन ही ज्ञान-विज्ञान और सत्कर्म हैं। भक्ति स्वतंत्र है; यह किसी अन्य मार्ग पर निर्भर नहीं करती। तुलसी बाबा कहते हैं 'भक्ति सुतंत्र सकल सुख खानी' पुनश्च सो सुतंत्र अवलंब न आना, तेहि अधीन ग्यान-विग्याना।' उनका निश्चित मत है कि भले ही पानी को मथने से घी उत्पन्न हो जाए, बालू को पेरने से तेल निकल आवे लेकिन परमात्मा के भजन (भक्ति) बिना संसार-सागर को पार करना असंभव है। ह्लबारि मथी घृत होई बरू, सिकता ते बरू तेल । बिनु हरि भजन न भव तरिअ यह सिद्धांत अपेल ।।₹ स्वामी जी ने कहा कि वेद की बातों को तोड़-मरोड़कर पेश नहीं किया जाना चाहिए। भागवत के अधिकारी सभी हैं, लेकिन वेद के अधिकारी वैदिक तरीका से जीवन यापन करने वाले ही हैं। उन्होंने कहा कि पूस और चैत माह में कामनायुक्त भागवत कथा का श्रवण नहीं करनी चाहिए। कामना रहित भागवत कथा श्रवण में दोष नहीं है। भागवत कथा श्रवण से हरि चित में चिपक जाते हैं। जो बहुत दिनों के योग-तपस्या एवं समाधि से प्राप्त नहीं होता, वह कलियुग में भागवत कथा श्रवण मात्र से होता है।

विभिन्न राज्यों से संत महात्माओं का आगमन

लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी के चातुर्मास व्रत में प्रतिदिन देश के विभिन्न राज्यों से विभिन्न संत महात्माओं का आगमन हो रहा है। शनिवार को गुजरात के बलसांड जिलांतर्गत श्रीसीताराम आश्रम के महंथ स्वामी समर्थ श्रीरामदास महाराज, मौनी बाबा नागा प्रयाग गिरी महराज एवं सोनभद्र के गुप्त काशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश चौबे जीयर स्वामी का दर्शन करने पहुंचे। बाहर से पहुंचे संतों ने स्वामी से आशीर्वचन प्राप्त किया। ततपश्चात सभी ने श्री बंशीधर भगवान का दर्शन पूजन भी किया। श्री बंशीधर मंदिर के प्रधान ट्रस्टी राजेश प्रताप देव ने सभी संतों को भगवान श्री बंशीधर का तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस की सभी तैयारियां पूरी

गढ़वा। 21 जून को आयोजित अंतराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी पूरी कर ली गई हैं। योग दिवस समारोह गोविंद हाई स्कूल के मैदान में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कृष्णा कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी है। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय के साथ साथ चार प्रखंड के चिन्हित 12 आयुषग्राम में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उनके द्वारा युवा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। विशेष रुप से चिन्हित आयुषग्राम में लगातार योगाभ्यास योग्य प्रशिक्षकों के द्वारा कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के ग्रिड लाइन के अनुसार कक्षा 6 से 12के छात्रों को, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और सार्वजनिक स्थलों पर योगाभ्यास होगा।

महुआडांड़ का हाल : प्रवेक्षिका बोली- जल्द दुरुस्त किया जाएगा

124 आंगनबाड़ी में 38 के चापाकल ही सही

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड़

प्रखंड के अंतर्गत अंम्वाटोली आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 3 स्थित चापाकल पिछले दो साल से खराब है। आंगनबाड़ी केंद्र अंम्वाटोली की सेविका आशा देवी कहती है कि बहुत दूर से पानी लाना पड़ता है। आस-पास घरों से हर रोज कितना पानी लाये, अच्छा भी नहीं लगता है। प्रखंड बाल विकास प्ररियोजना कार्यालय को इसकी जानकारी दी गई है, लेकिन विभाग इसे बनाने की जहमत नहीं उठा रहा है।

ज्ञात हो कि महुआडांड़ प्रखंड में 124 आंगनबाड़ी केंद्र है, लेकिन पानी की व्यवस्था सुचारु रूप से सभी केंद्रों में नहीं की गई है। आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या के अनुसार देखें तो लगता है कि विभाग इस मामले को लेकर ज्यादा गंभीर नजर नहीं आती है। 124 आंगनबाड़ी केंद्र में 31 ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र जो किसी ग्रामीण के घरों में किराए पर चलते हैं, पेयजल की व्यवस्था देखकर आंगनबाड़ी केंद्र के लिए किराये पर भवन रूम लिया गया है। जबकि सरकारी भवन में चलने वाले 31 आंगनबाड़ी केंद्रों में चापाकल खोदा ही नहीं गया। 24 चापाकल खराब पड़े हैं, केवल 38 आंगनबाड़ी केंद्र में चापाकल चालू हालत में हैं। महिला प्रवेक्षिका स्वेता कुमारी ने कहा जितने भी किराए पर आंगनबाड़ी केंद्र चल रहे हैं, उन्हें ऐसी जगह पर लिया गया है जहां पीने के पानी की सुविधा है। जिला विभाग कार्यालय को प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्र एवं भवन की हालत पर रिपोर्ट बनाकर समय-समय पर भेजा जाता रहा है।

सड़क पर पैदल चल रहे व्यक्ति की टेंपो की टक्कर से मौत

हेरहंज। प्रखंड क्षेत्र के नवादा ग्राम बालूमाथ पांकी मुख्य पथ पर शनिवार शाम लगभग 3 बजे रांची की ओर से आ रहे टेंपो ने पैदल चल रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक गोपाल गंझू (46) नवादा शनिवार साप्ताहिक बाजार गया था। रास्ता पार करने के क्रम में टेंपो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी बताया गया कि टेंपो रांची की ओर से आ रहा था। घटना की जानकारी मिलने पर हेरहंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वहीं गोपाल गंझु की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

लातेहार की महिला कबड्डी टीम की खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

रांची में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली जिला कबड्डी महिला टीम की खिलाड़ियों को जिला खेल पदाधिकारी शिवेंदु कुमार और कबड्डी एसोसिएशन ने सम्मानित किया।

बता दें कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर महिला टीम की खिलाड़ी पूनम कुमारी का चयन राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए झारखंड कबड्डी महिला टीम में हुआ है। जिला खेल पदाधिकारी ने पूनम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता जाहिर की और हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयास करते रहना चाहिए। आगे कहा कि लातेहार में भी कबड्डी खेल के विकास की असीम संभावना है। कबड्डी भी खेल के करियर में एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रहा है। लातेहार में भी कबड्डी का एक बोर्डिंग सेंटर खोलने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लातेहार जिला से भी कबड्डी प्रतियोगिता से अच्छे प्लेयर निकल सके। पूनम कुमारी के इस प्रदर्शन पर लातेहार जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद उरांव, सचिव अशफाक उर्फ मुन्ना, उप सचिव अनूप कुमार, उपाध्यक्ष हरिशंकर यादव, आफताब आलम, प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दी है।

चतरा जिले में लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन, लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

'अब गरीब व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहेगा'

नवीन मेल संवाददाता। चतरा/सिमरिया/टंडवा

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में शनिवार को जिले के सिमरिया, गिद्धौर, टंडवा व हंटरगंज आदि प्रखंड़ कार्यालयों में लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजनकिया गया। सिमरिया प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित केंप का शुभारंभ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम राजेश कुमार सिंह, प्रमुख, उप प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी नीतू सिंह आदि ने संयुक्त रूप से किया। अपने संबोधन में एडीजे प्रथम सिंह ने कहा कि अब कोई भी गरीब व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहेगा। वैसे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय एक लाख से कम है वह सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकार से विधिक सेवा प्राप्त करने के अधिकारी हैं। कैंप में 20 लोगों के बीच राज्य वृद्धा पेंशन योजना, एक महिला को मुख्यमंत्री राज निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना, 15 के बीच स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वालंबन प्रोत्साहन योजना, 7 के बीच को पीएम आवास योजना के प्रथम भुगतान, 10 ग्रामीण राजमिस्त्री को प्रमाण पत्र, 5 पीएम आवास के लाभुकों के बीच ताला चाबी, पशुपालन कीट, 25 को नया ग्रीन कार्ड, 3 को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ, दो को दिव्यांग उपकरण, 20 किसानों के बीच कीट नाशक दवा, 7 मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण किया गया। वतरण ग्राम संगठन के बीच किया गया। 217 का राशन कार्ड में नाम जोड़ा गया, 80 लोगों का स्वास्थ्य जांच करने के साथ ग्राम संगठन के बीच 17 लाख 80 हजार ऋण का वितरण किया गया। मौके पर विधिक कार्यकर्ता सुबोध कुमार शर्मा, कार्यपालक दंडाधिकारी अजय कुमार, आशीष नायक, बीपीएम रंजन पांडे, सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं लाभुक मौजूद थे। वहीं हंटरगंज प्रखंड कार्यालय में विधिक सशक्तिकरण शिविर में बीडीओ अभिषेक पांडेय, प्रमुख ममता कुमारी, उप प्रमुख राहुल गुप्ता आदि उपस्थित थे, जिसमें 15 पेंशन योजनाओं के लाभुकों को स्वीकृति दी गई तथा जेएसएलपीएस के द्वारा एक करोड़ 10 लाख रुपये का ऋण वितरण किया गया। बाल विकास परियोजना द्वारा आधा दर्जन महिलाओं की गोद भराई व 4 बच्चों का मुंह जट्ठी कराया गया। टंडवा प्रखंड कार्यालय में योग्य लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया। शिविर में बीडीओ रंथु महतो, सीओ विजय दास, प्रमुख रीना कुमारी, पारा लीगल वॉलिंटियर राजेंद्र ओझा एवं टिकेश्वर साहू समेत संबंधित विभाग के कर्मी शामिल थे।

181 करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्ति का किया वितरण

चतरा। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायधीश सह जोनल जज एसएन पाठक शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने व्यवहार न्यायालय में आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम लाभुकों के बीच 181 करोड़ से अधिक परिसंपत्ति का वितरण किया। वहीं जोनल जज पांडेय ने कहा कि चतरा पहुंचकर न्यायालय एवं न्यायालय कर्मियों के कार्य प्रणाली की जानकारी ली। ततपश्चात जोनल जज बार एसोसिएशन पहुंचे। जोनल जज ने उपायुक्त से बार भवन के लिए जल्द ब्लू प्रिंट तैयार करके भेजने को कहा। चतरा पहुंचने से पूर्व जोनल जज इटखोरी स्थित माता भद्रकाली मंदिर परिवार संग पहुंचकर पहुंचकर संग्रहालय का आवलोकन किया। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सिंह, उपायुक्त अबु इमरान, एसपी राकेश रंजन, बार एसोसिएशन के सचिव मुरली मनोहर मिश्रा, एसी पवन कुमार मंडल, एसडीओ, बीडीओ आदि उपस्थित थे।

एडीजे तृतीय ने कहा, कानून में सभी का समान अधिकार

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में सशक्तिकरण सह कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिला एवम सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंद्रा ने कहा कि कानून में सभी का समान अधिकार है। किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को शोषण के विरुद्ध लड़ाई लड़ने का आह्वान करते हुए कहा की किसी भी गलत कार्य का खुलकर विरोध करना सीखिए। जबकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र में ईमानदारी पूर्वक व सेवा भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने मोटर वाहन दुर्घटना होने पर निःशुल्क कानूनी सलाह की भी जानकारी दी।

प्रखंड कार्यालय में मेगा शिविर में पहुंचे न्यायिक दंडाधिकारी मुक्ति भगत

मयूरहंड(चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले शनिवार को मयूरहंड प्रखंड कार्यालय परिसर में मेगा शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन बीडीओ साकेत कुमार सिन्हा व करमा मुखिया रामनाथ यादव ने संयुक्त रूप से किया। पीएलभी दयानंद कुमार व मुजाहिद्दीन अंसारी द्वारा मध्यस्थता पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ हीं सुलहनीय मालमे में मध्यस्थता का लाभ उठाने की अपील लोगों से की गई। शिविर में शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास परियोजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा के अलावा अन्य विभाग का स्टॉल लगाया गया था। मेगा शिविर में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सह किशोर न्याय बोर्ड के मुक्ति भगत पहुंचे और शिविर का निरीक्षण कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान भगत ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में बीपी जांच करवाया और जॉबकार्ड का वितरण किया।

'रसोइया को सरकारी कर्मी का दर्जा मिलना चाहिए'

रसोईया संघ जिला इकाई के तत्वाधान में प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिला मुख्यालय में शनिवार को झारखंड राज्य विद्यालय रसोइया संघ जिला ईकाई के तत्वावधान में रोष पूर्ण प्रदर्शन किया गया। इसके पूर्व रसोइया संघ ने शहर के बाजार टांड से रोष पूर्ण रैली निकाली जो मेन रोड होती हुई जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय तक गयी। यहां सभा को संबोधित करते हुए संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि 12 सूत्री मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन और आंदोलन किया जा रहा है। रसोइया को सरकारी कर्मी का दर्जा मिलना चाहिए। इसके अलावा 10 माह की जगह पर 11 माह का मामनदेय भुगतान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी रसोइया को जब तक सरकारी कर्मी का दर्जा नहीं मिलता है तब तक 21 हजार वेतनमान सरकार की ओर से मिलना चाहिए। प्रदेश महासचिव गीता मंडल ने कहा कि विद्यालय में कार्य के दौरान रसोइया को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके रसोइया को नियमित मानदेय नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि रसोइया को दस वर्ष की सेवा अवधि का विस्तार देना चाहिए। जिला प्रभारी लीलावती देवी ने कहा कि देश में महंगाई चरम पर है इसलिए सभी रसोइया को वर्ष में दो बार महंगाई भत्ता मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेंशन योजना लागू करने के बाद रसोइया को सेवानिवृत्त किया जाये। सभा के बाद 12 सूत्री मांग पत्र जिला शिक्षा अधीक्षक को सौंपा गया। मौके पर रीना देवी, पानपति देवी, शांति देवी, जीरा देवी व चिंता देवी समेत काफी संख्या रसोइया उपस्थित थी।

144 निजी स्कूल आरटीई मान्यता के बैगर संचालित

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले के आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता लाल मोहन सिंह को जिला शिक्षा पदाधिकारी -सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा अभियान, लातेहार द्वारा सूचना के अधिकार के तहत उपलब्ध कराई गई सूचना से शिक्षा विभाग के उपर भी सवालिया निशान लग रहा है।

उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार लातेहार जिले में कुल 144 निजी स्कूल हैं जो सरकारी स्तर से आरटीई मान्यता प्राप्त निजी स्कूल एक भी नहीं हैं, जबकि अनिवार्य एवं बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) 01 अक्टूबर 2010 से पूरे भारत में प्रभावी हैं एवं इस अधिनियम के तहत सरकारी स्तर से मान्यता लेना

आरटीआई से हुआ खुलासा

निहायत जरूरी है, परन्तु एक भी स्कूल को मान्यता नहीं होना शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। यह भी खुलासा हो रहा है कि दस ब्लॉक के इस जिले में मात्र दो बीईओ जवाहर प्रसाद व हाकीम प्रमाणिक पदस्त हैं, जबकि यहां पर दस बीईओरहना चाहिए। यह भी खुलासा हुआ है कि जिले में निजी स्कूलों का आरटीई मान्यता के लिए किसी तरह का जिला स्तरीय कमेटी का गठन नहीं हुआ है, जबकि शिक्षा सचिव के ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को इस बारे में निर्देशित किया, परंतु शिक्षा का अधिकार कानून को 13 वर्ष हो गया इसका अनुपालन नहीं हुआ है।

वनाधिकार समिति से प्रस्ताव लेने के लिए विभागीय पत्र जारी

टंडवा (चतरा)। सीसीएल की टंडवा प्रखंड अंतर्गत आम्रपाली कोल परियोजना क्षेत्र स्थित पोकला उर्फ. कसियाडीह व कोयद पंचायत क्षेत्र में रेलवे साइडिंग के निर्माण हेतु सीओ टंडवा द्वारा वनाधिकार समिति की बैठक 18 जून को आयोजित की गई है। बैठक मध्य विद्यालय सेरनदाग में निर्धारित किया गया है। ज्ञात हो कि उक्त मामले में हीं पिछले कुछ दिनों पूर्व स्थानीय मुखिया सरीता कुमारी व विधायक प्रतिनिधि गणेश प्रसाद साहु व वनाधिकार समिति ने बड़ा आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर व मुहर का प्रयोग कर फर्जी तरीके से प्रस्ताव पारित करने का आरोप लगाते हुए उपायुक्त समेत अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच व कार्रवाई की मांग की गई थी।

'एकता के बिना मजदूरों को नहीं मिल सकता उनका हक-अधिकार'

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

झारखंड प्रदेश भवन निर्माण कामगार यूनियन के प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक का शुभारंभ शहर के श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर में किया गया। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरारी प्रसाद, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुरेश उरांव, झारखंड प्रदेश महामंत्री बृज किशोर पासवान समेत अन्य जिलों के अध्यक्ष आदि ने भाग लिया। मुरारी प्रसाद ने बताया कि संगठन मजदूरों के हितों के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बिना संघर्ष एवं चट्टानी एकता के मजदूरों को उनका हक व अधिकार नहीं मिल सकता है। न्यूनतम मजदूरी भी मजदूरों को नहीं मिल पा रहा है। विभाग द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मजदूर नहीं उठा पा रहे हैं। बैठक का संचालन बृज किशोर राम महामंत्री ने किया। इस बैठक में हरिलाल साव, पप्पू विश्वकर्मा, नवल किशोर पासवान, मनोज कुमार, बृजेश कुमार, प्रमोद कुमार सिंह, अंजन चौधरी, सुरेश चौधरी, भीम शंकर कुमार यादव, नूर कुमार, मुकेश कुमार महतो, दीपक घोष, विशाल धीवर, शीतला माता, मधु महतो, तपन कुमार मोची, बिशन दास, जैन प्रधान, राम प्रकाश दास, कमलेश उरांव, सुरेश राम, रंजीत कुमार व बिगु कुमार समेंत कई लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त

जेजेएमपी कमांडर के घर पर चिपकाया इश्तेहार

बालूमाथ। बालूमाथ पुलिस ने 5 लाख का इनामी जेजेएमपी कमांडर लवलेश गंझु के घर पर इश्तेहार चिपकाया है। बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि बालू पंचायत के बरटोला निवासी जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के लवलेश गंझु, पिता स्व. प्रधान गंझु विभिन्न मामलों का अभियुक्त है। बार-बार न्यायालय द्वारा हाजिर होने के निर्देश पर भी अभियुक्त हाजिर नहीं हो रहा था। लवलेश गंझु के घर पर न्यायालय के आदेशानुसार इश्तेहार चिपकाया गया है। इश्तेहार चिपकाने से पूर्व आसपास के ग्रामीणों को न्यायालय के इस्तेहार की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। न्यायालय के इश्तेहार के अनुसार अगर लवलेश 30 दिनों तक न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो घर की कुर्की जब्ती की करवाई जाएगी। जेजेएमपी के लवलेस गंझु पर कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। इस अभियान में पुअनी कुबेर साव, पुअनी धीरज कुमार के अलावे पुलिस बल के जवान शामिल रहे।

बीपीएम पर सीएम के कार्यक्रम को असफल करने का आरोप मनोज समर्थकों ने लगाया

गिद्धौर(चतरा)। सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्धारित कार्यक्रम को असफल करने का आरोप जेएसएलपीएस के गिद्धौर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अभिषेक श्रीवास्तव पर मनोज चंद्रा के समर्थकों ने लगाया है। समर्थकों ने जिला कार्यक्रम प्रबंधक को लिखित आवेदन देकर बीपीएम पर करवाई करने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि जेएसएलपीएस के बीपीएम अभिषेक श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को असफल करने की कोशिश करने के साथ महिलाओं के व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुनियोजित तरीके से असफल करने का प्रयास किया जा रहा है। गिद्धौर प्रखंड के महिलाओं को सिमरिया में होने वाले झारखंड के मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होना है। लेकिन बीपीएम ने कुछ विशेष महिलाओं को टारगेट करते हुए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का निर्देश दिया है। जब उनसे पूछा गया कि महिलाएं इस कार्यक्रम में क्यों नहीं शामिल हो सकती है तो इन्होंने सरकारी नियम का हवाला देते हुए कहा कि महिलाएं कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकती है। श्री चंद्रा के समर्थकों में बैद्यनाथ कुमार दांगी, बहादुर दांगी, यदुनंदन पांडेय, विनोद ठाकुर, डेगन गंझु, देवनारायण दांगी आदि दर्जनों लोगों ने बीपीएम पर कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

पहल | बीडीओ ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

मतदाता पुनरीक्षण में सहयोग करें

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

कार्यालय परिसर में प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय की अध्यक्षता में प्रखंड के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों के साथ संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चलाए जाने वाले संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में 18 वर्ष पूरे करने वाले नए मतदाताओं का सभी राजनीतिक कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों के बीएलओ से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने में सहयोग करें। उन्होंने वैसे व्यक्ति जिनकी उम्र 18 से ऊपर हो चुकी है उनके लिए प्रपत्र 6 भरकर मतदाता सूची में जोड़ने व मृत, स्थानांतरण वोटरों को प्रपत्र 7 में भरकर, सूची से हटाने तथा मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी व अशुद्धि के लिए प्रपत्र 8 भरकर सुधार करने के बारे में जानकारी दी। बैठक में इस अभियान को सफल बनाने हेतु जनवरी माह 2024 तक चलने वाली कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में कांग्रेस कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष प्रिंस राज गुप्ता, राजद प्रखंड अध्यक्ष आदित्य प्रसाद यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष अफजाल अंसारी, भाजपा प्रतिनिधि सुनील कुमार सिंह, बहुजन समाज पार्टी के बादशाह समेत अन्य लोग शामिल रहे।

बीडीओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बारियातु। प्रखंड कार्यालय सभागार परिसर में आगामी संक्षिप्त पुनरीक्षण के सफल क्रियान्वयन के लिए बीडीओ प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में सभी राजनीतीक दलों की बैठक हुई। इसमें मुख्य रूप से आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदान सूची में जोड़ने को लेकर विचार विमर्श किया गया। मौके पर निर्वाचन सहायक पदाधिकारी आलोक दुबे, जेएमएम बीस सूत्री अध्यक्ष राजेंद्र गंझु, उपाध्यक्ष सुरेश गंझु, आजसू प्रखंड अध्यक्ष बिनोद राम, राज्य सभा सांसद प्रतिनिधि सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रीगन कुमार आदि मौजूद थे।

पड़ रही प्रचंड गर्मी से जन-जीवन हलकान

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

प्रखंड में पड़ रही प्रचंड गर्मी से इंसान तो इंसान जानवर भी परेशान हैं। गर्मी की वजह से दिन में सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। लोग धूप में बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। नदी नालों के सूखने से जानवरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी की तलाश में जानवर इधर उधर भटकने को मजबूर हैं।

बिजली की आंख मिचौली से सभी है परेशान : प्रखंड में गर्मी आग की तरह बरस रही है ऐसे में बिजली की जरूरत हर किसी को है लेकिन प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों बिजली की आंख मिचौली मानो जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। शुक्रवार दोपहर को बिजली कटने के बाद रात दस बजे बिजली बहाल की गई। इसके बाद पुनः बिजली गायब हो गई। इसके बाद देर रात लगभग दो बजे के बाद

दिन में सड़कों पर छाया रहता है सन्नाटा

बिजली बहाल हुई। ग्रामीणों का कहना है कि दिन में धूप व रात में बिजली की आंख मिचौली ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है।

स्कूल खुलने की बात से चिंतित हैं अभिभावक : प्रचंड गर्मी के बीच स्कूल खुलने की बात पर बच्चे और अभिभावक काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। हालांकि सरकार ने छुट्टियों को 12 जून से बढ़ाकर 17 जून कर दिया था। मौसम में कोई बदलाव नहीं होता देख अभिभावक अब भी परेशान हैं कि बच्चे इतनी गर्मी में किस प्रकार स्कूल जाएंगे।

चिल्ड्रन एकेडमी विद्यालय में प्रखंड स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन

सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण कर बच्चे पढ़ाई पर करें फोकस : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता। घाघरा

प्रखंड स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन घाघरा प्रखंड क्षेत्र के चिल्ड्रन एकेडमी विद्यालय में शनिवार को किया गया। जिला वह प्रखंड स्तर पर मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले 23 विद्यालय के 69 छात्र-छात्राओं को मेडल प्रशस्ति पत्र एवं पठन-पाठन सामग्री देकर सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा कई आकर्षक गीत व नृत्य भी प्रस्तुत किये गये। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती एवं सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण किया गया। मौके पर प्रखंड विकास

पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप ने कहा आज के बच्चे कल का भविष्य है। आने वाले दिनों में समाज और देश की जिम्मेवारी इनके ऊपर है। आज यहां उपस्थित बच्चों को देखकर मेरा मन प्रफुल्लित हो रहा है। मैं इन बच्चों को यह संदेश देना चाहता हूं कि यह अपना लक्ष्य का निर्धारण कर अभी से ही अपना पढ़ाई जारी रखें। उन्होंने कहा सुख की कल्पना नहीं करनी चाहिए और निरंतर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। वहीं अपने संबोधन में अंचला अंचलाधिकारी प्रणव ऋतुराज ने कहा कि छात्र समय का सदुपयोग करें और अपने अध्ययन में अधिक से अधिक समय दें ताकि आने वाले समय में वह एक अच्छे नागरिक के रूप में अपने गांव कस्बे शहर के साथ-साथ अपने राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा आज के तकनीकी युग में लक्ष्य का निर्धारण कर अपने शिक्षा को अर्जित करना ही महानता है। साथ ही सीओ ऋतुराज ने कहा इन सफल छात्रों के पीछे इनके अभिभावकों का भी आम भूमिका है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि बच्चे को अच्छे से अच्छा उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए उनका सहयोग करें। सीओ ने कार्यक्रम के आयोजन के के लिए चिल्ड्रन एकेडमी के संचालक विजय कुमार साहू की सराहना की। मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख सविता देवी, अनिरुद्ध चौबे, अगस्टिन महेश कुजुर, चैत टोप्पो, भवानी प्रसाद राय, मिथिलेश महापात्रा, बिंदेश्वर साहू, शीला कुजूर, कृष्णा कुमार लोहरा, अजय कुमार साहू, लाल उरांव व अन्य अतिथि सहित सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

सोलर पाथ बनाने के लिए प्रत्येक अंचल में 5 एकड़ भूमि चिन्हित करने का निर्देश

69 आंगनबाड़ी भवनों का होगा निर्माण

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ 16 जून को प्रोजेक्ट भवन, रांची में हुई बैठक के आलोक में शनिवार को उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें विभिन्न विभागों के आवश्यक निर्देश दिये गये। जुलाई माह की समाप्ति के पूर्व सभी छूटे हुए आंगनबाड़ी केंद्रों, जो अपने भवन में नहीं चल रहे हैं, डीएमएफटी मद से ऐसे कुल 69 भवनों के निर्माण के लिए निर्णय लिया गया। इन आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए ग्राम सभा से स्वीकृति लिये जाने का निर्देश दिया गया।

पंचायती राज पदाधिकारी को सभी छूटे हुए ग्राम पंचायतों में लाभुक समिति का गठन अगले चार दिनों के अंदर कर लिये जाने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में लाभान्वित लाभुकों की ऑनलाइन इंट्री से संबंधित निर्देश कल्याण विभाग को दिये गये। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया कि राज्य स्तर पर जुलाई माह में एक कार्यक्रम के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को भुगतान किया जाना है। इसमें ऐसे योग्य लाभुकों की सूची तैयार कर लें जो उस समय तक योग्य लाभुक की सूची में आ जाएंगे। इसके लिए अभियान चलाये जाने का निर्देश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया गया। मुख्यमंत्री पशुधन योजना अंतर्गत जिला पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि पशुधन (गाय) की आपूर्ति के लिए नेशनल डेयरी डेवपमेंट बोर्ड से संपर्क करें ताकि पशुधन की आपूर्ति लाभुकों के बीच किया जा सके। छूटे हुए पशुधन की आपूर्ति एक सप्ताह में किये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिन लाभुकों का अंशदान बाकी है उनका अंशदान एक माह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया गया। जिला गव्य विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि पशु बीमा का लाभ लेने के लिए होने वाले बीमा स्कीम में कितने लोगों ने क्लेम किया व कितने का सेटलमेंट किया गया, यह प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया।

सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा का निर्देश दिया गया कि अगर कोई व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित है तो उसे पेंशन का लाभ दिलाने के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया जाए। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को वैसे किसानों का सत्यापन किये जाने का निर्देश दिया गया जिन्हें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ अब तक नहीं मिला है और अगर आवश्यकता है तो केसीसी का फार्म भरवाएं ताकि 100 प्रतिशत किसानों को केसीसी का लाभ मिल सके। प्रखंड विकास पदाधिकारियों और जिला कृषि पदाधिकारी को 20 जुलाई तक ऐसे किसानों का सर्टिफिकेशन कराने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री कृषि ऋण माफी योजना में वैसे किसानों जो पलायन कर चुके हैं वैसे किसानों के सत्यापन के लिए इस माह से सितंबर माह तक प्रत्येक माह सत्यापन ड्राईव चलाये जाने का निर्देश दिया गया।

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, लोहरदगा को जल जीवन मिशन अंतर्गत जहां 90 प्रतिशत घरों में नल का कनेक्शन हो चुका है। वैसे घरों का सर्टिफिकेशन 15 दिनों के अंदर पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया गया। विद्युत प्रमंडल, लोहरदगा को राज्य सरकार के वन टाइम सेंटलमेंट स्कीम के तहत लोगों को लाभान्वित किये जाने के लिए नियमित रूप से कैंप करने और लाभुकों की संख्या बढ़ाये जाने का निर्देश दिया गया। सहायक खनन पदाधिकारी को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक प्रत्येक माह आयोजित कराने का निर्देश दिया गया। सोलर पाथ बनाने के लिए प्रत्येक अंचल में 05 एकड़ भूमि चिन्हित कर उसका घेरान कराने का निदेर्श अंचल अधिकारियों को दिया गया।

शिक्षा विभाग को सभी योग्य छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण-पत्र से 100 प्रतिशत अच्छादित किये जाने का निर्देश दिया गया। सभी अंचल अधिकारियों को जाति/आय/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र को सुलभ कराने के लिए प्रत्येक अंचल में एक सर्विस विंडो खोले जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही, उसमें एक कम्प्यूट ऑपरेटर की प्रतिनियुक्ति किये जाने का निर्देश दिया गया। सभी जल सहिया को सक्रिय किये जाने का निर्देश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया गया। ग्रामीण जलापूर्ति की योजना अंतर्गत बरही, भंडरा, किस्को, कैरो, सेन्हा, हेसल और आकाशी की योजना की मरम्मति के लिए भाड़ा का कलेक्शन किये जाने और 15 दिन के अंदर मरम्मति प्रारंभ किये जाने का निर्देश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया गया।

मुखिया व सचिव की पहल पर रुकी छात्रा की शादी

नवीन मेल संवाददाता। पेशरार

जिले के अति सुदूरवर्ती व उग्रवाद प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सीरम में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की की बगैर रजामंदी के परिजनों द्वारा शादी कराये जाने का मामला प्रकाश में आया है। लड़की शादी का विरोध कर रही थी, परंतु परिजन अपनी जिद पर अड़े हुए थे और जबरन उसकी शादी कराने को लेकर आतुर थे। जब परिजनों ने युवती की सहमति के बिना शादी की तैयारी शुरू कर दी तो युवती ने इसकी सूचना प्रखंड प्रशासन को दी। इस पर प्रखंड प्रशासन हरकत में आया और तत्काल संज्ञान में लेते हुए टीम गठित कर मामले पर अग्रेतर कार्रवाई शुरू की गई। मामला सही पाये जाने के बाद टीम ने युवती के माता-पिता और ग्रामीणों के साथ बैठक कर सही उम्र पर युवती की शादी करने की सलाह दी। इधर प्रशासनिक विभाग के अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के समझाने पर परिजन शादी करने से मना कर बेटी को फिर से स्कूल में शिक्षा दिलाने की बात पर सहमति जताई। प्रशासन द्वारा गठित टीम में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रामजीवन नायक, ग्राम पंचायत सीरम के मुखिया भागवत सिंह खेरवार, बाल विकास परियोजना की महिला प्रवेक्षिका मालती कच्छप, ग्राम पंचायत सीरम के पंचायत सचिव महफूज अंसारी को शामिल किया गया था। बच्ची के बेहतर भविष्य व आगे की पढ़ाई करने को लेकर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में नामांकन कराये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

योग दिवस को लेकर बैठक आज

लोहरदगा। आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस लोहरदगा जिले में योग महोत्सव के रूप में मनाए जाने हेतु पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास की जिला इकाई की बैठक 18 जून कोस्थानीय सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा स्थित योग कक्षा सभा कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग महोत्सव के रूप में चयनित स्थान पर योग शिक्षकों की जिम्मेदारी दी जाएगी. आयुष विभाग भारत सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल के तहत कराए जाने हेतु योग महोत्सव के सफल आयोजन हेतु प्रिंटिंग सामग्री भी दी जाएगी। यह जानकारी पतंजलि भारत स्वाभिमान जिला इकाई के जिला प्रभारी प्रवीण कुमार भारती ने दी।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

अवैध बालू खान के विरुद्ध पुलिस द्वारा कारवाई करते हुए कंडरा से एक ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया। खनन अधिनियम के तहत होगी कारवाई। सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा कोयल नदी से अवैध बालू लाद कर ट्रैक्टर में परिवहन करते हुए सेन्हा थाना पुलिस द्वारा जप्त कर अग्रतर कारवाई हेतु अंचलाधिकारी विजय कुमार एवं सहायक खनन पदाधिकारी को सूचनार्थ करते जप्त ट्रैक्टर को सुरक्षित थाना परिसर में रखा गया। वहीं थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर क्षेत्र में अवैध बालू कारोबारी के शस्त्र बल के सहयोग से छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दरमियान कोराम्बे कंडरा पथ में अवैध बालू परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया है। उन्होंने कहा की वरीय पदाधिकारी के निदेर्शानुसार अवैध बालू खनन एवं पत्थर खनन के विरुद्ध लगतार जारी रहेगा। मौके पर एस आई कुलदीप राम शस्त्र बल के साथ मौजूद थे।

निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

लोहरदगा। कल्याण अस्पताल हेसल बसारडीह संचालित विकास भारती बिशुनपुर के द्वारा रामप्यारी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रांची के सहयोग से कल्याण अस्पताल बसारडीह में एक दिवसीय निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर शैलेंद्र शुक्ला एमबीबीएस यूरोलॉजिस्ट मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरेंद्र कुमार एमबीबीएस जनरल फिजिशियन डॉ आशीष कुमार दंत रोग विशेषज्ञ कल्याण अस्पताल के नियमित चिकित्सक जनरल फिजिशियन डॉक्टर सतीश कुमार सिन्हा डॉक्टर अलीशा टोप्पो आदि के द्वारा सैकड़ों ग्रामीण मरीजों को निशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया।

37 पुलिस अफसरों को मिली ट्रेनिंग

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

प्रखंड क्षेत्र के बक्सीडीपा स्थित पुलिस केंद्र में प्रशिक्षण सत्र के पश्चात समापन समारोह आयोजित किया गया। इसमें जिले के सेन्हा थाना सहित विभिन्न थानों एवं पुलिस केंद्रों में कार्यरत सआनि पद पर नियुक्त अधिकारी को पुआनि पद पर प्रोन्नति के लिए पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार जिले से 37 पुलिस अधिकारी को 8 सप्ताह का प्रशिक्षण कराया जा रहा था। प्रशिक्षण सत्र के पश्चात समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने सभी उपस्थित एवं अतिथियों तथा विशिष्ट अतिथि एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने अपने क्षेत्र में शांति व विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस अधिकारी निष्ठा के साथ कर्त्तव्य का पालन करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि पुआनि का प्रशिक्षण प्राप्त सभी अधिकारियों से यही अपेक्षा है। कहा कि आप सभी लोगों को प्रशिक्षण सभी बिंदुओं पर इसलिए दिया गया है कि अपने कार्य क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगा सके। वहीं प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला से 37 सआनि शामिल थे, जिन्हें प्रोन्नति कर पुआनि के पद पर नियुक्त किया जाएगा वह अपने कर्तव्य का पालन करेंगे। मौके पर लोक अभियोजक मिनी लकड़ा, अभियान एस पी दीपक पांडेय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, मेजर सुरेश ओझा के अलावा रमेश कुमार तिवारी, मुरारी कुमार, राजेश शर्मा, लवकुश सिंह, आयता खेस, संजय कुमार सिंह सहित सभी पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

ग्रामीणों ने महिला चोर को पुलिस को सौंपा

भंडरा। भंडरा थाना क्षेत्र स्थित सप्ताहिक चट्टी बाजार में शनिवार को सादी की खरीददारी करने आये दाम्पति के बैग से 50 हजार रुपए निकाल रहे महिला चोर को लोगों ने रंगे हाथ पकड़कर जम कर पिटा फिर पुलिस को सौंपा। आरोपी महिला चोर अपना पहचान नही बता पाई है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस घायल महिला चोर को भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे इलाज करा रही थी । पुलिस आरोपी को जेल भेजे जाने की कार्रवाई में जुट गई है। शनिवार को चोरी की आरोपी महिला को उस समय लोगों ने रंगे हाथ दबोचा जब दूसरे प्रदेश से कमा कर घर लौट दाम्पति अपने घर के सादी के सामग्री खरीदने चट्टी बाजार आये थे।

पहल मंत्री व सांसद ने किया आश्रम विद्यालय पर बनने वाले ऑडोटोरियम भवन का शिलान्यास

'आश्रम स्कूल की व्यवस्था में नहीं आने दी जाएगी कमी'

नवीन मेल संवाददाता। किस्को

जिले के किस्को प्रखंड अंतर्गत आश्रम विद्यालय परहेपाट में बनने वाली ऑडोटोरियम भवन का शिलान्यास राज्य के वित्त राज्य मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत के द्वारा संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में शरीक हुए मंत्री डॉक्टर रामेश्वर उरांव और सांसद सुदर्शन भगत व अन्य अतिथियों का आश्रम विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों के द्वारा गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। मौके पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि किस्को प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परहेपाट आश्रम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने को लेकर राज्य सरकार कृत संकल्पित है। मंत्री ने कहा कि परहेपाट आश्रम विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की बेहतरी हेतु किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के हित में समुचित व्यवस्था पूरी गुणवत्ता के साथ बहाल किया जाएगा। वित्त मंत्री डॉक्टर रामेश्वर उरांव ने कहा कि आश्रम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के साथ किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा और जो भी लोग विद्यालय में खाद्यान्न और दूध सहित अन्य प्रकार की व्यवस्था की आपूर्ति करने वाले हैं वैसे

भेंडर यदि लीपापोती करते हुए पाए जाएंगे तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत ने कार्यक्रम में उपस्थित तमाम लोगों को अपने संबोधन में कहा कि परहेपाट आश्रम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त करें इसके लिए हमारा सकारात्मक प्रयास रहा है, आगे भी बच्चों के हित में एवं विद्यालय के विकास को लेकर बेहतर पहल किया जाएगा। सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि शिक्षा बिन मनुष्य का जीवन सदैव अधूरा रहता है। उन्होंने कहा कि किस्को प्रखंड के परहेपाट में संचालित आश्रम विद्यालय इस क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वद्यार्थियों और स्कूल के विकास को लेकर हर वक्त सकारात्मक पहल करने का प्रयास करेंगे।

चप्पे-चप्पे पर की गई थी सुरक्षा व्यवस्था : लोहरदगा जिला अंतर्गत किस्को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत परहेपाट आश्रम विद्यालय में बनने वाली ऑडोटोरियम भवन का शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे वित्त मंत्री डॉक्टर रामेश्वर उरांव और सांसद सुदर्शन भगत के आगमन पर सुरक्षा व्यवस्था की कमान इंस्पेक्टर मंटू कुमार और किस्को थाना प्रभारी पॉलीकार्प टोप्पो के द्वारा संभाली गई थी। इस दौरान कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की कोई चूक न हो इसे लेकर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि परिंदा भी पर नहीं मार सके।

कार्यक्रम में इन्होंने की शिरकत : किस्को प्रखंड के परहेपाट आश्रम विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अशोक यादव, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, भाजपा नेता सह पूर्व एमएलसी प्रवीण कुमार सिंह, माटी कला बोर्ड के पूर्व चेयरमैन श्रीचंद प्रजापति, कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष हाजी सकील अहमद, भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव, जिप सदस्य संदीप गुप्ता, बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, बीस सूत्री उपाध्यक्ष पुनिता उरांव, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष युनूस अंसारी, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार साहु, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजमोहन राम, भाजपा मीडिया प्रभारी पशुपति नाथ पारस, कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता शेख सादिक, कबीर अंसारी, राजेंद्र यादव, कामिल तोपनो, शिक्षक मोकिम अंसारी सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुस्तकालय भवन बहुत बड़ी उपलब्धि : सांसद

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा लोकसभा सांसद सुदर्शन भगत शनिवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए । किस्को प्रखंड अंतर्गत परहेपाट आश्रम विद्यालय में एडिटोरियम भवन का शिलान्यास , ईवीएम भवन का सदर प्रखंड कार्यालय के समीप उद्घाटन ,नदिया हिंदू हाई स्कूल लोहरदगा के सामने न्यू पुस्तकालय भवन निर्माण का उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि विशेष केन्द्रीय सहायता राशि से निर्मित पुस्तकालय भवन शिक्षा जगत में बहुत बड़ी उपलब्धि है आज की वर्तमान समय में विद्यार्थियों को पुस्तकालय से भी जोड़ना उतनी ही आवश्यक है जितना डिजिटल माध्यम से अध्ययन । केंद्र की सरकार मोदी जी ने शिक्षा के क्षेत्र स्वयं लगातार संस्थान एवं जुड़ी माध्यम को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहे है। इसी प्रकार अन्य योजनाओं में केंद्र सरकार राज्य सरकार को सदैव सहायता करती रही है । इसलिए हमें स्थानीय स्तर पर हमारी जिम्मेदारी है कि योजनाओं को धरातल पर शुद्ध रूप से भ्रष्टाचार मुक्त बनाते हुए जनहित में बहाल करें। मौके पर साथ में उपस्थित पूर्व विधान पार्षद प्रवीण सिंह पूर्व माटी कला बोर्ड अध्यक्ष श्रीचंद प्रजापति, जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष राजमोहन राम, जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा, जगनंदन पौराणिक, पशुपतिनाथ पारस, मनिष शिखर, सज्जन कुमार, सूरज दसोंधी, दुखहरण साहू, प्रकाश नायक, मुकेश साहू, मदन साहू, मुन्नीलाल उरांव, अखज प्रजापति आदि मौजूद रहे।

NEWS इन ब्रीफ

2000 के नोट बैंकों में वापस आने से बढ़ा डिपॉजिट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक का 2000 रुपए के नोट को सकुर्लेशन से बाहर करने का फैसला देश के बैंकों के लिए डिपॉजिट बढ़ाने वाला साबित हुआ है। आरबीआई ने 23 मई से 2000 रुपए के नोट वापस लेने या बैंक खातों में जमा कराने के लिए कहा था जिसके बाद बैंकों के पास भारी संख्या में 2000 रुपए के नोट आ रहे हैं। इसे ही लेकर बड़ा आंकड़ा सामने आया है। 2 जून को खत्म हुए पखवाड़े में कमर्शियल बैंकों द्वारा 2000 रुपए के नोटों की शक्ल में जमा की गई करेंसी 3.26 लाख करोड़ रुपए बढ़कर रही है। इसके दम पर बैंकों का डिपॉजिट 187.02 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है और ये काफी बड़ा आंकड़ा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के वीकली स्टेटिस्टकल सप्लीमेंट में ये डेटा दिया गया है।

मणप्पुरम फाइनेंस पर 20 लाख का जुर्माना

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक कंपनी पर बड़ा जुर्माना लगया है। यह कंपनी लोगों को कर्ज देने का काम करती है। आरबीआई ने नियमों के उल्लघंन को लेकर ये जुर्माना लगया है। केंद्रीय बैंकों का कहना है कि त्रिशूर स्थित गोल्ड लोन कंपनी पर यह जुर्माना विनियामक अनुपालन में कमियों के कारण लगाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मणप्पुरम फाइनेंस पर 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने एनबीएफसी नियमों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने पर 20 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इसका मतलब किसी ट्रांजेक्शन को प्रभावित करना नहीं है। वहीं किसी डील पर भी इसका असर नहीं होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मार्च 2021 तक कंपनी की वित्तीय स्थिति की जांच के लिए निरीक्षण किया था। इसके बाद कंपनी की स्थिति के बारे में पूरी रिपोर्ट तैयार की थी और दिशा-निर्देश दिया था। इसी के तहत नियमों का उल्लघंन भी पाया गया, जिस कारण कंपनी पर केंद्रीय बैंक ने जुमार्ना लगाया। वहीं बैंक ने कंपनी को 90 दिनों से अधिक बकाया चल रहे गोल्ड लोन अकाउंट को अलग करने के लिए भी कहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कंपनी ने 2011 के दौरान से ही कुछ अकाउंट्स में अनिवार्य लोन से लेकर अमाउंट तक के रख-रखाव को भी सुनिश्चित नहीं किया है। साथ ही कई और गड़बड़ियां रिजर्व बैंक को मिली हैं। आरबीआई ने कहा कि ये कार्रवाई कंपनी के असंतोष प्रतिक्रिया पर आधारित है।

अडाणी ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म को खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप एक और बड़ी डील करने जा रहा है। पहले से ही पोर्ट और एयरपोर्ट पर दबदबा रखने वाले गौतम अडाणी अब रेलवे का रुख कर रहे हैं। उद्योगपति गौतम अडाणी अब रेलवे सेक्टर में भी धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं। अडाणी ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म को खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। मौजूदा वक्त में देश की सबसे बड़ी पोर्ट और एयरपोर्ट ऑपरेटर करने वाले अडाणी ग्रुप ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज रेल टिकट बुकिंग सेगमेंट में बड़ा निवेश करने जा रही है। अडाणी ग्रुप ने रेलवे सेक्टर में अपना सिक्का जमाने की बड़ी शुरूआत ऑनलाइन रेलवे टिकट बुकिंग के जरिए की है।

सिंगापुर एयरलाइंस एयर इंडिया में नहीं बढ़ायेगी हिस्सेदारी

एजेंसी। नई दिल्ली

टाटा की एयरलाइन एयर इंडिया में हिस्सेदारी बढ़ाने की खबरों को सिंगापुर एयरलाइंस ने सिरे से खारिज कर दिया है। सिंगापुर एयरलाइंस ने कहा कि हमने 25.1% से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं बढ़ाई है और ना ही ऐसा कोई इरादा है। मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि सिंगापुर एयरलाइंस ने धीरे-धीरे एयर इंडिया में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा 25.1% से बढ़ाकर लगभग 40% करने की इच्छा व्यक्त की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा समूह ने इस संबंध में शुरूआती बातचीत की है। यह प्रस्ताव अभी भी एक प्रारंभिक चरण में है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एयर इंडिया इस तरह के कदम का स्वागत कर सकती है क्योंकि इसे घरेलू बाजार में मार्केट लीडर इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड) के अलावा ग्लोबली कॉम्पिटिटर से टक्कर लेने के लिए सिंगापुर एयरलाइंस की विशेषज्ञता की जरूरत होगी।

जीएसटी में फर्जीवाड़ा ने सरकार की बढ़ाई परेशानी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में जीएसटी कलेक्शन जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से जीएसटी से जुड़ी फर्जीवाड़ा भी सामने आ रहे हैं। बीते दिनों नोएडा और देश के विभिन्न हिस्सों से फर्जी कंपनियों द्वारा जीएसटी का फर्जी रजिस्ट्रेशन कर सरकार को चूना लगाने के मामले सामने आए हैं। जीएसटी प्रशासन ने हाल ही में हजारों फर्जी कंपनियों का भंडाफोड़ किया है। इतनी बड़ी संख्या में हो रहे जीएसटी फर्जीवाड़े पर सरकार अब अलर्ट मोड में आ गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर अधिकारियों को प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से माल एवं सेवा कर पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक मजबूत बनाने के लिए कहा। सीतारमण ने जीएसटी के फर्जी पंजीकरण और गलत बिल बनाने को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में कर अधिकारियों को यह निर्देश दिया। वित्त मंत्री के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा, निर्मला सीतारमण ने निर्देश दिया कि जीएसटी पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसी फर्जी फर्मों का प्रवेश रोकने के लिए जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया को प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से अधिक मजबूत किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने नकली फर्मों को खत्म करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के उद्देश्यों के बारे में बताने के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का आह्वान किया। इस विशेष अभियान के तहत कर अधिकारियों ने 11,140 फर्जी जीएसटी पंजीकरणों को चिह्नित किया है। दो महीने के विशेष अभियान के तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। समीक्षा बैठक में राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और सीबीआईसी के चेयरमैन विवेक जौहरी भी शामिल हुए।

स्कूल पर आतंकियों का हमला 38 छात्रों समेत 41 की हुई मौत

एजेंसी। कंपाला

युगांडा में आईएसआईएस से जुड़े आतंकी समूह ने एक स्कूल पर हमला कर दिया। इस हमले में 38 छात्रों समेत 41 लोगों की मौत हो गयी। आठ लोगों के घायल होने की जानकारी भी साने आई है। पश्चिमी युगांडा के मपांडवे कस्बे में आईएसआईएस से जुड़े अलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स के बंदूकधारियों ने एक स्कूल पर हमला कर दिया। हमले में 41 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से 38 छात्र थे। आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। जिस जगह हमला हुआ, वह क्षेत्र कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की सीमा से जुड़ा है। मपांडवे के लुबिरिरा सेकंडरी स्कूल के छात्रावास में बच्चे, शिक्षक व अन्य कर्मचारी मौजूद थे, उसी समय अचानक हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। इन लोगों ने स्कूल के छात्रावास में आग भी लगा दी। युगांडा पुलिस के प्रवक्ता फ्रेड इनांगा ने बताया कि हमलावरों ने छात्रावास फूंक दिया और स्कूल के भोजनालय व उसके भंडार कक्ष को लूट लिया। स्कूल से बच्चों के शव निकाले जा रहे हैं। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को बवेरा अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

एथेंस : जहाज डूबने से करीब 500 लोग लापता: यूनान के तट पर 14 जून को सैकड़ों प्रवासियों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव के डूब जाने के बाद करीब 500 लोग अब भी लापता हैं। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने यह जानकारी दी है।

वित्त वर्ष में अब तक का रिकॉर्ड लाभांश

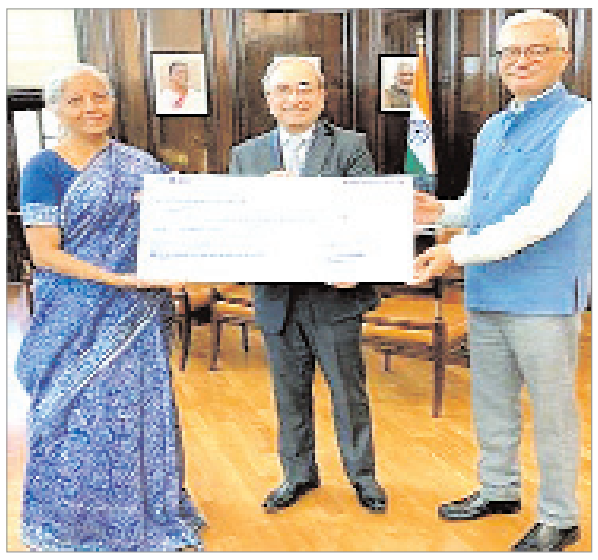

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 का डिविडेंड दे दिया है। विगत शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस डिविडेंड का चैक सौंपा गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से एसबीआई चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने बीते कल 5740 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा। खास बात ये रही कि ये अभी तक का सबसे बड़ा डिविडेंड है। वित्त मंत्री के ऑफिस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस आशय का ट्वीट किया गया। ट्वीट में लिखा गया कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 5740 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक प्राप्त किया गया। ये भारत सरकार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से किसी भी वित्त वर्ष के लिए दिया गया अभी तक का सबसे ज्यादा डिविडेंड है। ये डिविडेंड चेक दिनेश कुमार खारा की ओर से लिया गया। इस मौके पर वित्त मंत्री, एसबीआई चेयरमैन के साथ वित्त सेवा सचिव विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। एसबीआई ने 11.30 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (1130 फीसदी) के डिविडेंड का ऐलान 31 मार्च 2023 को किया था। देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर के बैंक एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष 17,648.67 करोड़ रुपए बतौर टैक्स भी सरकार को दिया है। एफवाई 2023 में स्टेट बैंक की रिकॉर्ड कमाई हुई। पूरे वित्त वर्ष में उसका नेट प्रॉफिट 50232 करोड़ रुपए का रहा। पहली दफा इसने 50 हजार करोड़ का आंकड़ा पार किया है। सालाना आधार पर इसमें 58.5 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। एफवाई 23 का ऑपरेटिंग प्रॉफिट सालाना आधार पर 11.18 फीसदी उछाल के साथ 83713 करोड़ रुपए रहा। एनआईएल यानी नेट इंटरेस्ट इनकम में सालाना आधार पर 19.99 फीसदी की तेजी रही। असेट क्वॉलिटी में भी सुधार आया है। एफवाई 23 में ग्रॉस एनपीए 119 बेसिस प्वाइंट्स घटकर 2.78 फीसदी रहा।

OFFICE OF THE SUPERINTENDENT OF POLICE, LOHARDAGA

Very Short Notice Inviting Tender (NIT): Supply & establishment of training centre of lohardaga district police.

Sl No.	Information	Details
1	Name of the work	Jungle Warfare Training Development Centre at Police Line
2	Period of Work	15 days
3	Date of Publication of Bid	18-06-2023
4	Earnest Money to be Deposited (EMD)	Rs.25,000 in the form of DD (Valid for at least 3 months from the last date of submission of the bid) in favor of Superintendent of Police, Lohardaga
5	Last date and time of receipt of Bid	24-06-2023 till 01:00pm
6	Date and time of opening of Bid	24-06-2023 at 01:30pm
7	Bid submission Place	Office of the Superintendent of Police, Lohardaga
8	Bid Opening Place	Office of the Superintendent of Police, Lohardaga
9	Tentative cost of Bid	Related information can be inquired from office

Previous Advt. ID- 282769Dt. 24.04.2023 has been rejected. Due to some technical issues.

Superintendent of Police, Lohardaga

PR 300378 Lohardaga(23-24)D

कार्यालय
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 610 दिनांक 27.05.2020 के आलोक में लोहरदगा जिला के मत्स्य कृशकों एवं मत्स्य पालकों को रोजगार के रूप में अपनाने हेतु सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारत सरकार के मात्स्यिकी, पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग के द्वारा नई योजना प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है ।

उक्त योजना का मुख्य लक्ष्य मछली उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि तकनीकी, आधारभूत संरचना तथा मात्स्यिकी प्रबंधन द्वारा आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाना है । इस योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यकम लाभुक जनित है तथा इसमें केन्द्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त की राशि लाभुक अंशदान के रूप में लाभुक द्वारा स्वंय वहन किया जाना है । लाभुक जनित योजनाएँ निम्नांकित है :–

क्र0	योजना का नाम	ईकाई	ईकाई लागत (लाख में)	सरकार का अनुदानित राशि	
				सामान्य जाति (40%)	ST/SC/ Women (60%)
1	कार्प हैचरी अधिष्ठापन कार्य	(सं0में)	25.00	10.00	15.00
2	स्कैम्पी हैचरी अधिष्ठापन कार्य	(सं0में)	50.00	20.00	30.00
3	नये रियरिंग तालाब निर्माण (नर्सरी/बीज रियरिंग तालाब)	(हे0में)	7.00	2.80	4.20
4	नये ग्रो आउट तालाब निर्माण	(हे0में)	7.00	2.80	4.20
5	मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस एवं तिलापिया पालन के लिए इनपुट (उपरोक्त अंकित नये ग्रो तालाबों में)	हे0में	4.00	1.60	2.40
6	बायोफ्लोक तालाब का निर्माण (04 लाख प्रति हे0 इनपुट सहित)	0.1 हे0	14.00	5.60	8.40
7	जलाशय में अंगुलिकाओं का संचयन @1000 अंगुलिकाएँ प्रति हे0 (3.00 लाख/एक लाख अंगुलिकाएँ हेतु)	हे0में	Rs @03/ Fingerling	Rs.@1.20/ Fingerling	Rs. @1.80/ Fingerling
8	बैकयार्ड सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछली की रियरिंग इकाई	सं0में	3.00	1.20	1.80
9	मध्यम् आकार के सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई	सं0में	8.00	3.20	4.80
10	समेकित सजावटी/रंगीन/अलंकारी मत्स्य इकाई (ब्रिडिंग एवं रियरिंग)	सं0में	25.00	10.00	15.00
11	मीठे जल हेतु सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछलियों के ब्रुड बैंक की स्थापना	सं0में	100.00	40.00	60.00
12	मात्स्यिकी संबंधी मनोरंजक मत्स्य गतिविधियों को प्रोत्साहन (Promotion of Recreational Fisheries)	सं0में	50.00	20.00	30.00
13	बड़े आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 90 घनमीटर प्रति क्षमता वाले 08 टैंक एवं 40 टन/कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)	सं0में	50.00	20.00	30.00
14	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उचाई के 50 टैंक वाले बड़े बायोफ्लॉक की स्थापना	सं0में	50.00	20.00	30.00
15	मध्यम् आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 30 घनमीटर प्रति क्षमता वाले 06 टैंक एवं 10 टन/कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)	सं0में	25.00	10.00	15.00
16	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उचाई के 25 टैंक वाले मध्यम् बायोफ्लॉक की स्थापना	सं0में	25.00	10.00	15.00
17	छोटे आकार आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 100 घनमीटर प्रति क्षमता वाले 01 टैंक)	सं0में	7.50	3.00	4.50
18	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उचाई के 07 टैंक वाले छोटे बायोफ्लॉक की स्थापना	सं0में	7.50	3.00	4.50
19	बैकयार्ड मिनी आर0एफ0एफ0(रिसर्कुलेट्री एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना	सं0में	0.50	0.20	0.30
20	जलाशयों में केज की अष्ठिापन	सं0में	3.00	1.20	1.80
21	आर0एफ0एफ0/पेन कल्चर द्वारा मत्स्य पालन	हे0में	3.00	1.20	1.80
22	शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज/बर्फ प्लांट निर्माण (10 टन क्षमता)	सं0में	40.00	16.00	24.00
23	शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज/बर्फ प्लांट निर्माण (20 टन क्षमता)	सं0में	80.00	32.00	48.00
24	शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज/बर्फ प्लांट निर्माण (30 टन क्षमता)	सं0में	120.00	48.00	72.00
25	शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज/बर्फ प्लांट निर्माण (50 टन क्षमता)	सं0में	150.00	60.00	90.00
26	शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) बर्फ प्लांट का आधुनिकीकरण	सं0में	50.00	20.00	30.00
27	रेफ्रीजरेटेड वाहन	सं0में	25.00	10.00	15.00
28	इनसुलेटेड वाहन	सं0में	20.00	8.00	12.00
29	आईस बॉक्स के साथ मोटर–साईकिल,	सं0में	0.75	0.30	0.45
30	आईस बॉक्स के साथ साईकिल	सं0में	0.10	0.04	0.06
31	मछली बिक्री के लिए आईस बॉक्स के तीन पहिया वाहन (ई–रिक्शा भी)	सं0में	3.00	1.20	1.80
32	जीवित मछली बिक्री केन्द्र	सं0में	20.00	8.00	12.00
33	लघु फीश फिड मिल (प्रतिदिन 02 टन उत्पादन क्षमता)	सं0में	30.00	12.00	18.00
34	मध्यम् फीश फिड मिल (प्रतिदिन 08 टन उत्पादन क्षमता)	सं0में	100.00	40.00	60.00
35	वृहत् फीश फिड मिल (प्रतिदिन 20 टन उत्पादन क्षमता)	सं0में	200.00	80.00	120.00
36	फीश फिड प्लांट (प्रतिदिन 100 टन उत्पादन क्षमता)	सं0में	650.00	260.00	390.00
37	खुदरा मछली बाजार का निर्माण (सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम बाजार सहित)	सं0में	100.00	40.00	60.00
38	फीश कियोस्क का निर्माण (सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम सहित)	सं0में	10.00	4.00	6.00
39	मछली के मूल्य सर्वधित उत्पाद की ईकाई (फीश वैल्यू एडेड इन्टरप्राइजेज)	सं0में	50.00	20.00	30.00
40	मछली एवं मछली के उत्पादों की ई–ट्रेडिंग एवं ई–बाजार हेतु ई–प्लेटफॉर्म	DPR/SCP पर आधारित			
41	फीश डिजिज डायगोनेस्टीक एवं क्वालिटी टेस्टींग मोबाइल लैब/क्लीनिक (मछली बिमारी की पहचान एवं गुणवत्ता परखने हेतु प्रयोगशाला की स्थापना)	सं0में	25.00	10.00	15.00
42	फीश डिजिज डायगोनेस्टीक एवं क्वालिटी टेस्टींग मोबाइल लैब/क्लीनिक (मछली बिमारी की पहचान एवं गुणवत्ता परखने हेतु चंलन्त प्रयोगशाला/क्लीनिक)	सं0में	35.00	14.00	21.00
43	Traditional Fisherman नाव तथा जाल के क्रय हेतु सहयोग	सं0में	5.00	2.00	3.00
44	प्रसार एवं सहयोग सेवाएँ (मत्स्य सेवा केन्द्र)	सं0में	25.00	10.00	15.00
45	Bivalve Cultivation (Pearl Culture) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किए जाने पर	सं0में	0.20	0.08	0.12
46	आर्थिक रूप से कमजोर पारम्परिक मछुआर्रो हेतु मछली शिकारमाही पर प्रतिबंध के समय आर्थिक सहयोग	सं0में	केन्द्रांश – 1500 रू0 + राज्यांश – 1500 + लाभुक का अंशदान – 1500 = 4500 रू0 प्रति वर्ष		
47	मछुआर्रो का बीमा	सं0में	बीमित द्वारा कोई प्रीमियम देय नहीं		

नोट– लाभुकों को अपने आवेदन में अंकित परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रस्ताव (**DPR**) अपने खर्च पर बनवाकर जमा करना होगा ।

उक्त योजना के अन्तर्गत लाभ लेने हेतु लोहरदगा जिला के मात्स्यिकी से जुड़े कृशकों अथवा मात्स्यिकी से जुड़ने हेतु इच्छुक व्यक्तियों के लिए जिला मत्स्य कार्यालय, लोहरदगा में आवेदन 15.07.2023 तक आमंत्रित किये जाते है । आवेदन का प्रपत्र कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है ।

NOTE : - प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना केन्द्र प्रायोजित योजना है, जिसमें योजना की ईकाई लागत में लाभुक को अंशदान पूर्व व्यय किया जाना है, उसके पश्चात् ही अनुदान की राशि भुगतान किया जाएगा । इस हेतु आवेदक/लाभुक को शपथ–पत्र देना होगा कि अपना अंशदान लगाने में सक्षम हूँ ।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
लोहरदगा

PR 300373 (Lohardaga)23-24*D

झारखण्ड सरकार

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, पलामू

भर्ती कैम्प सूचना

जिला नियोजन (रोजगार) कार्यालय, पलामू के द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर सुगमता से प्रदान करने हेतु दिनांक 23/06/2023 दिन शुक्रवार को जिला नियोजन कार्यालय परिसर, पलामू में 11:00 बजे (पूर्वा0) से 3:00 बजे (अप0) तक एक दिवसीय भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्न नियोजक के द्वारा उपस्थित रहने की सहमति जताई है :–

S. No.	Company Name	Name of the Post	Category	No. of Vacancy	Qualification	Age	Salary	Work Location
1		Svatantra Field Officer		100	12th		8500	
2	Svatantra Micro Finance Pvt. Ltd.	Collection Officer	Male	25	12th	18-28	8500	Within the State
3		Svatantra Risk Officer		10	Graduation		14000	

भर्ती कैम्प में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक का झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना आवश्यक है। आवेदक अपने सभी शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो, नियोजनालय का निबंधन कार्ड एवं अपना बायोडाटा एवं स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र (न्यूनतम अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत) के साथ भर्ती कैम्प में भाग लें। इन रिक्तियों के विरूद्ध भर्ती कैम्प के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। नियोजनालय एवं विभाग मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है। कैम्प में Covid SOP का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

नोट :– रिक्ति संबंधित विशेष जानकारी हेतु जिला नियोजन कार्यालय, पलामू से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी
पलामू

PR 300353 District (23-24)_D

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, चतरा

मत्स्य पालकों के लिए सुनहरा अवसर

अनुदान पर फ्लोटिंग फिश फीड

एतद् द्वारा चतरा जिला के स्थानीय मत्स्य कृषकों/मछुआरों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 में विभागीय राज्यादेश सं0 07, दिनांक 13.06.2023 के आलोक में "फीड बेस्ड फिशरीज" योजना (आहार आधारित मछली पालन) से तालाब में मछली उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए मत्स्य कृषकों को प्रति किलोग्राम 50 प्रतिशत अधिकतम अनुदान पर फ्लोटिंग फिश फीड(मछली का आहार) उपलब्ध कराया जाएगा।

क्र0 सं0	योजना का नाम	अनुदान हेतु अधिकतम फीड के क्रय की मात्रा	प्रति कि0ग्रा0 अनुदान की राशि	अधिकतम अनुदान की राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	2 mm. अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड	700 कि0ग्रा0	18/– प्रति कि0ग्रा0	12600/–	लाभुक द्वारा खुले बाजार से क्रय कर GST बिल कार्यालय की उपलब्ध कराया जायेगा। अनुदान की राशि लाभुक के खाते में डी0बी0टी0 की जायेगी।
2	2mm से बडे 4mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड	–	22/– प्रति कि0ग्रा0	–	विभाग द्वारा स्थापित फिश फीड मिल अथवा झास्कोफिश से उत्पादित फिश फीड अथवा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत सरकारी अनुदान से स्थापित फिश फीड मिल से उत्पादित फीड पर ही यह लाभ कृषकों को फीड के रूप में ही दिया जाएगा।

(नोट : 1. खुले बाजार को फैक्ट्री उत्पादित फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड का क्रय किसी भी मान्यता प्राप्त अधिकतम विक्रेता से किया जा सकता है, परन्तु अधिकृत विक्रेता जिनसे फैक्ट्री उत्पादित फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड का क्रय किया जा रहा है, के पास GST In No. होना अनिवार्य है।

2. यह योजना पहले आओ, पहले पाओं के आधार पर संचालित है। किसी भी कार्य दिवस में आवेदन को जिला मत्स्य कार्यालय, चतरा में जमा किया जा सकता है।

उप मत्स्य निदेशक,
मत्स्य कार्यालय, चतरा

PR 300355Fish(23-24)#D

एक नजर इधर भी

आपदा प्रबंधन की बड़ी सफलता

देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंधन होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। केन्द्र व राज्यों की सरकारों, देश की आपदा प्रबंधन टीम, मौसम विज्ञानियों, तटरक्षक बल टीम व इस अभियान से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से जुड़े सभी के समग्र प्रयासों से अरब सागर पर आये सुपर साइक्लोन बिपरजॉय को गुजरात के लैंड फॉल के दौरान बिफरने से इस तरह बचा लिया कि देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंधन होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कुदरती आफत को रोका तो नहीं जा सकता पर पूर्व व योजनावद्ध तैयारी से हानि को कम से कम स्तर पर लाया जा सकता है। बिजली की खंभे गिर जाना, टीन टप्पर उड़ जाना, पेड़ गिर जाना आदि नुकसान तो होना ही है पर नुकसान को कम से कम स्तर पर लाना और तात्कालिक राहत की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। हांलाकि अब गुजरात और राजस्थान में तेज बरसात का दौर चल गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार लैंड फॉल के बाद केवल दो की मौत के समाचार है। हांलाकि जनहानि एक भी होती है तो उसे स्वीकार्य नहीं माना जा सकता पर जिस तरह से इस चक्रवात के सजीव प्रसारणों के दौरान कुछ लोगों को लाख समझाइश के बाद भी लापरवाही से घूमते हुए देखा गया वह किसी दण्डनीय अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। जिस तरह से बिपरजॉय को लेकर समूचा देश चिंता ग्रस्त रहा उसे देखते हुए और तूफान की भयावहता के बावजूद जिस तरह से मौसम विज्ञानियों की मिनट टू मिनट आकलन सटीक रहा वह मौसम विभाग की भविष्यवाणियों को लेकर अभी तक चली आ रही सभी नकारात्मकता को धो कर रख दिया है। मौसम विभाग ने समय और गति का जिस तरह से आकलन किया वह लगभग खरा उतरा है और हमारे मौसम विज्ञानियों के आकलन ने विश्वस्तर पर लोहा मनवा दिया है। कच्छ में कितना नुकसान? गृह मंत्री करेंगे प्रभावित क्षेत्रों का दौरा, जानें पूरा कार्यक्रम 14 जून को आया बिपरजॉय तूफान अब समुद्री रास्ता तय करने के बाद गुजरात और राजस्थान की जमीं पर तेज हवा और बरसात के माध्यम से दो तीन दिन तक अपना असर दिखायेगा। केन्द्र के साथ ही गुजरात और राजस्थान सरकार हालात से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह मानके चलना चाहिये कि इससे जनहानि तो नहीं ही होगी। दरअसल एक समय था जब अरब सागर इस तरह के समुद्री तूफानों का केन्द्र लगभग नहीं के बराबर ही रहता था। पर अब अरब सागर में तूफानी गतिविधियां अधिक होने लगी है। मौसम विज्ञानियों की माने तो अरब सागर क्षेत्र में बढ़ते तापमान से चक्रवातों की तीव्रता और बारबारिता में बढ़ोतरी हुई है। 7516 किमी लंबें तटीय क्षेत्र 8 प्रतिषत उष्ण कटीबंधीय चक्रवात भारत में आ रहे हैं। अरब सागर में आने वाले चक्रवातों से 9 प्रदेशों के 82 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ ही अरबसागरीय तूफान का असर पाकिस्तान और यमन ओमान तक देखा जा सकता है। अरब सागर के यह चक्रवाती तूफान भी देखा जाए तो मई जून यानी की मानसून के आसपास ही देखे गये है। बिपरजॉय को लेकर इसलिए अधिक चिंता और गंभीरता रही कि गुजरात में 1996 और 1998 में आये चक्रवाती तूफानों खासतौर से 1998 के टाइफून के दौरान जिस तरह से पोर्ट के इर्दगिर्द हजारों की संख्या में लोगों की मौत और गुम होने का दंश आज भी गुजरात के लोग सह रहे हैं।

■ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सभी के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवा

स्वास्थ्य वास्तव में एक आवश्यक स्तंभ है। यह वाक्य यह रेखांकित करता है कि अगले 25 वर्षों में भारत की विकास यात्रा पर विचार करें तो सरकार और निजी स्वास्थ्य सेवा के दिग्गजों को किस विषय पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिससे दुनिया का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश भारत, विश्व के सबसे समृद्ध देश के रूप में प्रतिस्थापित हो सके। देश में रोग और मृत्यु दर में कमी लाई जा सके और 1.43 बिलियन लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। किसी व्यक्ति के अच्छे स्वास्थ्य, धनोपार्जन की क्षमता और देश की आर्थिक समृद्धि के बीच संबंध को नकार नहीं सकते है। भारत, समान विकास पर आधारित 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कार्यशील है, बदलती जनसांख्यिकी, जीवन शैली, बदलते वायरस, कोविड-19 जैसी महामारियों और जलवायु संकट से उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए उसे एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत को स्वास्थ्य के क्षेत्र की पारंपरिक चुनौतियों जैसे अंतर-राज्य और शहरी-ग्रामीण असमानताओं, रोगियों की तुलना में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी और टियर-1, 2 और 3 शहरों में अस्पताल सेवाओं में कमी के अंतराल से निपटने के तरीके भी तलाशने होंगे। इस संदर्भ में, सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक सभी की पहुंच बना कर, भारत प्रतिष्ठा के एक नये आयाम तक पहुंच सकता है। इस दिशा में, भारत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के अंतर्गत नई योजनाओं के साथ स्वास्थ्य सेवा और उपलब्धता सुधारने में काफी प्रगति की है। सरकार ने डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान देने और उसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से और स्वास्थ्य सेवाओं को कोने कोने तक ले जाने के उद्देश्य से इन योजनाओं का शुभारंभ किया गया है। उदाहरण के लिए, 1.5 लाख से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और वैलनेस केंद्रों की स्थापना की गई है और 700 से अधिक जिलों में 9,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों का एक नेटवर्क तैयार किया गया है जिनमें गुणवत्ता पूर्ण जेनेरिक दवाएं रखी गई हैं। लेकिन सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की दिशा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहल आयुष्मान भारत पीएम-जन आरोग्य योजना है। इसमें भारत के सर्वाधिक 40 प्रतिशत गरीब लोगों सहित लगभग 55 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये की राशि अस्पताल के खर्च को पूरा करने के लिए दी जाती है। निजी क्षेत्र द्वारा समर्थित, यह योजना सुनिश्चित करती है कि अत्याधुनिक उपचार की जरूरत वाले रोगी इससे लाभान्वित हो सकें। भले ही हमने कोविड-19 महामारी से निजात पाई हो लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त बोझ का डर हमें परेशान करता रहेगा। लंबे समय तक कोविड की स्थिति, गैर-संचारी रोगों में वृद्धि, उपचार में देरी और कोविड के कारण बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति - ये सभी कारक निकट भविष्य में आर्थिक बोझ का कारण बनने की संभावना रखते हैं। यह विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी गांवों में रहता है, जहां प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नेटवर्क, मेडिकल कॉलेजों और उनकी सीटों में वृद्धि के बावजूद, डॉक्टर और रोगी के बीच का अनुपात पर अभी काम चल रहा है। भारत में डिजिटल नवाचार - महामारी की शुरूआत से बहुत पहले से ही स्वास्थ्य सेवाओं में मददगार रहे हैं। सरकार के टेलीमेडिसिन ऐप ई-संजीवनी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श करने की दूरी को समाप्त कर दिया है और शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट दिया है। अपने लॉन्च के तीन साल से भी कम समय में, इसने 10 करोड़ से अधिक लोगों की मदद की है। निजी क्षेत्र ने भी अंतिम छोर की खाई को पाटने और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को मिटाने के लिए कई पहल की हैं। टेलीमेडिसिन के अतिरिक्त, इसका उपयोग दूर-दराज के क्षेत्रों में रोगियों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराने और उनके उपचार की देखरेख करने में किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं ने दूरस्थ महत्वपूर्ण देखभाल सेवाएं (ई-आईसीयू) भी शुरू की हैं। नेशनल हेल्थ स्टैक और नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन जैसी सरकारी पहलों ने एक एकीकृत और निर्बाध स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली के विकास के लिए मजबूत नींव बनाई है जो तृतीयक देखभाल प्रदाताओं को प्रभावी, कुशल और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में मदद करती है। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या और डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली को सक्रिय रूप से अपनाने के साथ, वंचित और हाशिए वाले समुदायों के बीच कम लागत पर स्वास्थ्य देखभाल उपलब्धता और गुणवत्ता में असमानताओं को कम कर रहे हैं। ये रोग की रोकथाम और प्रारंभिक लक्षणों को पहचाने में सक्षम हैं। यह उपकरण बीमारी के दीर्घकालिक बोझ और लागत को कम करने में मदद कर सकते हैं और आबादी के समग्र कल्याण में बेहतर योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डिजिटल स्वास्थ्य समाधान बड़े पैमाने पर डेटा संग्रह और विश्लेषण करने में मददगार हो सकते हैं, जिससे यह जन स्वास्थ्य उपायों और नीतियों के बारे में जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। यह सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को रोग नियंत्रण, प्रकोप प्रबंधन और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए साक्ष्य-आधारित रणनीतियों को विकसित करने में सक्षम बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, इनसे रोगों की स्थिति पर नजर रखने में मदद मिल सकती है, जिससे उभरते स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान में सहायता और उचित तकनीक विकसित करने में मदद मिल सकती है। सरकारी कार्यक्रम और निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की संलग्नता और डिजिटल स्वास्थ्य समाधान मिलकर सबके लिए सस्ती स्वास्थ्य देखभाल को पुर्नपरिभाषित करते हैं ताकि एक समन्वित प्रणाली प्रस्तुत कर सके। इससे न केवल सफलता तक पहुंच सुनिश्चित होती है बल्कि उपचार की लागत में भी कमी होती है और रोग नियंत्रण में सक्रिय योगदान मिलता है।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मेदांताहार्ट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम

देश में रोग और मृत्यु दर में कमी लाई जा सके और 1.43 बिलियन लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। किसी व्यक्ति के अच्छे स्वास्थ्य, धनोपार्जन की क्षमता और देश की आर्थिक समृद्धि के बीच संबंध को नकार नहीं सकते हैं।

इन दिनों

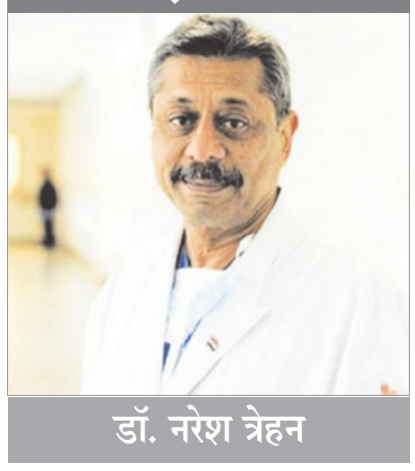

डॉ. नरेश त्रेहन

वीरोचित भाव जगाये मातृशक्ति

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मन-मस्तिष्क में रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवनकाल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उन्हें अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाय। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रूप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की। जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। 27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अपनी छोटी-सी सशस्त्र सेना से अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। रानी ने खुलेरूप से शत्रु का सामना किया और युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया। वे अकेले ही अपनी पीठ के पीछे दामोदर राव को कसकर घोड़े पर सवार हो, अंग्रेजों से युद्ध करती रहीं। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं। उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गये, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। रानी का घोड़ा बुरी तरह घायल हो गया और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ, लेकिन रानी ने साहस नहीं छोड़ा और शौर्य का प्रदर्शन किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, वानपुर के राजा मर्दनसिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय का नहीं था, अपनी शक्ति को सुसंगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था। इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने ग्वालियर का किला घमासान युद्ध करके अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून, 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंततः उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की अंतिम आहुति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया। **(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

■ डॉ. वंदना सेन

है न विचित्र बात !

अभिनय के पहले मोती

हिंदी सिनेमा के इतिहास में नैसर्गिक अभिनय यानी स्वाभाविक अभिनय के लिए सबसे पहले याद किये जाने वाले अभिनेता मोतीलाल हैं। इसके बाद की कड़ी में अशोक कुमार, बलराज साहनी और संजीव कुमार के नाम लिए जाते हैं। मोतीलाल की विशेष पहचान फेल्ट हैट, भड़कीले कपड़े,चमचमाते जूते, मस्त चाल-ढाल, शाही अंदाज, नफासत से भरे हाव-भाव आदि थे। मोतीलाल ने अस्सी से अधिक फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शुरू में नायक और फिर चरित्र अभिनेता के रूप में उनकी यादगार फिल्में हैं- अनाड़ी, पैगाम, लीडर,परख और जागते रहो। चार दिसंबर, 1910 को शिमला में जन्मे मोतीलाल का परिवार दिल्ली का रहने वाला था। वह एक साल के थे, जब उनके पिता का निधन हो गया। उनके पिता शिक्षा विभाग में थे। उनका पालन-पोषण उनके चाचा ने किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा शिमला, उत्तर प्रदेश और आगे की पढ़ाई दिल्ली में हुई। अपनी जवानी के दिनों में वे नेवी में नौकरी करने के इरादे से बंबई आए, लेकिन ठीक परीक्षा के दिन बीमार हो गये और परीक्षा नहीं दे पाये। इसी दौरान एक दिन वे सज-धज कर शूटिंग देखने सागर स्टूडियो जा पहुंचे। वहां निर्देशक काली प्रसाद घोष किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। युवा मोतीलाल को देखकर वे चौंक गये, क्योंकि उन्हें अपनी फिल्म के लिए ऐसे ही हीरो की तलाश थी। इस तरह बिल्कुल फिल्मी अंदाज में वे सागर मूवीटोन की फिल्म शहर का बाबू (1934) के हीरो चुन लिए गये। उनकी नायिका थी सविता देवी। सागर मूवीटोन उस समय का प्रसिद्ध स्टूडियो था। वहां सुरेंद्र, बिब्बो,याकूब, जद्दनबाई, कुमार जैसे श्रेष्ठ कलाकार महबूब खान, सर्वोत्तम बादामी और चिमन लाल लोहार जैसे निर्देशक और केसी डे, प्राणसुख नायक तथा अनिल विश्वास जैसे संगीतकार काम करते थे। तब तक फिल्मों में पार्श्व गायन की शुरूआत नहीं हुई थी। इसलिए यहां मोतीलाल को अपने गाने खुद गाने पड़े थे। साल 1937 में सागर मूवीटोन छोड़ने से पहले उन्होंने वहां के लिए दस फिल्में कीं और संवाद बोलने के स्वाभाविक ढंग, साफ सुंदर कॉमेडी से दर्शकों के बीच अपनी शानदार पहचान बनाई। सन 1937 में उन्होंने चंदूलाल शाह के रणजीत स्टूडियो में काम करना आरंभ किया। यहां उनकी कई फिल्में शादी, (1941) परदेसी, अरमान ससुराल और मूर्ति आदि बेहद सफल रहीं। बॉम्बे टॉकीज की तर्ज पर रणजीत ने 1940 में फिल्म अछूत बनाई थी जिसमें मोतीलाल के साथ गौहर नायिका थीं। पहली नजर (1945) में मोती लाल के लिए गायक मुकेश ने पार्श्व गायन किया- जब दिल ही टूट गया तो...। मुकेश उनके चचेरे भाई थे। संगीतकार अनिल विश्वास के इस गीत ने मुकेश को नई पहचान दी। मोतीलाल के अभिनय में कॉमेडी का भी पुट रहता था । इसके लिए उनकी फिल्म मिस्टर संपत (1952) की मिसाल दी जा सकती है, जिसे दक्षिण भारत के जैमिनी स्टूडियो ने बनाया था। आरके नारायण के उपन्यास पर आधारित इस फिल्म के निर्देशक थे एसएस वासन। 1950 के बाद वे चरित्र अभिनेता के रूप में आने लगे थे। 1950 में उन्होंने बिमल रॉय की देवदास में दिलीप कुमार के दोस्त चुन्नी बाबू का यादगार रोल किया था। इसके बाद जागते रहो (1956) और परख (1960) के रोल भी चर्चित रहे। परख के लिए उन्हें फिल्म फेयर का सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता का अवार्ड भी प्रदान किया गया। अभिनेत्री नूतन और तनूजा की मां, जानी-मानी अभिनेत्री शोभना समर्थ के साथ उनके नजदीकी रिश्ते थे। बाद में उन्होंने राजवंश प्रोडक्शन की स्थापना कर एक फिल्म छोटी-छोटी बातें (1965) बनाई जिसके लेखक, निर्माता, निर्देशक और नायक वे स्वयं ही थे।

■ अजय कुमार शर्मा

क्यों सारी दुनिया करने लगी अब योग

आगामी 21 जून को मनाये जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को कुछ ही दिन शेष बचे हैं और नई दिल्ली से न्यूयार्क और पंजाब से लेकर पेरिस तक संसार भर में इस खास दिन को मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। स्कूली बच्चे-बच्चियों में तो उत्साह देखते ही बनता है। वैसे, अब तो योग दिवस का सारी दुनिया इंतजार करती है। इसे 'वर्ल्ड योगा डे' भी कहा जाता है। पहली बार यह 21 जून 2015 को मनाया गया था। इसकी नींव भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग से संबंधित एक प्रभावशाली भाषण के साथ रखी गई थी। उसी के बाद इसे 21 पर जून इसे 'वर्ल्ड योगा डे' घोषित किया गया था। बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के नौवें संस्करण को वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। बहुत साफ है कि भारत की प्राचीन और समृद्ध परपराओं से पोषित योग ने अब वैश्विक स्तर पर समग्र स्वास्थ्य की एक ऐसी पद्धति के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर ली है, जो न सिर्फ तन और मन के संतुलन तक सीमित है; बल्कि , इस पद्धति में आधुनिक जीवनशैली से उपजे तनाव से पार पाने, असाध्य रोगों से बचाव और दुनिया को स्वस्थ और बेहतर जीवन के माध्यम से एकजुट करने की शक्ति भी निहित है। इसी विशेषता को परिभाषित करती है इस बार के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की ध्येय वाक्य या थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग'। योग की यही शक्ति है जिसने कोरोना महामारी के दौरान और फिर बाद में भी समग्र स्वास्थ्य की तलाश में त्रस्त दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कोरोना काल से ही दुनिया ने योग करने के लाभ जान लिए। दुनिया को समझ आ गया कि योग करके वे अपने को सदा सेहतमंद रख सकते हैं। दरअसल वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों वाली महासभा के 173 सहप्रायोजक देशों की सर्वसम्मति से 2015 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में शुरू हुई यात्रा अब एक ऐसे मुकाम पर है, जहां योग का लोक कल्याणकारी रूप सबने देख लिया है। योग समग्र स्वास्थ्य और वेलनेस की सदियों से परखी गई और आधुनिक शोध अध्ययनों पर खरी उतरी स्वास्थ्य पद्धति के रूप में जाना जा रहा है। नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की यात्रा अब पूरी दुनिया में स्वीकार्यता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के नौवें संस्करण में सारी दुनिया की भागीदारी रहने वाली है। इसके लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के साथ ही अन्य सभी मंत्रालय संयुक्त प्रयास के तहत एक साथ काम कर रहे हैं। योग का महत्व असामान्य परिस्थितियों में शरीर और मन के बीच संतुलन साध कर रखने में भी है। योग के इसी महत्व को लोगों के बीच पहुंचाने के लिये इस बार ध्रुवीय क्षेत्रों में स्थापित स्टेशनों में भी 21 जून को कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया जायेगा। इस प्रयास को 'आर्कटिक से अंटार्कटिक तक योग' का नाम दिया गया है। इसी तरह योग का अभ्यास भारत भारतीय नौसेना बेस, तट रक्षक स्टेशनों के साथ-साथ मित्र देशों के बंदरगाहों और समुद्री जहाजों पर भी योग किया जायेगा। जरा याद करें कोरोना महामारी के दिनों को। तब दुनिया यह सोचने पर भी विवश हो गई थी सिर्फ रोग के उपचार तक सीमित नहीं रहा जा सकता हैं। इससे आगे जाकर रोग से बचाव करना होगा और स्वयं को इतना सक्षम बनाना होगा कि रोग शरीर को छू तक न सके। आपाधापी और तनाव भरे माहौल में मन की स्थिरता भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि सामाजिक और आर्थिक भारत की थाती और शताब्दियों की समृद्ध परंपरा को वहन करने वाले योग में इन समस्याओं से पार पाने की शक्ति है और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के तहत किये गये चार हजार से अधिक शोध इस बात की पुष्टि भी कर रहे हैं। योग अनुसंधान को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के बुनियादी विज्ञान और उसके उच्च मानकों से एकीकृत करने की कार्यनीति परियोजना के तहत देश के नये पुराने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। इस कार्यनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण नई दिल्ली स्थित एम्स में स्थापित सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन ऐंड रिसर्च है। इसके तहत योग से विभिन्न बीमारियों के एकीकृत उपचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किये गये हैं। इसी तरह योग को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक में शामिल किया जा रहा है। एम्स के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र संस्थान के प्रो. तरुण दादा अपने सभी रोगियों को कहते हैं कि वे दवा के साथ रोज एक घंटे तक योग करें। योग करने से उनका स्वास्थ्य तुरंत बेहतर होने लगेगा। इसके साथ ही देश विदेश के विश्वविद्यालयों एंव चिकित्सा संस्थानों में योग विभाग स्थापित किये जा रहे है। यहां यह बताना भी उचित होगा कि पिछले पांच सालों मे ही विश्वभर में योग स्कूलों और योग स्टूडियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। अमेरिका कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन की टॉप 10 सूची में योग सातवें नंबर पर है। योग की एक और शक्ति है जिसका अधिकतम लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। योग की यह शक्ति है किसी भी कार्य को अधिकतम कुशलता, तल्लीनता और दक्षता के साथ अंजाम देने की क्षमता में वृद्धि। जीवन के किसी भी कार्यक्षेत्र में योग की इस शक्ति को अंगीकार कर किसान से लेकर प्रोफेसर तक कापोर्रेट से लेकर अन्य कोई भी व्यक्ति अपने दैनिक कार्यों को अधिक कुशलता से अंजाम दे सकता है। इस दिशा में आयुष मंत्रालय 'सबके लिए योग' परियोजना पर भी काम कर रहा है। पांच साल की इस परियोजना का उद्देश्य भारत के सभी नागरिकों तक योग की पहुंच बनाना है। इसके लिए आयुष मंत्रालय अन्य सभी मंत्रालयों का सहयोग भी ले रहा है। योगासन को एक खेल के रूप में भी स्वीकार किए जाने से इस परियोजना को बल मिला है। भारत इस समय जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और शंघाई सहयोग संगठन (सीसीओ) के देशों का वर्ष 2023 के लिए अध्यक्ष भी है। साफ है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों की उपस्थिति भारत में है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और भी महत्वपूर्ण हो गया है। योग की परिवर्तनकारी और दुनिया को एक सूत्र में पिरोने की उसकी शक्ति को अगर महसूस करने का कोई समय है तो वह यही है। कुछ कट्टरवादी मुसलमान योग में ओंकार के उपयोग और सूर्य नमस्कार को लेकर विरोध भी कर रहे है, लेकिन ; उन्हें क्या पता कि बाबा रामदेव के योग को अपनाकर हजारों मुसलमान असाध्य रोगों से सदा के लिये छुटकारा पा चुके हैं।

■ आर.के. सिन्हा

स्कूली बच्चे-बच्चियों में तो उत्साह देखते ही बनता है। वैसे, अब तो योग दिवस का सारी दुनिया इंतजार करती है। इसे 'वर्ल्ड योगा डे' भी कहा जाता है। पहली बार यह 21 जून 2015 को मनाया गया था। इसकी नींव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग से संबंधित एक प्रभावशाली भाषण के साथ रखी गई थी।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

जल संसाधन और जीवन के बीच संघर्ष जारी है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पलामू की गंगा सूख गयी है। सूखे कंठ की पुकार सुनने को व्यवस्था तैयार नहीं है। ऐसे में आम जनमानस के बीच की चुप्पी हताशा का परिचय है। ओठों पर पपड़ी जमे यहां का हर व्यक्ति आने वाले कल को लेकर चिंतित है। पानी की किल्लत से जहां एक ओर आदमी परेशान है तो दूसरी ओर बेजुबान पशु-पंक्षियों को सामने जीवन रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कोयल नदी के बीच पक्षी पानी की तलाश में भटक रहे हैं। इस तस्वीर को 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के फोटो ग्राफर **भोला** *ने ली है।*

पलामू की गंगा कोयल

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...

बढ़ते तापमान से झुलसते लोग व जल संकट

पलामू जिले में जहां 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में लोग झुलस रहे हैं। वहीं जिले के कई क्षेत्रों में पेय जल संकट भी लोगों को काफी परेशान कर रहा है। पलामू की गंगा कोयल सूख गयी है। खासकर जिले के जिन झेत्रो में नाहर नहीं है वहां का जल स्तर 200 से 300 फीट नीचे तक जा पहुंचा है। जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। बीते एक माह में जलस्तर 50-60 फीट से नीचे गिरते हुए 150 फीट हो गया है। बताया जाता है कि पलामू अनुमंडलीय क्षेत्र में जलस्तर 150 फीट से नीचे जा रहा है। जहां अब इसके नीचे जाने की स्थिति में यहां के चापाकल से पानी निलकना कम हो सकता है। वहीं पलामू के सभी वार्डों सहित कई प्रखंडों में जलस्तर 100-150 फीट व उससे अधिक नीचे

आ गया है। बताया जाता है कि इन सभी जगहों पर जलस्तर अपने गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में लोगों को कई जगह अपने मोटर को नीचे करना पड़ रहा है। वहीं लेयर 100-150 फीट जाने पर सभी चापाकल फेल होने के कगार पर है। ऐसे में 20 जून तक मानसून नहीं आने पर समस्या और गंभीर हो सकती है। पानी निकलना कम हो सकता है।

शहरी के चापाकल पानी देना बंद कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों के बात ही अलग है। वहीं निजी पम्प शेट लगाए लोग हांथ धोने के लिए भी घंटो मोटर का पानी बहा रहे है। खासकर जिले के सभी वार्डों में ज्यादा जल संकट का सामना कर रहा है। जहां औसत से कम वर्षा होने के कारण नदी नाले तालाब सभी सूखे पड़े हैं। वहीं धरती का जल स्तर काफी नीचे जा चुका है। आप सभी को बताते चले कि पेय जल समस्या आम जन समस्या बन चुका है। साथ ही पलामू के प्रखण्ड का शायद ही कोई ऐसा ग्राम बच्चा है जो पेय जल समस्या से नहीं जूझ रहा है। अब सवाल यह उठता है कि सरकार को इसकी पहले ही सूचना मिल चुकी है कि पलामू शहर व प्रखण्ड में औसत से काफी कम बारिश हुआ है और किसानों का फसल बारिश नहीं होने के कारण प्रभावित हुआ है फिर सरकार ने आम लोगो को इस पेय जल समस्या से बचाने का अब तक क्या उपाय कर लेना चाहिए था। अब सवाल यह उठता है कि चाहे जिस विभाग को पानी आपूर्ति करने को दिया गया है फिर कार्य दिखना चाहिए जो शहर व पूरे प्रखण्ड में कही नही दिख रहा है। पूरे शहर व प्रखण्ड में पानी आपूर्ति के अगर कोई योजना के तहत आपूर्ति हो रहा है तो यह योजना विफल नजर आ रही है वही चापाकल खुद दुखी और वीमार नजर आ रहे है आखिर इसका जिम्मेवार कौन है और इसपर कार्रवाई क्यों नहीं।

-

गर्मी में पानी को लेकर स्थिति भयावह

पलामू व ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन का जलस्तर कम होने से कई गांव के लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। सरकारी तंत्र द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था तो की जा रही है लेकिन ये इंतजाम नाकामी साबित हो रहे हैं। टैंकर से जलापूर्ति की इस व्यवस्था से शहर के ड्राई जोन इलाके के लोग संतुष्ट नहीं हैं। शहर के आबादगंज, बड़की बैरिया, छोटकी बैरिया, निमिया, पहाड़ी मोहल्ला के अलावा अन्य ड्राई जोन इलाका में स्थिति भयावह है। उन इलाकों में टैंकर पहुंचते ही लोग पानी लेने के लिए दौड़ पड़ते हैं। इस तरह ड्राई जोन इलाका में पानी लेने के लिए मारामारी होने लगती है। विकास के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी सरकार वार्डों में लोगों की प्यास बुझाने में नाकाम रही है। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। गर्मी का पारा चढ़ते ही यहां जल संकट गहराने लगे हैं। कई जगह तो लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। गर्मी का मौसम परवान चढ़ते ही लोगों का कंठ सूखने लगा है। पलामू में सभी लगभग चापाकल सुख गया है। यहां पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। बरसों पहले से ही कुछ वार्ड पानी के लिए पूरी तरह से त्रस्त है। इस

भीषण गर्मी में सभी ताल-तलैया भी सूख गए हैं। वहीं लगभग सभी घरों के चापाकल पूरी तरह सूख गया है। यहां के ग्रामीण दूसरे गांवों से पानी लाकर अपना काम कर रहे है। आलम यह है कि अब तक कोई पहल नहीं हुआ है। इससे यहां पर पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पलामू गत वर्ष की तुलना में कम बारिश होने के कारण भू-गर्भ जल स्तर तेजी से नीचे खिसक रहा है। मार्च महीने से ही कई हैंडपंपों का पानी सूखने लगे हैं। अभी जून तक जिले के कई हिस्सों में पानी के लिए हंगामा खड़ा हो गया है। पेय जल स्तर नीचे खिसकने के पीछे कारण है कि निचली जल स्तर का बड़े पैमाने पर दोहन हो रहा है। आरओ प्लांट तेजी से खोले जा रहे है। बिना परमिशन के ही ये प्लांट चल रहे हैं। अपेक्षा के अनुरुप बारिश भी नहीं हुई। गौर करें तो अभी कहीं कहीं 500-600 फीट लेवल तक पानी नहीं मिलने के कारण तबाही होने लगी है। इस परेशानी से प्रशासन व जन प्रतिनिधियों को मतलब नहीं पानी के लिए संघर्ष करना शहर व गांव कस्बे में सूर्य की गर्मी इतनी तेज होती है कि इसको सहन करना बहुत मुश्किल होता है। अब धीरे धीरे गर्मी तेज पड़ना शुरू हो गया है। हमारा जिले इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सूरज की तेज किरणें सुबह के समय से ही आग उगलना शुरू कर देती हैं। तेज धूप के चलते गर्मी का पारा भी बढ़ जाता है और दिन चढ़ने के साथ ही धरती धधकती हुई भट्टी की तरह तपने लगती है। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के चलते लोगों का घर से बाहर निकलता भी दूभर हो गया है।

❖ वर्गीश नायडू

बैरिया, निमिया ड्राइ जॉन

पलामू शहर से सटे बैरिया हर बार की तरह इस साल भी गर्मियों के मौसम में जल मुहैय्या कराने में नाकाम साबित होता दिखता है। यूं तो साल भर इस इलाकों में पेयजल संकट बना रहता है लेकिन खासतौर पर गर्मियों के मौसम में पेयजल समस्या लोगों की परेशानी का सबब बन जाती है। यह बैरिया पूरे ड्राई जोन से जाना जाता है। यह बात जनप्रतिनिधि से लेकर जिले के आला अधिकारी तक को पता है फिर भी यहां के लोग हर साल ठगे जाते हैं। बड़ी-बड़ी बातें कहकर यह संतावना दिया जाता है कि इस बार पानी उन्हें मुहैया कराने में कोई दिक्कत नहीं होगा। यहां लोग यह बात अच्छी तरह से उन्हें पता है की इस साल भी उन्हें जनप्रतिनिधि उन्हें ठगने में कामयाब हो जाते हैं। यहां पर गर्मी आते ही कुछ लोग घर तक छोड़ देते हैं। पानी की किल्लत के वजह से यहां पर लोग हर दिन टैंकरों से खरीद कर पानी पीने को विवश हैं साथ ही हर घर के छत पर पानी की टंकी लोग एक्सट्रा रखते हैं। वहीं कई क्षेत्र वाशियों ने बताया कि गर्मियों के सीजन में पेयजल किल्लत होना शहर में आम हो चुका है। लेकिन जल संस्थान के अधिकारी व जनप्रतिनिधि इतने गैरजिम्मेदार हो चुके हैं कि उन्हें जनता की तकलीफों से कोई वास्ता ही नहीं रह गया है। आज भी शहर में पानी पिने के लिए तरस रहे हैं। बिजली पानी का संकट हर साल गर्मियों में होता है। लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन के शिवाय कुछ नहीं मिलता।

बैरिया पूरे ड्राई जोन में इलाकों में हालात बेहद खराब है। यहां जिले में भी लगातार गिरते भूजल स्तर को देखते हुए यहां के वार्डवासी एलर्ट हो गए हैं। इसके अलावा इस तप्ती गर्मी में बिजली और पानी की समस्या से आज भी जूझ रहे हैं। यूं तो साल भर इस इलाकों में पेयजल संकट बना रहता है लेकिन खासतौर पर गर्मियों के मौसम में पेयजल समस्या लोगों की परेशानी का सबब बन जाती है। यह बात जनप्रतिनिधि से लेकर जिले के आला अधिकारी तक को पता है फिर भी यहां के लोग हर साल ठगे जाते हैं बड़ी-बड़ी बातें कहकर यह संतावना दिया जाता है कि इस बार पानी उन्हें मुहैया कराने में कोई दिक्कत नहीं होगा।

यहां के लोगों को यह बात अच्छी तरह से उन्हें पता है कि इस साल भी उन्हें जनप्रतिनिधि ठगने में कामयाब हो जाते हैं। यहां पर गर्मी आते ही कुछ लोग घर तक छोड़ देते हैं। पानी की किल्लत के वजह से यहां पर लोग हर दिन टैंकरों से खरीद कर पानी पीने को विवश हैं। महिलाये सहित अन्य क्षेत्र वाशियो ने बताया कि गर्मियों के सीजन में पेयजल किल्लत होना शहर में आम हो चुका है। लेकिन जल संस्थान के अधिकारी व जनप्रतिनिधि इतने गैरजिम्मेदार हो चुके हैं कि उन्हें जनता की तकलीफों से कोई वास्ता ही नहीं रह गया है।आज भी शहर में पानी पिने के लिए तरस रहे हैं। बिजली पानी का संकट हर साल गर्मियों में होता है। लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन के शिवाय कुछ नहीं मिलता।

बैरिया पूरे ड्राई जोन इलाकों में हालात बेहद खराब है। यहां जिले में भी लगातार गिरते भूजल स्तर को देखते हुए यहां के वार्ड वासी एलर्ट हो गए हैं। इसके अलावा इस तप्ती गर्मी में बिजली और पानी की समस्या से आज भी जूझ रहे हैं।

❖ वेद प्रकाश

कोयल नदी के किनारे पानी भरने को लेकर कतार में लगा टैंकर।

गर्मी में पशु व पक्षी पानी की तलाश में भटक रहे

गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है। मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है। लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है। ऐसे में अगर गर्मी में किसी को सबसे ज्यादा परेशानी होती है वो हैं जानवर और पक्षी। पक्षियों पर पानी से प्यास की मार सबसे ज्यादा पड़ती है। क्योंकि गर्मियों के दिनों में सारे तालाब और छोटे-छोटे पानी के स्रोत सूख जाते हैं। ऐसे में छोटे-छोटे पक्षियों को इन दिनों बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खास कर गर्मी में पक्षियों के लिए भोजन की भी कमी रहती है। पक्षियों के भोजन कीड़े-मकोड़े गर्मियों में नमी वाले स्थानों में ही मिल पाते हैं। खुले मैदान में कीड़ों की संख्या कम हो जाती है। जिससे पक्षियों को भोजन खोजने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। गर्मियों में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। सुबह आंखें खुलने के साथ ही घरों के आस-पास गौरेया, मैना व अन्य पक्षियों की चहक सभी के मन को मोह लेती है। घरों के बाहर फुदकती गौरेया बच्चों सहित बड़ों को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। गर्मियों में घरों के आसपास इनकी चहचहाहट बनी रहे। इसके लिए जरूरी है कि लोग पक्षियों से प्रेम करें और उनका विशेष ख्याल रखें। यहां का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार हो गया है। गर्मी में मनुष्य के साथ-साथ सभी प्राणियों को पानी की आवश्यकता होती है। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे व पशुओं को तपती गर्मी में यहां-वहां पानी के लिए भटकना पड़ता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं। इस लिए गर्मी में अपने घरों के बाहर, छतों पर पानी के बर्तन रखें और हो सके तो छतों पर पक्षियों के लिए छाया की व्यवस्था भी करें। पक्षियों के शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की मात्रा संतुलित रहे, इसके लिए पानी में गुड़ की थोड़ी मात्रा मिलानी चाहिए।

❖ ओपी

कैसे बुझेगी आग...

अग्निशमन विभाग के पास दमकलों में पानी भरने के इंतजाम नहीं

पलामू में गर्मी बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में आग लगने की घटना होने की संभावना तेज हो जाती है। ऐसे हालात से निपटने के लिए। पलामू में फायर स्टेशन ने खुद को तैयार कर लिया है। दमकल से लेकर कर्मी तक मुस्तैद हैं लेकिन आग बुझाने के लिए पानी ही नहीं है। क्योंकि बैरिया पूरे ड्राई जोन से जाना जाता है। विभागीय अफसरों की मानें तो बैरिया के शहरी इलाके के लोग गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। पिछले वर्ष कम बारिश होने के कारण जलस्तर नीचे चला गया था और जल संकट गहरा गया है। इस स्थिति से प्रभावित इलाके के लोगों को राहत दिलाने के लिए पहले से ही टैंकर से जलापूर्ति शुरू करायी है। ड्राई जोन इलाके में पर्याप्त पानी सही समय पर नहीं वितरण होने से लोगों में नाराजगी रहतीं है।

टैंकर से जलापूर्ति की इस व्यवस्था से शहर के ड्राई जोन इलाके के लोग संतुष्ट नहीं हैं। शहर के आबादगंज, बड़की बैरिया, छोटकी

बैरिया, निमिया, पहाड़ी मोहल्ला के अलावा अन्य ड्राई जोन इलाका में स्थिति भयावह है। उन इलाकों में टैंकर पहुंचते ही लोग पानी लेने के लिए दौड़ पड़ते हैं। इस तरह ड्राई जोन इलाका में पानी लेने के लिए मारामारी होने लगती है। गर्मी बढ़ने के साथ ही पलामू क्षेत्र में आग लगने की घटना होने की संभावना तेज होने लगी है।

आग लगने की सूचना मिलते ही अधिकारियों व कर्मियों के हाथ-पांव फूलने लगते हैं। क्योंकि काफी दूर से स्टेशन रोड स्थित से पानी उन्हें लाना पड़ता है। पानी कहां से भरेंगे यह सवाल परेशान करने लगता है। फायर विभाग का कहना है कि गर्मी में आग लगने की घटना काफी बढ़ जाती है। खेत-खलिहानों में भी आग लगती है। फायर स्टेशन को घटना की सूचना मिलने पर सबसे अधिक चिन्ता दमकल में पानी भरने की हो जाती है। आग बुझाने के दौरान पानी खत्म होने पर फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ी जितनी जल्दी आग बुझाने के लिए पहुंचती है। उतनी जल्दी पानी नहीं मिलती। ऐसे में पानी की उपलब्धता के लिए फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को खासी मशक्कत करनी पड़ जाती है। दिन हो या रात दमकल में पानी भरने की स्टेशन रोड में व्यवस्था नहीं के बराबर है। अग्निशमन विभाग के पास फिलहाल दमकलों को भरने के लिए पानी का समुचित इंतजाम नहीं हैं। गर्मी में ज्यादा परेशानी हो जाती है। क्योंकि पिने से लेकर अग्निकांडों पर काबू पाने के लिए जरूरी पानी का इंतजाम करने के लिए हो जाता है। शहर के कई व्यवसायिक इलाके भी बेहद संवेदनशील हैं। इस लिहाज से जिला का अग्निशमन विभाग को बेहद सतर्क रहना पड़ता है। हालांकि ताजा स्थिति में अचानक होने वाले अग्निकांड पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग के पास पानी का भी इंतजाम नहीं है। अग्निशमन विभाग को पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। ऐसे में कोई बड़ा अग्निकांड होने पर स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

❖ गुड्डू कुमार

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट

Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

वायुसेना भविष्य की तैयारी के लिए उठा रही कदम : राष्ट्रपति

एजेंसी। हैदराबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि वायु सेना समग्र सुरक्षा परिध्श्य को ध्यान में रखकर भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है, जिसमें उच्च प्रौद्योगिकी युक्त युद्ध की चुनौतियां भी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने हैदराबाद के पास दुंडीगल में वायुसेना अकादमी (एएफए) में पूरे सैन्य वैभव के साथ 211वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) का निरीक्षण करने के बाद यह बात कही। अकादमी के अधिकारियों के अनुसार, एएफए के इतिहास में यह पहला अवसर है जब राष्ट्रपति निरीक्षण अधिकारी के रूप में उपस्थित रही हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहाः मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि हमारी वायु सेना समग्र सुरक्षा परिध्श्य को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है, जिसमें नेटवर्क-केंद्रित भविष्य के युद्ध क्षेत्र में एक उच्च प्रौद्योगिकी युक्त युद्ध लड़ने की चुनौतियां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 1948, 1965 और 1971 के युद्धों में देश की रक्षा करने में भारतीय वायुसेना के वीर योद्धाओं द्वारा निभाई गई महान भूमिका स्वर्णाक्षरों में लिखी गई है। राष्ट्रपति ने भारतीय वायुसेना की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने कारगिल संघर्ष में और बाद में बालाकोट में आतंकवादी ठिकाने को नष्ट करने में समान संकल्प और कौशल का प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि भारतीय वायुसेना मानवीय सहायता और आपदा राहत में भी योगदान देती है। उन्होंने कहा, चिकित्सा सहायता और आपदा राहत प्रदान करने के लिए तुर्की और सीरिया में हाल ही में भूकंप के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद भारतीय वायुसेना हरकत में आई। इससे पहले, काबुल में फंसे 600 से अधिक भारतीयों और अन्य नागरिकों को निकालने के लिए सफल अभियान चलाया, जिसमें प्रतिकूल माहौल में उड़ान और लैंडिंग शामिल थी। यह भारतीय वायु सेना की उच्च क्षमताओं का प्रमाण है।

हमें अपनी समृद्ध संस्कृति पर गर्व है : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के 9 साल पूरे होने पर इस दौरान सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, राष्ट्र निमार्ताओं की विरासत को सम्मान देने, देश भर में आध्यात्मिक स्थलों का पुनर्विकास और कायाकल्प से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में एक विस्तृत जानकारी साझा की है। www.narendramodi.in/vikasyatra पर कन्वसिंग कल्चरल हेरिटेज के अन्तर्गत लेख, ग्राफिक्स और वीडियो आदि के माध्यम से पिछले 9 सालों में इस दिशा में किए गए प्रयासों को प्रस्तुत किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह लिंक साझा करते हुए शनिवार को ट्वीट किया, ह्लहमें अपनी समृद्ध और विविध संस्कृति पर गर्व है। भारत की गौरवशाली विरासत को पुनर्जीवित करने और सम्मान देने की दिशा में कई प्रयास किए गए हैं, जिन्होंने हमारे युवाओं और हमारी संस्कृति के बीच के बंधन को और गहरा किया है।

कन्वसिंग कल्चरल हेरिटेज में गुजरात में सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा- स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, तेलंगाना में रामानुजाचार्य स्वामी की विशाल प्रतिमा- स्टेच्यू ऑफ इक्वालिटी, कर्नाटक में नादप्रभु केम्पेगौड़ा की- स्टेच्यू ऑफ प्रास्पेरिटी, केदारनाथ धाम में आदि शंकराचार्य की प्रतिमा, नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाष बोस की प्रतिमा, नई दिल्ली के ही अम्बेडकर इंटरनेशल सेंटर में बाबासाहेब आम्बेडकर की प्रतिमा, जेएनयू में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा, रांची में बिरसा मुंडा की प्रतिमा और पुणे में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। इसके साथ ही अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण को भी विशेष महत्व के साथ प्रस्तुत किया गया है। मोदी सरकार में देश की संस्कृति, सभ्यता और ऐतिहासिक महत्व की धरोहरों को सहेजने व लोगों तक उनकी जानकारी पहुंचाने के साथ ही, आजादी के 75वें साल में देश के लिए कुर्बानी देने वाले गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों की बलिदान गाथा को सामने लाने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी भी यहां मिलेगी।

27 जून को पीएम भाजपा कार्यकर्ताओं को देंगे बूथ जीतने का मंत्र

प्रधानमंत्री चुनावी राज्य मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से देश भर के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत ' लक्ष्य को साधने के लिए बूथ जीतने का गुरुमंत्र देंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपनी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा एक महीने तक देशभर में चलाये जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत 27 जून को मध्य प्रदेश में रहेंगे। बताया जा रहा है कि, 27 जून को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से ही प्रधानमंत्री मोदी देश भर के 10 लाख से ज्यादा बूथों पर मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित कर यह बताएंगे कि वे अपना-अपना बूथ कैसे मजबूत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम की सबसे खास बात भोपाल में ही मौजूद पार्टी के तीन हजार के लगभग वो कार्यकर्ता होंगे, जिनका चयन देश भर से किया गया है, जिन्हें न केवल प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनने का मौका मिलेगा, बल्कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में उन्हें प्रधानमंत्री के साथ संवाद करने और सवाल पूछने का भी मौका मिलेगा। आपको बता दें कि, विधान सभा चुनाव वाले राज्यों में दस दिनों की खास तैनाती के लिए पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं से नाम मांगे थे, इसके लिए छह हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने इच्छा जताई थी, इसमें से कई मापदंडों पर परीक्षण के बाद इन तीन हजार कार्यकर्ताओं का चयन किया गया है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद ये तीन हजार कार्यकर्ता चुनावी राज्यों के उन इलाकों के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां की जिम्मेदारी इनको दी गई है।

सुभाष चंद्र बोस ने आजादी से कभी समझौता नहीं किया : अजित डोभाल

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि भारतीय पक्षियों की तरह आजाद महसूस करें और उन्होंने देश की आजादी से कम पर कभी समझौता नहीं किया। राष्ट्रीय राजधानी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक व्याख्यान देते हुए डोभाल ने कहा कि बोस न केवल भारत को राजनीतिक अधीनता से मुक्त करना चाहते थे, बल्कि उन्होंने लोगों की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को बदलने की आवश्यकता भी महसूस की।

डोभाल ने कहा, नेताजी (सुभाष चंद्र बोस) ने कहा कि मैं पूर्ण स्वतंत्रता से कम किसी भी चीज के लिए समझौता नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि वह न केवल इस देश को राजनीतिक अधीनता से मुक्त करना चाहते थे, बल्कि देश की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को बदलना भी चाहते थे।

तमिलनाडु भाजपा के राज्य सचिव एसजी सूर्या हुए गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के राज्य सचिव एसजी सूर्या को मदुरै के सांसद और माकपा नेता सु वेंकटेशन के खिलाफ उनके ट्वीट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। मदुरै साइबर सेल पुलिस ने शुक्रवार रात आरोपी को गिरफ्तार किया। भाजपा तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने इसकी निंदा करते हुए पुलिस कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एक ट्वीट में कहा कि सूर्या ने कोई अपराध नहीं किया है। उन्होंने कम्युनिस्टों के दोहरे मानकों को उजागर किया, जो डीएमके के सहयोगी हैं।

कॉलेज ने बुर्का पहनी छात्राओं की इंट्री बैन की

एजेंसी। हैदराबाद

हैदराबाद के एक कॉलेज ने बुर्का पहनी छात्राओं को प्रवेश नहीं दिया और उन्हें चेतावनी भी दी कि जब तक वे बुर्का उतार नहीं देतीं हैं, तब तक परीक्षा में शामिल नहीं हो सकतीं। घटना शुक्रवार को रंगा रेड्डी डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन में हुई। छात्राओं का आरोप है कि प्रबंधन ने उनसे बुर्का हटाने को कहा और जब उन्होंने मना किया तो उन्होंने उन्हें परीक्षा में बैठने नहीं दिया। 30 मिनट के बाद बुर्का उतारने के बाद प्रबंधन ने उन्हें परीक्षा हॉल में जाने दिया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने कहा, हो सकता है कि कोई प्रधानाध्यापक ऐसा कर रहे हों, लेकिन हमारी नीति पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष है। लोग जो चाहें पहन सकते हैं, लेकिन अगर आप यूरोपीय पोशाक पहनते हैं, तो यह सही नहीं होगा, हमें अच्छे कपड़े पहनने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को जितना हो सके ढक कर रहना चाहिए और छोटे कपड़े नहीं पहनने चाहिए। उन्होंने कहा, कहीं नहीं लिखा है कि बुर्का नहीं पहना जा सकता। हम कार्रवाई करेंगे।

वादे हर कोई करता है, मोदी सरकार पूरा करती है : विदेश मंत्री जयशंकर

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि लोगों से वादे हर कोई करता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार का मजबूत पहलू यह है कि वह दी गई समयसीमा में सेवाएं उपलब्ध कराती है और परियोजनाओं को पूरा करती है। उन्होंने मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोगों तक पहुंचने के अभियान संपर्क से समर्थन के तहत यहां बदरपुर में आयोजित एक समारोह में यह बात कही। जयशंकर ने बदरपुर में राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) के तापीय विद्युत संयंत्र क्षेत्र में विकसित किए जा रहे इको पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, चुनाव के बाद, वे (लोगों से किए वादों को) भूल जाते हैं, लेकिन मोदी सरकार में लोग आज (सेवाओं को उपलब्ध होते और परियोजनाओं को) पूरा होते देख रहे हैं। दक्षिण दिल्ली से सांसद और भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने कहा कि इको पार्क का उद्घाटन दिसंबर में किए जाने की योजना है। जयशंकर ने इस परियोजना के लिए एनटीपीसी और इस तरह की हरित परियोजना पर काम करने के लिए पार्टी सांसदों और स्थानीय नेतृत्व की प्रशंसा की।

विदेशी मुद्रा के साथ हवाई जहाज यात्री पकड़ा गया

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की टीम ने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की है। जिसकी कीमत भारतीय रुपए में 57 लाख रुपये बताई जा रही है। बैग के अंदर कैविटी बनाकर इसे छिपाकर रखा गया था। सीआईएसएफ के प्रवक्ता अपूर्व अग्निहोत्री ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार दोपहर टर्मिनल 3 आईजीआई एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की सर्विलांस टीम ड्यूटी कर रही थी। उसी दौरान एक हवाई यात्री की गतिविधि उन्हें संदिग्ध लगी। जब वह पैसेंजर चेकिंग एरिया में पहुंचा तो उसकी पहचान मोहम्मद फैजल के रूप में हुई।

फोटो ऑफ द डे

भुवनेश्वर : भीषण गर्मी की दोपहर में लंगूर बंदर शनिवार को खंडगिरि पहाड़ी के पास रखे बर्तन से पानी पी रहे हैं। *(फोटोः आईएएनएस)*

FILMY हलचल

गुंजन सिंह का नया गाना 'पिया पाउडरवा लेले आइहा' मचा रहा है धूम

गायक गुंजन सिंह का नया भोजपुरी गाना 'पिया पाउडरवा लेले आइहा' आज रिलीज हो गया, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। गाने की थीम भोजपुरी प्रदेश में पड़ने वाली भीषण गर्मी को लेकर है, जिसमें पत्नी गर्मी से परेशान होकर पाउडर की मांग करती है। गुंजन सिंह ने इसे गाने के रूप में भुनाया है, जो अब वायरल भी हो रहा है। गाना बेहद सुरीला और दिलचस्प है। यही वजह है गाना रिलीज होने के बाद से व्यूज तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुंजन सिंह का यह गाना उनके ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। गाने को लेकर गुंजन सिंह ने कहा कि गाना ₹पिया पाउडरवा लेले आइहा₹ आप सबके बीच है। इस गाने को खूब प्यार और आशीर्वाद दें। यकीनन आप भी इस भीषण गर्मी में हलकान होते होंगे।

'आदिपुरुष' ने पहले दिन की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फिल्म 'आदिपुरुष' शुक्रवार 16 जून को रिलीज हो गई। फिल्म को पांच भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 6200 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को अकेले हिंदी भाषा में करीब 4000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया। इसलिए इस फिल्म की पहले दिन की कमाई पर सबकी निगाहें हैं। 'आदिपुरुष' के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जानकर हर कोई हैरान रह जाएगा। फिल्म ने पहले दिन कई रिकॉर्ड बनाए हैं। सैनील्क रिपोर्ट की मानें तो 'आदिपुरुष' ने पहले दिन 90 करोड़ की कमाई की है। बताया जाता है कि फिल्म 'आदिपुरुष' ने अकेले हिंदी में 45 करोड़ की कमाई की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओपनिंग डे के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो 150 करोड़ के पार पहुंचने की बात कही जा रही है।

सनी देओल ने बेटे करण के संगीत में 'मैं निकला गड्डी लेके' गाने पर किया डांस

एक्टर करण देओल की प्री-वेडिंग फंक्शन्स चल रही हैं। इसमें उनके पिता व अभिनेता सनी देओल ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' के आइकॉनिक ट्रैक 'मैं निकला गड्डी लेके' पर परफॉर्म किया।परफॉर्मेंस के लिए, सनी देओल 'गदर' फिल्म के लीड एक्टर तारा सिंह के लुक में नजर आए। उन्होंने ग्रे कुर्ता, पटियाला सलवार, ब्राउन ब्लेजर और ब्लैक शूज पहने थे। साथ ही लाइट ब्राउन पगड़ी भी लगाई थी।सेलिब्रिटी पैपराजी विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर स्टार के परफॉर्मेंस का वीडियो पोस्ट किया। 66 वर्षीय एक्टर सनी देओल के बेटे करण 18 जून को अपनी मंगेतर धृष्टि आचार्य के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। करण ने 2019 में आई फिल्म 'पल पल दिल के पास' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। बाद में उन्हें 'वेले' में देखा गया और जल्द ही 'अपने 2' में नजर आएंगे। सनी अपनी को-स्टार अमीषा पटेल के साथ 'गदर 2' में नजर आएंगे। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आफत

सिक्किम में बरसात का कहर, जनजीवन प्रभावित

गंगटोक में पेयजल आपूर्ति प्रभावित

एजेंसी। गंगटोक

सिक्किम में हो रही लगातार बारिश आम जनजीवन के प्रभावित होने के साथ रातेचू में पेयजल स्त्रोत के पास की टंकियों में मलबा भर गया है। इस वजह से राजधानी गंगटोक में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। पीएचई विभाग के मुताबिक शुक्रवार को रातेचू नदी का जलस्तर बढ़ने से जलापूर्ति टंकी में मलबा भर गया है। आज सुबह बड़े पत्थरों और मिट्टी से ढक चुके जलापूर्ति टैंकों की सफाई के लिए 39 कर्मचारियों को तैनात किया है। बाधित लाइन की सफाई कर पेयजल आपूर्ति करने में रविवार को पूरा दिन समय लग सकता है। बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए विभाग ने गंगटोकवासियों को पानी की आपूर्ति के लिए स्थानीय स्रोतों से पानी का दोहन करने की जानकारी दी है। पीएचई विभाग ने कहा है कि मुख्य स्रोत से पानी की आपूर्ति बंद होने के कारण गंगटोक की जरूरत के अनुसार पानी एकत्र नहीं हो सकता। इसलिए मरम्मत कार्य पूरा होने तक उपभोक्ताओं को दिन में केवल एक बार पानी की आपूर्ति की जाएगी। विभाग ने राजधानीवासियों से अनुरोध किया है कि टैंकों की सफाई और आपूर्ति सामान्य होने तक पीने के पानी का सावधानी से उपयोग करें। विभाग ने यह साफ किया है कि वीआईपी लाइन और अस्पतालों की जल आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी।

उत्तरी सिक्किम में फंसे 60 छात्रों सहित 2464 पर्यटकों को निकालने का काम शुरू

मंगन। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के मार्गदर्शन में मंगन के जिलापाल हेम कुमार छेत्री की अगुवाई में जिला प्रशासन ने फंसे हुए छात्रों और पर्यटकों की निकासी का काम आज सुबह 11 बजे शुरू कर दिया। पिछले तीन दिनों से जारी बारिश के कारण उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले के चुंगथांग में सड़क संपर्क टूट गया है। इसके चलते दक्षिण सिक्किम के नामची कॉलेज के 60 छात्रों सहित 2,464 पर्यटक लाचेन और लाचुंग में फंसे हुए हैं। जिला प्रशासन को राज्य सरकार द्वारा लगातार निर्देशित किया गया और 16 जून की शाम को सभी तैयारियां की गईं। निकासी कार्य के लिए क्यूआरटी (डीडीएमए), सिक्किम पुलिस, जीआरईएफ, बीआरओ, आईटीबीपी, सेना, ट्रैवल एजेंसी के प्रतिनिधि तैनात किए गए हैं।

झारखंड कांग्रेस में भीतरखाने पक रही है खिचड़ी

प्रदेश अध्यक्ष को किनारा लगाने की हो रही चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

लंबे संघर्ष के बाद सत्ता की भागीदार बनी प्रदेश कांग्रेस में भीतरखाने बड़ा खेल चल रहा है। हेमंत कैबिनेट में शामिल कांग्रेस के चार मंत्रियों में से दो मंत्री सॉफ्ट टारगेट बने हुए हैं। इसकी वजह भी है। इसी आड़ में अगड़ी जाति से आने वाले प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर को भी किनारा लगाने की कोशिश हो रही है। विरोधी खेमे की दलील है कि प्रदेश में पार्टी की कमान जनाधार पर पकड़ रखने वाले को मिलनी चाहिए। बार-बार याद दिलाया जाता है कि राजेश ठाकुर आरपीएन सिंह के चहेते थे। भाजपा में जाने से पहले आरपीएन सिंह ने राजेश ठाकुर को बतौर गिफ्ट प्रदेश की कमान दिलवा दी थी। ऐसे में इनपर विश्वास नहीं किया जा सकता। उनकी जगह पिछड़ी जाति या

ट्राइबल नेता की मांग हो रही है। हालांकि ठाकुर समर्थक कहते हैं कि जो काम पूर्व के दो प्रदेश अध्यक्ष नहीं कर पाए, उसे वर्तमान अध्यक्ष ने कर दिखाया। मसलन, अगस्त 2021 में अध्यक्ष बनने के बाद राजेश ठाकुर पहले ऐसे नेता रहे जिन्होंने ना सिर्फ प्रदेश कांग्रेस कमिटी का विस्तार किया बल्कि लंबे समय से जमे कई जिला अध्यक्षों को भी बदला। यही नहीं उन्होंने बोर्ड, निगम में कांग्रेस के सक्रिय कार्यकताओं को जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी का नतीजा है कि रवींद्र सिंह को कृषि विपणन पर्षद का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं राजीव रंजन प्रसाद को झारखंड गो सेवा का अध्यक्ष बनाया गया है। ठाकुर समर्थकों का कहना है कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस के सक्रिय कार्यकताओं को सम्मान मिल रहा है। लेकिन यह बात दूसरे नेताओं को रास नहीं आ रही है। पार्टी का नेतृत्व गंवाने के बाद वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव नाराज चल रहे हैं। उनका भी कहना है कि पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जनाधार वाले नेता की जरूरत है। लेकिन खुलकर बोलने से परहेज करते हैं। कैबिनेट में फेरबदल का खेलः असली खेल तो मंत्री पद को लेकर हो रहा है। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के असमय निधन के बाद इस पोर्टफोलियों पर कई नेताओं की नजर गड़ी हुई है। हालांकि वह झामुमो का मामला है। लेकिन कैबिनेट में फेरबदल से पोर्टफोलियों पर भी असर पड़ने के आसार हैं। फिलहाल विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस कोटे के दो मंत्री तलवार की धार पर खड़े हैं।

रांची में वारदात की योजना बनाते दो बदमाश गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मेसरा ओपी पुलिस ने हथियार के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें आफताब अंसारी और राम रतन मुंडा उर्फ रतिया शामिल हैं। इनके पास से एक लोडेड देशी कट्टा, एक चाकू, दो मोबाइल और एक कार बरामद हुआ है। सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश किसी बड़ी नेवरी सिरत नगर रिंग रोड के पास वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना पर सदर थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को पकड़ लिया जबकि एक फरार हो गआ। इनके पास के हथियार बरामद किया गया। दोनों गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पूर्व में मेसरा ओपी में मामला दर्ज है। डीएसपी ने बताया कि छापेमारी टीम में मेसरा ओपी प्रभारी सुमित कुमार सिंह, रंजीत कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

उपभोक्ता फोरम ने पीएनबी को तीन लाख रुपए मुआवजा देने का दिया निर्देश

रांची। रांची जिला उपभोक्ता फोरम ने आठ वर्ष बाद डोरंडा थाना क्षेत्र के अनंतपुर निवासी पुष्पा शर्मा को तीन लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। पंजाब नेशनल बैंक की लालपुर शाखा को यह निर्देश शनिवार को दिया है।उपभोक्ता फोरम ने बैंक की ओर से सेवा में कमी के लिए मुआवजे का आदेश दिया है। 60 दिनों के भीतर मुआवजा देने का निर्देश दिया है। साथ ही तय सीमा में पैसे नहीं देने पर जुमार्ना लगाने का आदेश दिया है। बैंक अपने लॉकर की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा, जिसके कारण एक लॉकर से पुष्पा शर्मा के आठ लाख रुपये के गहने चोरी हो गए। उल्लेखनीय है कि 27 जनवरी 2015 को लालपुर थाने के समीप स्थित पंजाब नेशनल बैंक के लॉकर से लाखों की चोरी कर ली गई थी।इस संबंध में 27 जनवरी, 2015 को लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बैंक की ओर से दर्ज करवाई गई प्राथमिकी में कहा गया था कि गणतंत्र दिवस के कारण बैंक बंद होने के बाद अपराधियों ने खिड़की से बैंक में प्रवेश कर चार लॉकर तोड़ दिए और उसमें रखे समान लेकर फरार हो गए।

एडीजी 19 को करेंगे लंबित आपराधिक कांडों की समीक्षा

रांची। एडीजी अभियान संजय आनंदराव लाटकर 19 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लंबित आपराधिक कांडों की समीक्षा करेंगे। इस दौरान एडीजी राज्य में चार साल से अधिक समय से लंबित मामलों की जानकारी लेंगे। इस बैठक में राज्य के सभी जिलों के एसएसपी, एसपी, जोनल आईजी और सभी रेंज के डीआईजी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से लंबित केस के निष्पादन के लिए एक समिति बनायी गयी है। इस समिति के अध्यक्ष एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर, उपाध्यक्ष आईजी सीआईडी असीम विक्रांत मिंज को बनाया गया है।

डाक विभाग शुरू करे खाता खोलने की मुहिम : चीफ जस्टिस

नवीन मेल संवाददपाता। रांची

झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने शनिवार को धुर्वा स्थित झारखंड हाई कोर्ट के नये परिसर में उप डाकघर के नए भवन का उद्घाटन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर सभी न्यायाधीश एवं झारखंड परिमंडल के मुख्य डाक महाध्यक्ष राकेश कुमार भी उपस्थित थे। संजय कुमार मिश्र ने यहां उपलब्ध डाक सेवाओं की सराहना की तथा बचत स्कीमों में रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि परिसर के सभी लोगों का बचत सहित अन्य खाता खोलने की मुहिम डाक विभाग की ओर से शुरू की जानी चाहिए, ताकि यहां के सभी न्यायाधीश, वकील, पदाधिकारीगण एवं कर्मचारियों को

इसका लाभ मिल सके। मौके पर राकेश कुमार ने बताया कि यह डाकघर कोर बैंकिंग सुविधा प्रदान करेगा तथा यहां आमजन इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की बैंकिंग सुविधाओं का भी लाभ ले सकेंगे। साथ ही यहां आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्र भी खोला गया है। यहां लोग बीएलई-आरईएलआई प्रीमियम जमा कर सकेंगे। डाकघर की सभी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। डाक टिकट संग्रहकर्ता के लिए फिलाटेली टिकट भी यहां उपलब्ध है। सुकन्या समृद्धि खाता, महिला सम्मान बचत पत्र एवं अन्य बचत खाता भी खोला जा सकता है। कुमार ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023-24 के बजट में महिलाओं के लिए एक विशेष योजना का ऐलान किया था। केंद्र सरकार ने एक अप्रैल 2023 से महिला सम्मान बचत पत्र योजना की शुरूआत की है। महिला सम्मान बचत पत्र के अंतर्गत महिलाओं के नाम पर दो लाख रुपये तक का निवेश किया जा सकता है एवं इसमें 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज देय है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व उच्च न्यायालय उप डाकघर, उच्च न्यायालय परिसर डोरंडा में अवस्थित था।

वाईबीएन विवि के कुलपति नियुक्ति को ले सर्च कमेटी गठित

रांची। वाईबीएन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बैद्यनाथ यादव ने कुलपति की नियुक्ति के लिए एक सर्च व सिलेक्शन कमेटी का गठन किया है। कमेटी 60 दिनों के अंदर वाईबीएन विश्वविद्यालय, राजाउलातू, नामकोम, रांची के लिए कुलपति पद के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिदेर्शों व अनुकूलता/पात्रता मापदंडों के अनुरूप अनुभवी उम्मीदवारों की खोज करेगी। कमेटी में रामजी यादव, संस्थापक और अध्यक्ष वाईबीएन विश्वविद्यालय को अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। कमेटी में दो अलग-अलग राज्यों बिहार व छत्तीसगढ़ के दो शिक्षाविदों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इसमें डॉ एसपी सिंह, पूर्व कुलपति वीर कुंवर सिंह विवि, आरा और डॉ केपी यादव कुलपति महावीर तकनीकी व विज्ञान अकादमी विवि, रायपुर, छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

पटेल चौक से सिरमटोली के बीच पांच जुलाई तक यातायात बंद

रांची। कांटाटोली - मेकॉन फ्लाई ओवर निर्माण कार्य के कारण (शनिवार) आज से सिरमटोली पटेल चौक मार्ग पर परिचालन पूर्णतः बंद रहेगा। ट्रैफिक एसपी कार्यालय से जारी नोटिस के अनुसार यह व्यवस्था पांच जुलाई तक लागू रहेगी। इस दौरान सिर्फ सिरमटोली-पटेल चौक के बीच रहने वाले लोगों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। सिरमटोली चौक से पटेल चौक एवं पटेल चौक से सिरमटोली चौक की ओर आने-जाने वाले सभी प्रकार के वाहन रांची रेलवे स्टेशन होकर जायेंगे। इसको लेकर ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमां ने निर्देश जारी किया है। फ्लाईओवर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी ने ट्रैफिक एसपी को आवागमन बंद करने का अनुरोध किया था ताकि, ओवरब्रिज के ऊपरी हिस्से का कार्य किया जा सके।

प्रदेश युवा कांग्रेस का 18 जून से भारत जोड़ो यात्रा उलिहातू से होगा शुरू

रांची। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी के 53 वें जन्मदिवस पर युवा कांग्रेस 53 किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन कर रहा है। यात्रा 18 जून को सुबह 10:30 बजे खूंटी के उलिहातू स्थित भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित करके प्रारंभ होगा। 19 जून को दोपहर 12 बजे रांची स्थित बापू वाटिका में गांधी के प्रतिमा को पुष्पांजलि देकर कार्यक्रम का समापन होगा। यात्रा का शुभारंभ भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास वीबी करेंगे। पार्टी मुख्यालय में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि झारखंड शुरू से ही क्रांति की धरती रही है। जब जब देश को नये विचारों, नये संघर्षों की जरूरत पड़ी है, झारखंड का युवा सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश पर भ्रष्ट लोगों का राज है, जिससे हमारे देश की मूलभूत पहचान, हमारा संविधान और हमारी एकता-अखंडता खतरे में हैं।

सेवानिवृत्त आईपीएस राजीव रंजन समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सेवानिवृत आईपीएस राजीव रंजन सिंह समर्थकों के साथ शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने सबका पार्टी में स्वागत किया। दीपक ने कहा कि सभी देश, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के सदस्य बने हैं। गंगा की तरह पवित्र इस पार्टी में आने के बाद सबों को पवित्र काम करने का मौका मिला है। गरीब, आदिवासियों और जरूरतमंदों की सेवा कर सब भारत माता की

सेवा करेंगे। भाजपा के लिए राजनीति जन सेवा का माध्यम है। ऐसे में सब मिलकर इसमें लगें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समग्र विकास के जो नौ साल पूरे किए हैं, उस मुहिम को और तेज करना है। अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में इस राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटें जीतनी हैं। साथ ही अगले वर्ष होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनाव में भी राज्य से हेमंत सोरेन सरकार को विदा करना है। इसके लिए सब जुट जाएं। मौके पर राजीव रंजन ने कहा कि पिछले वर्ष 30 सालों तक पुलिस विभाग में सेवा देने के बाद वे रिटायर हुए।पर फिर दूसरी इनिंग शुरू करने का भी विचार तय कर रखा था। खुद को समाज सेवा के लिए हर लिहाज से तैयार करने का विचार किया। पाया कि भाजपा ही सबसे बेहतर पार्टी हो सकती है। वे इसी मिट्टी के लाल रहे हैं। उन्हें गर्व है कि भाजपा से जुड़कर वे इस राज्य की खुशहाली, समृद्धि के लिए काम करेंगे। बचा हुआ जीवन राज्य की उन्नति, सेवा के लिए लगाएंगे। मोदी का सपना सबका साथ, सबके विकास का है। इसे साकार करने में वे योगदान देंगे। पार्टी नेतृत्व जैसा दायित्व देगा, उसका निर्वाह करेंगे।

भाकपा महासचिव पहुंचे रांची, हुआ जोरदार स्वागत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व सांसद डी राजा, राष्ट्रीय सचिव के नारायणा, नागेंद्र नाथ ओखा और भाई चंद्र कांगो शनिवार को रांची पहुंचे। सभी नेताओं का भाकपा राज्य कार्यालय में जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने झारखंड के पारंपरिक अंग वस्त्र देकर डी राजा सहित अन्य नेताओं को सम्मानित किया। मौके पर डी राजा ने कहा कि हमें एकजुट होकर देश में काबिज जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्प लेना होगा। इसके लिए एक एक कार्यकर्ता आज से ही इस अभियान में लग जाए। इसके बाद धरती आबा बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर डी राजा ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और कहा कि बिरसा के विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। इसके बाद सभी नेता रामगढ़ के लिए रवाना हो गए।

थाना में पिटाई मामले में कार्रवाई करे मानवाधिकार आयोग : बाबूलाल

रांची। राजधानी के अरगोड़ा थाना में एक व्यक्ति की बर्बरतापूर्वक पिटाई करने का मामला सामने आया है। इसे लेकर भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखा है। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा के नाम लिखे पत्र में बाबूलाल ने कहा है कि 15 जून को अरगोड़ा थाना में विनोद कुमार सिन्हा नाम के व्यक्ति को बेरहमी से पीटा गया। विनोद न तो अपराधी है और न उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वह एक आम आदमी है, जो थान में न्याय की आस लेकर गुहार लगाने गया था। पुलिस वालों से कुछ सवाल पूछने पर उसे पीट-पीट कर लहूलुहान कर दिया गया। बाबूलाल ने आयोग से आग्रह किया है कि तत्काल राज्य सरकार को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। अरगोड़ा थाना प्रभारी संजय कुमार समेत अन्य आरोपी पुलिसकर्मियों को तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाए। सरकार द्वारा मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई है, इसलिए सरकार को भी इस मामले में पार्टी बनाया जाए।

मांग सहायक अध्यापकों ने किया सीएम आवास का घेराव

सीएमओ से वार्ता के बाद शांत हुआ आंदोलन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत शनिवार को राज्य के हजारों सहायक अध्यापक राजधानी की सड़कों पर दिखे। मोरहाबादी मैदान में महाजुटान के बाद ये शिक्षक जैसे ही सीएम आवास का घेराव करने के लिए रवाना हुए पुलिस के द्वारा उन्हें जबरन रोक दिया गया। वेतनमान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास घेरने पहुंचे राजकीय सहायक अध्यापकों ने सरकार पर उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। मोरहाबादी स्थित गुरुजी शिबू सोरेन आवास के निकट पुलिस के द्वारा लगायी गई बैरिकेडिंग के समीप इस चिलचिलाती धूप में खड़े इन सहायक शिक्षकों का हौसला कम होता नहीं दिखा। अपनी मांगों के समर्थन में सड़क पर उतरे इन सहायक शिक्षकों ने इस दौरान सरकार के विरुद्ध जमकर

नारेबाजी की। ये वही सहायक अध्यापक हैं जो कभी राज्य में पारा शिक्षक हुआ करते थे। सरकार ने जब नियमावली बनाकर इन्हें पारा शिक्षक से सहायक अध्यापक का नामांकरण कर 60 वर्षों का सेवाकाल निर्धारित किया था। उस समय ये शिक्षक भी उत्साहित थे और सरकार भी खुब वाहवाही लूट रही थी। मगर कुछ दिनों के बाद ही ये सहायक शिक्षक मानदेय के वजाय पुरानी मांग वेतनमान को लेकर आंदोलन करने लगे तो सरकार के लिए मुसीबत बन गई है। सीएमओ से सहायक अध्यापकों की वार्ताः इस आंदोलन के दौरान सहायक शिक्षकों को मुख्यमंत्री कार्यालय से वार्ता के लिए बुलावा आया। जिसके बाद एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय दूबे के नेतृत्व में शिक्षकों का 11 सदस्यीय शिष्टमंडल सीएम के ओएसडी से मिलकर अपनी बात रखी। आंदोलनरत सहायक अध्यापकों ने वेतनमान के अलावा ईपीएफ, अनुकंपा का लाभ, आकलन परीक्षा का आयोजन जल्द से जल्द कर सहायक अध्यापकों को वेतन वृद्धि देने, अप्रशिक्षित को प्रशिक्षित करने के लिए एक मौका और देने, जेटेट सहायक अध्यापकों की तरह सीटेट को भी मान्यता सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली में देकर इसे संशोधित करने की मांग रखी गई है। बता दें कि राज्य भर में 62 हजार 896 सहायक अध्यापक हैं, जो की पूर्व में पारा शिक्षक कहलाते थे। तत्कालीन शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के प्रयास से राज्य सरकार के द्वारा बनायी गई सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 को पिछले वर्ष लागू किया गया।

सीए का राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न, 600 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया

रांची। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली की रिसर्च कमेटी के तत्वावधान में आईसीएआई की रांची शाखा का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सिंथेसिस- चेंज, कंटीन्यूटी, ग्रोथ सीसीएल कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को सीए बिरादरी, सीसीएल और अन्य कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों के 600 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में सीए मनोज फडनिस, पूर्व अध्यक्ष आईसीएआई ने चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए सरकार द्वारा किए गए हालिया संशोधन एवं सरकार की चैरिटेबल ट्रस्ट को लेकर सोच प्रक्रिया के बारे में बात की। बताया कि इंटर ट्रस्ट कॉर्पस दान को आय के आवेदन के रूप में नहीं माना जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष

भाग कर शादी नहीं की तो प्रेमी ने...

छात्रा के चेहरे पर वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी और साक्ष्य छुपाने के लिए शव को पास के ही झाड़ी में फेंक कर पत्तों से ढक दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने अगले दिन छात्रा के शव को देखे जाने की सूचना लावालौंग थाने को दी थी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया था। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिमरिया एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया था। गिरफ्तार संतोष कुमार थाना क्षेत्र के हेडुम गांव का रहने वाला है।

थाने को नहीं दी थी सूचना, बाल-बाल बचे...

सीओ उसका पीछा करते हुए उत्तर वारा टोला बूढ़ी खाड़ तक चले गए। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने उनपर हमला बोल दिया। ग्रामीणों ने बताया कि बाकी नदी से अनवरत हो रही अवैध बालू की ढुलाई में कई ट्रैक्टर लगे हुए थे, जिन्हें नहीं पकड़कर सीओ ने भीस लदा हुआ ट्रैक्टर का पीछा किया। ऐसा होता देख ग्रामीणों ने उग्र रूप धारण कर लिया। आक्रोशित भीड़ ने सीओ पर यह कहते हुए हमला बोल दिया कि बालू वाले को क्यों नहीं पकड़ते। ग्रामीणों के हमले में सीओ बाल-बाल बचे लेकिन प्रखंड क्षेत्र के पूरहे गांव से दो चालक मुरारी ठाकुर के 22 वर्षीय पुत्र आशीष ठाकुर एवं रवि रंजन ठाकुर के 25 वर्षीय पुत्र रितेश ठाकुर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को को सीओ साथ में लेकर गए थे। दोनों घायलों को रेफरल अस्पताल में लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक आशीष ठाकुर को गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर अस्पताल में इलाज रत आशीष ठाकुर एवं नितेश ठाकुर ने बताया कि सीओ राम जी प्रसाद गुप्ता ने हम दोनों को छापामारी के लिए साथ ले गए थे। हम लोगों के साथ ग्रामीणों ने मारपीट की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि पूरहे गांव निवासी वीरेंद्र विश्वकर्मा के माध्यम से सीओ बराबर हम लोग को पहले से ही छापामारी में ले जाया करते थे, क्योंकि बालू वाली गाड़ी पकड़ाने के बाद उसे थाना तक हम लोग लाते थे।

सीओ ने चार नामजुद व 30-40 लोगों पर...

खबर किए छापामारी करने क्यों गए? तो इस पर उन्होंने कहा कि मैं पुलिस को कभी सूचना नहीं दूंगा, मैं बिना पुलिस के ही छापामारी करूंगा। इस संबंध में थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने कहा कि छापामारी के दौरान अंचल पदाधिकारी द्वारा हमें सूचना नहीं दी गई थी।

ढाका टेस्ट : बांग्लादेश ने रचा इतिहास

अफगानिस्तान को 546 रनों से दी शिकस्त

एजेंसी। ढाका

नजमुल हुसैन शान्तो के दोनों पारियों में लगाए गए शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने शनिवार को ढाका के शेरे बांग्ला स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट मैच में अफगानिस्तान को 546 रनों से करारी शिकस्त दी। रनों के मामले में टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश की यह सबसे बड़ी जीत है। वहीं, टेस्ट इतिहास में कुल मिलाकर यह तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इसके अलावा यह रेड-बॉल क्रिकेट में 20वीं सदी के बाद से जीत का सबसे बड़ा अंतर भी है। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। बांग्लादेश ने शांतो के 146

रनों के शानदार शतक और महमुदुल हसन जॉय (76) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत अपनी पहली पारी में सभी विकेट खोकर 382 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मुश्फिकुर रहीम ने 47 और मेंहदी हसन मिराज ने 48 रन बनाए। अफगानिस्तान की तरफ से पहली पारी में निजात मसूद ने 5 विकेट लिए। मसूद के अलावा अहमदजई ने 2 और जहीर खान, आमिर हामजा व रहमत ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में अफगानिस्तान की पहली पारी केवल 146 रनों पर सिमट गई। अफगानिस्तान की तरफ से नासिर जमाल (35), अफसर जजई (36) और करीम जन्नत (23) ही कुछ संघर्ष कर सके। बांग्लादेश की ओर से इबादत हुसैन ने 4, शोरिफुल इस्लाम, तइजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने 2-2 विकेट लिए। पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश को 236 रनों की बढ़त मिली। बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी शांतो (124) और मोमिनुल (नाबाद 121) के शतकों की बदौलत 4 विकेट पर 425 रन बनाकर घोषित कर दी और अफगानिस्तान के सामने 662 रनों का लक्ष्य रखा। दूसरी पारी में शांतो और मोमिनुल के अलावा जाकिर हसन (71) और लिटन दास (नाबाद 66) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। दूसरी पारी में अफगानिस्तान के लिए जहीर खान ने 2 और आमिर हामजा ने 1 विकेट लिया। 662 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम केवल 115 रनों पर सिमट गई और 546 रनों से मैच हार गई। दूसरी पारी में अफगानिस्तान के लिए केवल रहमत शाह ही कुछ संघर्ष कर सके रहमत ने 30 रन बनाए, वहीं करीम जन्नत ने 18 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में तस्कीन अहमद ने 4 शारिफुल इस्लाम ने 3 और मेंहदी हसन मिराज व इबादत हुसैन ने 1-1 विकेट लिया।

इंग्लैंड की साहसिक पारी घोषणा से खुश नहीं हुए पीटरसन : नासिर हुसैन

एजेंसी। बर्मिंघम

इंग्लैंड के अपनी पहली पारी 393/8 पर घोषित करने के आश्चर्यजनक फैसले से उसके पूर्व खिलाड़ियों में मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। केविन पीटरसन को साहसिक घोषणा पसंद नहीं आई, जबकि नासिर हुसैन ने इसे एक शानदार कदम बताया। एजबस्टन में एशेज के शुरूआती दिन जो रूट ने अपना 30वां टेस्ट शतक (नाबाद 118) बनाया और इंग्लैंड 78 ओवर में 393/8 के स्कोर पर पारी घोषित करने का आश्चर्यजनक ऐलान करके टेस्ट क्रिकेट खेलने के अपने अति-आक्रामक और साहसिक धष्टिकोण पर अड़ा रहा। हालांकि पीटरसन ने स्वीकार किया कि घोषणा इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट खेलने के नए धष्टिकोण को दशार्ती है, लेकिन वह आने वाले दिनों में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को रन

बनाने का मौका देने वाली एक सपाट पिच का हवाला देते हुए निर्णय के प्रशंसक नहीं थे। हम घोषणा के बारे में बात कर रहे थे, हम घोषणा के बारे में सोच रहे थे, लेकिन दो या तीन साल पहले एक घोषणा का संकेत भी नहीं होगा। लेकिन इस टीम के साथ, क्या हम हैरान हैं? स्काई स्पोर्ट्स द्वारा पीटरसन के हवाले से कहा गया, मुझे नहीं लगता कि हम हैं लेकिन मैं केवल इस बात से थोड़ा हैरान हूं कि वास्तव में यह विकेट कितना सपाट है। हमने ऑस्ट्रेलिया को अब वहां बल्लेबाजी करते हुए देखा और दोनों ओपनरों में कोई आउट नहीं हुआ। मुझे घोषणा पसंद नहीं आई। दूसरी ओर, हुसैन का मानना है कि पहले दिन के खेल में स्टंप्स आने से पहले इस घोषणा से दुनिया को पुराने दुश्मन स्टुअर्ट ब्रॉड और डेविड वार्नर का एक बार फिर आमना-सामना देखने को मिला। हुसैन ने कहा, ₹मैंने एक महीने पहले चेन्नई में बेन स्टोक्स से कहा था, 'अगर आपके पहली पारी में आठ विकेट गिरे हों, तो क्या आप पारी घोषित करेंगे? उन्होंने कहा, ₹हाँ, हम जिमी एंडरसन को बल्लेबाजी के लिए क्यों भेजेंगे?₹ उसने उसे बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा, उसने अपने गेंदबाजों को वार्नर को आउट करने के लिए भेजा। हालांकि डेविड वार्नर और उस्मान ख्वाजा ने दिन के शेष चार ओवर सुरक्षित निकाल लिए।

मरे नॉटिंघम ओपन के सेमीफाइनल में

नॉटिंघम (यूके)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी एंडी मरे ने यहां नॉटिंघम ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए डोमिनिक स्ट्राइकर की कड़ी चुनौती को काबू किया। शुक्रवार को रोथेसे ओपन के क्वार्टर फाइनल में स्ट्राइकर को 7-6(2), 7-5 से हराने के बाद इस हफ्ते स्कॉटलैंड के मरे अभी तक एक सेट नहीं गंवा पाए हैं। मरे ने शुरूआती सेट में अपनी पहली सर्विस से सिर्फ एक अंक गंवाकर 20 वर्षीय खिलाड़ी पर बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बावजूद उन्होंने वापसी की और 11वें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल किया और मैच को एक घंटे 48 मिनट में समाप्त कर दिया। तीन बार के प्रमुख चैंपियन ने अपने पिछले 14 चैलेंजर-स्तरीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है, जिसमें ऐक्स-एन-प्रोवेंस में और सर्बिटन में पिछले सप्ताह खिताबी जीत शामिल है।

हमने टचलाइन से गोल खाए हैं और इसे ठीक करने की जरूरत है : हरमनप्रीत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए यूरोप का दौरा मिले-जुले परिणाम वाला रहा। इस दौरान भारतीय टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 सीजन में दो सप्ताह के अंतराल में खेले गए आठ मैचों में से चार में जीत हासिल की। भारत बेल्जियम के खिलाफ पहला मैच 2-1 से हारा और दूसरा मैच 5-1 से जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ भारतीय टीम शूटआउट में पहला मैच 2-4 से हारी और दूसरा 4-4 (4-2) से जीत गई। अर्जेंटीना के खिलाफ डबल हेडर में, भारत ने 3-0 और 2-1 से जीत दर्ज की, जबकि टीम नीदरलैंड के खिलाफ 1-4 और 2-3 से हार गई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने क्रमशः लंदन और नीदरलैंड में अपने आउटिंग के बारे में बात करते हुए कहा, कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि यह एक अच्छी आउटिंग थी। शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और मुझे लगता है कि हम बिलिंग पर खरे उतरे हैं। भारतीय टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 सीजन के 16 मैचों में 30 अंकों के साथ टेबल टॉपर्स के रूप में अपना अभियान समाप्त किया। यह नए मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के तहत टीम का पहला आउटिंग भी था। कप्तान ने कहा, क्रेग टीम में बहुत सकारात्मकता लाते हैं और वह अपने विचारों और अपेक्षाओं में बहुत स्पष्ट है कि हमें एक टीम के रूप में कैसे खेलना चाहिए। इन मैचों में, हमारे खेल में एक अनुशासित संरचना को क्रियान्वित करने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें बचाव पर जोर दिया गया था। भारतीय टीम ब्रेक पर है और ट्रेनिंग कैंप शुरू होने के बाद बहुप्रतीक्षित एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 की तैयारी शुरू कर देगी।

मोर्ने मोर्केल गेंदबाजी कोच नियुक्त

बाबर आजम की अगुवाई में 16 सदस्यीय टीम श्रीलंका में दो टेस्ट खेलेगी

एजेंसी। कराची

तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को अगले महीने श्रीलंका में होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए शनिवार को पाकिस्तान की टीम में शामिल किया गया जबकि मोहम्मद हुरैरा और आमिर जमाल को लंबे प्रारूप की टीम में पहली बार जगह मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्केल को गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। पीसीबी ने उनके साथ छह महीने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किया हैं।

बाबर आजम की अगुवाई में 16 सदस्यीय टीम श्रीलंका में दो टेस्ट खेलेगी। इस श्रृंखला से

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शाहीन अफरीदी की पाक टीम में वापसी

पाकिस्तान आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तीसरे चक्र में अपने अभियान का आगाज करेगा। पाकिस्तान के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन की वापसी राहत देने वाली खबर है। शाहीन ने घुटने की चोट के कारण पिछले साल जुलाई से कोई टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। उसे यह चोट जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ ही लगी थी। पाकिस्तान के लिए उन्होंने अपना पिछला मैच अक्टूबर में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में खेला था। शाहीन के नाम टेस्ट में 99 विकेट है और 2018 में पदार्पण के बाद वह अपने देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है। हुरैरा बल्लेबाजी ऑलराउंडर है जबकि जमाल ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय में आखिरी ओवर में मोईन अली के खिलाफ 15 रनों का बचाव किया था। टीम में चार स्पिनर, चार तेज गेंदबाज, छह विशेषज्ञ बल्लेबाज और दो विकेट कीपर बल्लेबाज हैं।

पाकिस्तान टीम

बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, हसन अली, इमाम-उल-हक, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नोमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सऊद शकील, शाहीन अफरीदी और शान मसूद।

गिरोड-केन ने गोल के रिकॉर्ड को किया बेहतर, फ्रांस व इंग्लैंड जीते

एजेंसी। पेरिस

स्ट्राइकर ओलिवियर गिरोड और हैरी केन ने अपनी राष्ट्रीय टीम के गोल रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया, जिससे फ्रांस और इंग्लैंड ने यूरोपीय चैम्पियनशिप के क्वालीफाइंग में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। फ्रांस ने ग्रुप बी के मैच में जिब्राल्टर को 3-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में गिरोड ने देश के लिए अपना 54वां गोल किया। माल्टा पर 4-0 की जीत से इंग्लैंड ग्रुप सी की तालिका में शीर्ष पर है। इस मुकाबले में केन ने पेनल्टी को गोल में बदला। राष्ट्रीय टीम के लिए यह उनका 56वां गोल है। फ्रांस और इंग्लैंड अपने-अपने ग्रुप की तालिका में शीर्ष पर है। अंडोरा में 2-1 की सफलता के बाद स्विट्जरलैंड नौ अंक के साथ ग्रुप आई में शीर्ष पर हैं। ग्रुप बी के अन्य मैच में यूनान ने आयरलैंड को 2-1 से हराया। यूक्रेन ने ग्रुप सी के मैच में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए उत्तरी मेसेडोनिया को 3-2 से हराया। ग्रुप डी में वेल्स को आर्मेनिया के खिलाफ 2-4 की हार के साथ उलटफेर का शिकार होना पड़ा। लात्विया पर 3-2 की जीत के साथ तुर्किए तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। डेनमार्क ग्रुप एच के मैच में उत्तरी आयरलैंड पर 1-0 की जीत के बाद तालिका में शीर्ष पर है। सैन मैरिनो के खिलाफ 3-0 की जीत के बाद कजाखस्तान दूसरे स्थान पहुंच गया। फिनलैंड ने स्लोवेनिया को 2-0 से शिकस्त दी।

वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, शाकिब की वापसी

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ओडीआई) सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। तीन मैचों की वनडे सीरीज 5 जुलाई से चटोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में शुरू होगी। यह मैदान सीरीज के सभी तीन मैचों की मेजबानी करेगा। बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की आगामी तीन मैचों की सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई है। 36 वर्षीय शाकिब, मई में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान उंगली में चोट लगने के कारण मीरपुर में शेर-ए-बांग्ला में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से चूक गए थे। बांग्लादेश 50 ओवर के प्रारूप में अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा, जैसा उसने हाल ही में भारत और आयरलैंड के खिलाफ किया है।

बांग्लादेश टीम

तमीम इकबाल (कप्तान), लिटन दास, नजमुल हुसैन शान्तो, शाकिब अल हसन, मुशफिकुर रहीम, तौहीद हृदय, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, तस्किन अहमद, एबादत हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शोरफुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मोहम्मद नईम

डायमंड लीग के लुसाने चरण में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा

जर्मनी केजूलियन वेबर देंगे चुनौती

एजेंसी। नई दिल्ली

मांसेशियों में खिंचाव से उबर रहे दुनिया के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के 30 जून को लुसाने में वांडा डाइमंड लीग के छठे चरण के साथ वापसी करने की संभावना है। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने अब तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन प्रतियोगिता की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इस महीने के अंत में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारतीय एथलीट प्रतिस्पर्धा पेश करता नजर आएगा। वेबसाइट के अनुसार, भाला फेंक में भारतीय ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को चेक गणराज्य के याकुब वाडलेच और जर्मनी के जूलियन वेबर चुनौती देंगे। चोपड़ा ने पिछले महीने ट्विटर पर घोषणा की थी कि ट्रेनिंग के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और एहतियात के तौर पर वह चार जून को नीदरलैंड में होने वाले एफबीके खेलों और 13 जून को फिनलैंड में होने वाली पावो नुर्मी मीट से हट गए। यह 25 वर्षीय खिलाड़ी साथ ही भुवनेश्वर में चल रही राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले रहा है। चोपड़ा के 27 जून को चेक गणराज्य में गोल्डन स्पाइक ओस्त्रावा टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेने का कार्यक्रम है लेकिन अभी तक इस संबंध में उन्होंने औपचारिक घोषणा नहीं की है। इस 25 वर्षीय एथलीट ने पांच मई के 88.67 मीटर के प्रयास के साथ दोहा डाइमंड लीग का खिताब अपने नाम करके सत्र की शानदार शुरूआत की थी। इसी साल हंगरी के बुडापेस्ट में 19 से 27 अगस्त तक विश्व चैंपियन, डाइमंड लीग फाइनल और एशियाई खेल भी होने हैं।

फैसला

इशान किशन दलीप ट्रॉफी से हटे

एनसीए में प्रशिक्षण का विकल्प चुना

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों से विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन के आगामी दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के लिए नहीं खेलने के फैसले के पीछे कई कारणों को लेकर चर्चा हो रही थी। दलीप ट्रॉफी 28 जून से बेंगलुरु में शुरू होगी। लेकिन अब यह पता चला है कि किशन दलीप ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं क्योंकि वह 12 जुलाई से शुरू होने वाले सभी प्रारूपों के वेस्टइंडीज दौरे से पहले प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जा रहे हैं। इसके बजाय वह सोमवार या मंगलवार से ट्रेनिंग के लिए एनसीए जा रहे हैं, क्योंकि उनके वेस्टइंडीज दौरे पर जाने की सबसे ज्यादा संभावना है। 2016 पुरुषों के अंडर 19 विश्व कप में उपविजेता फिनिश में भारत के कप्तान, किशन, 2023 की शुरूआत के बाद से ज्यादा नहीं खेले हैं। उन्हें वर्ष की शुरूआत

में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में शामिल किया गया था जिसमें वह खेले। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय मैचों के लिए भी टीम में शामिल किया गया, हालांकि उन्हें एक मैच खेलने को नहीं मिला। केएल राहुल के न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैचों के लिए अनुपलब्ध होने के कारण, किशन ने सभी तीन मैच खेले, इसके बाद इसी टीम के खिलाफ तीनों टी20 मैचों में भाग लिया। वह फरवरी-मार्च में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में दूसरे विकेटकीपिंग विकल्प भी थे , जिसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में एक मैच खेला। एक बार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं समाप्त हो जाने के बाद, किशन ने आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के लिए लीग चरण से लेकर क्वालीफायर 2 तक सभी 16 मैचों में भाग लिया। दाहिनी जांघ की चोट की सर्जरी के कारण राहुल हाल ही में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से बाहर हो गए, भारत की टीम में उनके प्रतिस्थापन के रूप में किशन को नामित किया गया था। आईपीएल 2023 में मुंबई का अभियान समाप्त होने के बाद लंदन के लिए उड़ान भरी। हालांकि किशन को व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम से कुछ राहत मिली है, लेकिन अब वह कैरिबियन के सभी प्रारूपों के दौरे से पहले प्रशिक्षण के लिए एनसीए के लिए रवाना होंगे, जिसके लिए भारतीय टीम जुलाई के शुरूआती दिनों में रवाना हो सकती है। भारत का वेस्टइंडीज दौरा 12 जुलाई से 13 अगस्त तक होने वाला है, जिसमें दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल हैं। डोमिनिका में विंडसर पार्क 12 से 16 जुलाई तक पहला टेस्ट मैच आयोजित करेगा, इसके बाद दूसरा टेस्ट 20 से 24 जुलाई तक त्रिनिदाद में क्वींस पार्क ओवल में खेला जाएगा। त्रिनिदाद में दूसरा टेस्ट भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाने वाला 100वां टेस्ट मैच भी होगा। दोनों टेस्ट 2023-2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में भारत की यात्रा को किकस्टार्ट करेंगे। इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला है, जिसमें पहले दो मैच 27 और 29 जुलाई को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में होंगे।